Punjab Files
ਪੰਜਾਬੀ ਸਨਾਤਨੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼

YEAR 1982

लाला जी हत्याकांड में वांछित स्वर्ण सिंह गिरफ्तार

अभियुक्त भिंडरांवाला का सगा भतीजा : छिपाने वाला मंगल सिंह भी एक भट्ठे से बन्दी

हत्या के बाद स्वर्ण सिंह भिंडरां के डेरे में जा छिपा था

चंडीगढ़, 16 फरवरी (यू., वि. प्र. प्रै., हि.) : प्रख्यात पत्रकार लाला जगत नारायण की हत्या के आरोप में वांछित दो अभियुक्तों स्वर्ण सिंह व दर्शन सिंह को पंजाब पुलिस ने आज तड़के फरीदकोट जनपद के 2 स्थानों पर छापेमार कर गिरफ्तार कर लिया। स्वर्ण सिंह को शरण देने के आरोप में मंगल सिंह नामक एक व्यक्ति भी गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें पुलिस कल मोगा अथवा फरीदकोट के न्यायालय में पेश कर रिमांड लेगी। एक अन्य प्रमुख हत्यारा दलबीर सिंह अभी भी फरार है। उनके एक साथी नच्छत्र सिंह को लाला जी की हत्या के तत्काल बाद पकड़ लिया गया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार स्वर्ण सिंह उग्रवादी अकाली धार्मिक नेता जरनैल सिंह भिंडरांवाला का सगा भतीजा है और लाला जी की हत्या के बाद उसने अपने साथी के साथ भिंडरांवाला के चौक मेहता स्थित मुख्यालय में शरण ले रखी थी। पुलिस ने आज उसे फरीदकोट जिले की जैतू तहसील के [illegible] में गिरफ्तार किया।

राज्य के उपमहा निरीक्षक पुलिस (अपराध) आर. के. [illegible] के अनुसार फरीदकोट के वरिष्ठ अधीक्षक पुलिस एस.बी. सिंह को मुखबिरों से सूचना मिली कि स्वर्ण सिंह [illegible] में छिपा हुआ है। वहां छापा मारा गया पर अभियुक्त नहीं मिला। फिर पुलिस ने [illegible] जहां [illegible] मिला। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जब उससे पूछताछ की तो उसने उस स्थान की ओर इशारा किया जहां स्वर्ण सिंह छिपा हुआ था। पुलिस जब वहां पहुंची तो वहां छिपे स्वर्ण सिंह ने कहा, "हां, मैं ही स्वर्ण सिंह हूं।" उसे गिरफ्तार कर लिया गया। मंगल सिंह को फरार अपराधी स्वर्ण सिंह को शरण देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। स्वर्ण सिंह इश्तहारी मुलजिम घोषित था और उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

सम्पूर्ण पुलिस कार्रवाई पूरी तरह गुप्त रखी गई थी। यहां तक कि पुलिस के राज्य मुख्यालय को भी सूचना नहीं थी। स्वर्ण सिंह को गिरफ्तार करने गए एक उप अधीक्षक पुलिस डी. पी. वशिष्ठ, 4 इंस्पैक्टरों, 8 ए. एस. आई. व 130 सिपाहियों पर आधारित स्वचालित शस्त्रों से लैस पुलिस दल का नेतृत्व स्वयं एस. एस. पी. एस.पी. सिंह कर रहे थे। पंजाब के मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह ने गिरफ्तारियों की पुष्टि की और स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे पुलिस की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

भू. पू. सांसद व प्रमुख पत्रकार लाला जगत नारायण जी की गत 9 सितम्बर 1981 की शाम को लुधियाना के पास मोटर साइकिल सवार तीन व्यक्तियों ने उनकी कार पर गोली चला कर हत्या कर दी थी और कार चालक सोमनाथ को घायल कर दिया था। एक हमलावर नछत्तरसिंह को मौके पर ही पकड़ लिया गया था।

जैतो से रघुनन्दन पाराशर के अनुसार पुलिस ने फरीदकोट जनपद के ग्राम गुमटी खुर्द में आज तड़के छापा मार कर लाला जी की हत्या में वांछित एक अन्य अभियुक्त दर्शन सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। उसको शरण देने वाले उसके रिश्तेदार को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

हरसिमरन का 27 फरवरी तक न्यायिक रिमांड

अमृतसर, 16 फरवरी (प्रै.) : दल खालसा के पंच हरसिमरन सिंह का आज यहां जुडीशियल मैजिस्ट्रेट श्री एस. एस. कंवल ने 27 फरवरी तक रिमांड दे दिया है। बचाव पक्ष के वकील श्री पी. एस. हुंडल ने बाद में आरोप लगाया कि हरसिमरन सिंह को अदालत में उनकी उपस्थिति के बगैर पेश किया गया। उन्होंने कहा कि विचाराधीन कैदियों को अदालत में पेश करने का सामान्य समय दोपहर डेढ़ बजे के बाद होता है जबकि उसे प्रातः 11.30 बजे ही पेश कर दिया गया तथा पुलिस उसे खिसका कर ले

तीन का नहीं केवल दो ही विपक्षी दलों का विलय : चरण सिंह

बंगलौर, 16 फरवरी (यू.न्यू.) : लोकदल के प्रधान चरण सिंह ने यहां कहा कि जनता है त्रिविपक्षी दलों में कांग्रेस (स) विलय के पक्ष में नहीं और अब केवल दो विपक्षी दलों अर्थात् लोकदल व जनता पार्टी में ही विलय होगा।

श्री चरण सिंह यहां जनता नेता निजलिंगप्पा के 80वें जन्म दिवस पर आयोजित एक सभा में बोल रहे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस (स) विलय के मामले में बाधाएं डाल रही है।

इस अवसर पर कांग्रेस (स) के नेता देवराज अर्स ने त्रिविपक्षी दलों के विलय के प्रयास को सुदृढ़ करने के लिए अपनी सेवाओं की पेशकश की और कहा कि इस मामले में मैं अन्य नेताओं से बातचीत करने को तैयार हूं। उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों के विचार से सहमत नहीं जो विलय को एक मृग मरीचिका मानते हैं।

लोकदल के नेता जार्ज फर्नांडीज ने कहा कि यद्यपि विलय के मार्ग में बाधाएं हैं परन्तु ये दूर की जानी चाहिएं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्री निजलिंगप्पा जन-आंदोलन का नेतृत्व करेंगे।

जनता पार्टी के अध्यक्ष चन्द्र शेखर ने कहा कि प्रधानमन्त्री इंदिरा गांधी देश में भय की मनोवृत्ति फैला रही हैं और मुख्यमन्त्री तक अपने भविष्य के प्रति निश्चित नहीं रह गए हैं।

बराड़ महाराष्ट्र के राज्यपाल बनेंगे

नई दिल्ली, 16 फरवरी (टाई.) : पंजाब के प्रमुख इंका नेता श्री हरचरण सिंह बराड़ को महाराष्ट्र का राज्यपाल नियुक्त किया जा रहा है। श्री बराड़ श्री ओ. पी. मेहरा का स्थान ग्रहण करेंगे।

हत्यारों को सम्मानित करना सिख धर्म का अपमान : गोयल

चंडीगढ़, 16 फरवरी (सागर)

Punjabi Sanatani

खूनी दस्ते का गठन बैसाखी कांड का बदला लेने को एक उग्रवादी विधवा ने किया था

★ खूनी दस्ते के सभी सदस्य अखंड कीर्तनी जत्थे में शामिल थे ★ मुखिया तलविंदर ने उग्रवादी की विधवा अमरजीत कौर को जोंगा भेंट की ★सेना के एक मेजर के खोए हुए शस्त्र ने बाबा निरंकारी बाबा की जान ली ★ 1978-80 तक उग्रवादी फरीदकोट में ही सक्रिय रहे फिर जैल सिंह उनकी ओर से आंख क्यों मूंदे रहे ? ★ उग्रवादियों के समर्थक आई. पी. एस. पुलिस अफसर को किसकी शह थी ?

जालन्धर, 22 फरवरी (ने.ह.): पंजाब में हुए हत्याकांडों के लिए जिम्मेदार हत्यारे दस्ते के गठन के पीछे अमृतसर के स्वर्ण मन्दिर के गुरु नानक निवास में छिपी अमरजीत कौर का हाथ बताया जाता है, जिसका पति 13 अप्रैल, 1978 को अमृतसर में हुए अकाली-निरंकारी संघर्ष के दौरान मारा गया था ।

हरसिमरन सिंह

अपने पति की हत्या का बदला लेने केलिए ही अमरजीत कौर ने उस संघर्ष में घायल वायुसेना के सेवारत कारपोरल (अब रिटायर्ड स्क्वाड्रन लीडर) अमोलक सिंह की मदद से इस हत्यारे दस्ते का गठन किया था। अमोलक सिंह भाई रंधीर सिंह के अखंड कीर्तनी जत्थे का सक्रिय कार्यकर्त्ता है। वह उस संघर्ष में निरंकारियों के खिलाफ चलाए गए मुकद्दमे में सबूत पक्ष का गवाह भी था । उसे हाल ही में पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया था परन्तु केंद्र सरकार के उच्च पदस्थों के हस्तक्षेप पर उसे रिहा कर दिया गया ।

अमरजीत कौर का दूसरा प्रमुख सहायक है गुरदासपुर जिले का जसवंत सिंह ठेकेदार, जो अब फरार है । 13 अप्रैल, 1978 को अमृतसर में हुए संघर्ष में वह भी सबूत पक्ष का गवाह था । उसने एक वरिष्ठ आई. ए. एस. अधिकारी निरंजन सिंह के खिलाफ गवाही दी थी । निरंजन सिंह ने गुरदासपुर में अपनी नियुक्ति के दौरान निरंकारी प्रमुख बाबा गुरचरण सिंह को दो बार बुलाया था जिसके फलस्वरूप अखंड कीर्तनी जत्था तथा जरनैल सिंह भिंडरांवाला से सम्बद्ध जसवंत सिंह ठेकेदार निरंजन सिंह से नाराज हो गया था ।

अमरजीत कौर का तीसरा प्रमुख सहायक था पांछटा (कपूरथला) का तलविन्दर सिंह, जो इस समय हत्यारे दस्ते का नेता है और भूमिगत है । तलविन्दर भी अखंड कीर्तनी जत्थे का सदस्य है ।

दल खालसा के मुख्य पंच हरसिमरन सिंह ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि तलविन्दर सिंह काफी धनी है और हाल ही में उसने एक जोंगा जीप अमरजीत कौर को भेंट की थी ।

हरसिमरन सिंह ने पुलिस द्वारा की गई पूछताछ के दौरान यह भी बताया कि यह जोंगा जीप उसने अक्सर तलविन्दर के घर पर खड़ी देखी थी । हरसिमरन व तलविन्दर में सितम्बर, 1981 में दो मुलाकातें कपूरथला के गुरुद्वारा टम्मी साहब में हुईं जिनमें हरसिमरन का पुराना साथी और अब हत्यारे दस्ते का सदस्य वधावा सिंह भी उपस्थित रहा था ।

विश्वस्त सूत्रों से पता चला है कि अखंड कीर्तनी जत्थे में पंजाब पुलिस, वायु सेना व सेना के प्रशिक्षित अचूक निशानेबाज शामिल हैं । इसी जत्थे से हत्यारा दस्ता बनाया गया है । ये प्रशिक्षित निशानेबाज़ पंजाब के दो वरिष्ठ आई. पी. एस. अधिकारियों के साथ अपने संबंधों के कारण उग्रवादियों के धड़े में शामिल हुए । इन दो पुलिस अधिकारियों में से एक 1978 में फरीदकोट का एस. एस. पी. था और अब उसे राज्य से बाहर भेज दिया गया है । इस पुलिस अधिकारी ने सेना के एक मेजर तथा एक कैप्टन की मदद से फरीदकोट को उग्रवादियों का गढ़ बना दिया । इस पुलिस अधिकारी की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट पंजाब सरकार ने केंद्र को भेज दी है ।

सैनिक कैप्टन अभी भी कार्यरत है । पहले वह फरीदकोट में था परन्तु जब उसके अधिकारियों को उसकी गतिविधियों का पता चला तो उसे आसम तबदील कर दिया गया । सैनिक मेजर पहले राजस्थान में महाजन योजना का इन्चार्ज था । मेजर ने 15 अप्रैल, 1980 को अपने

अमोलक सिंह

ड्राइवर के नाम जारी एक स्वचालित शस्त्र हथिया लिया और 23 अप्रैल, 1980 को सूचना दी कि यह शस्त्र गायब हो गया है । 24 अप्रैल, 1980 को ही नई दिल्ली में निरंकारी प्रमुख व उनके अंगरक्षक की हत्या इसी स्वचालित शस्त्र से कर दी गई । निरंकारी बाबा की हत्या में प्रयुक्त शस्त्र मेजर के ड्राइवर का गायब शस्त्र अभी तक नहीं खोजा जा सका है ।

उक्त वरिष्ठ आई. पी. एस. अधिकारी ने अपने कार्यकाल के दौरान भिंडरांवाले के अनुयाइयों को प्रति-

(शेष पृष्ठ 6 पर)

Punjabi Sanatani

खूनी दस्ते का गठन

(3 पृष्ठ का शेष)

बंधित बोर के शस्त्रों के लाइसैंस दिला दिए और इनकी सिफारिश फरीदकोट के एक प्रमुख म्यूनिसिपल कमिश्नर ने की । एक केंद्रीय एजेंसी ने इन आरोपों की जांच की, वे सही पाए गए । यह अजीब बात है कि जिन व्यक्तियों को लाइसैंस दिए गए उन लाइसैंसों पर दूसरे व्यक्तियों के फोटो व पते थे । कभी-कभी कहा गया कि ये लाइसैंस निरंकारियों को जारी किए गए पर वस्तुत: ये शस्त्र भिडरांवाले के साथियों को मिले । नक्सलियों से भी कहा गया कि वे भिडरांवाला के गैंग में शामिल हो जाएं । उस पुलिस अधिकारी ने हैड कांस्टेबल सेवा सिंह, गुरनाम सिंह, अमरजीत सिंह की खूब मदद की और ये लोग अब हत्यारे जत्थे के सदस्य हैं । बैसाखी को हुए अमृतसर कांड में घायल करनैल सिंह को भी इसी एस. एस. पी. ने पुलिस में भर्ती कर लिया था ।

जब एक आई. पी. एस. अफसर ए. आई. जी. जी. आर. पी. पंजाब के पद पर पटियाला भेजा गया तो उसने सेवा सिंह को रेलवे पुलिस में बुला लिया । अब सेवा सिंह फरार है । इस आई. पी. एस. अधिकारी ने जैल सिंह के गृह मंत्री बनने के बाद उनके खिलाफ डी. आई. जी. सी. आई. डी. पंजाब को पत्र लिखा था और इसकी जानकारी मिलने पर भी जैल सिंह चुप रहे । 1978 से 1980 तक

Punjabi Sanatani

रही।

अगले 48 घंटों में हिमाचल व जम्मू-कश्मीर में वर्षा अथवा हिमपात एवं पंजाब में कहीं-कहीं गरज के साथ छींटे पड़ने की सम्भावना है।

सिफारिश की गई थी। अभी यात्री किराए बढ़ाए जा सकते हैं परन्तु यह कार्य विभिन्न चरणों में किया जाना चाहिए।

मोगा के निरंकारी चीफ के बेटे को गोली मार दी गई

मोगा, 23 फरवरी (मक.) : आज सायं यहां भारी सनसनी फैल गई जब किन्हीं अज्ञात व्यक्तियों ने मोगा के निरंकारी चीफ हुक्म प्रकाश के लड़के सूरज प्रकाश को मोगा रेलवे फाटक के निकट गोली मार दी। सूरज प्रकाश सख्त घायल हुए और उन्हें तत्काल स्थानीय सिविल अस्पताल में पहुंचाया गया। चूंकि सूरज प्रकाश का बहुत खून निकल चुका था इसलिए स्थानीय डाक्टरों ने उन्हें लुधियाना भेज दिया।

लुधियाना से 'म' की सूचना है कि सूरज प्रकाश का सी. एम. सी. अस्पताल में बड़ा आप्रेशन कर दिया गया है और खतरे से बाहर है।

Punjab

पंजाब का हिंसक वातावरण भिंडरांवाले व इंका के षड्यन्त्र का नतीजा

"निरंकारी विवाद 1974-75 में अंतिम तौर पर खत्म हो गया था ● 13 अप्रैल 1978 को वैशाखी पर्व पर गुरुद्वारा मंजी साहिब के दीवान में उपस्थित संगतों ने आप के सामने इस सच्चाई की पुष्टि की थी ● मैंने भी आपसे बहुत मिन्नतें कीं–'बाबा ! कौम को कांग्रेस की-फूट डालो और राज करो-की नीति में न फंसाओ' किंतु आपने मेरी एक न मानी और अखंड कीर्तनी सिहों को मनगढ़न्त कहानियां सुनाकर निरंकारी पंडाल की ओर रवाना कर दिया ।"

वरिष्ठ अकाली नेता जत्थेदार जीवन सिह उमरानंगल ने संत जरनैल सिह भिंडरांवाले को एक पत्र लिखा है । इस पत्र को अक्षरशः हम अपने पाठकों की सेवा में प्रस्तुत कर रहे हैं ।

महानुभाव,

गुरु अमरदास साहब फरमाते हैं : ए मन आरसी को गुरुमुख वेखे ।-हर मन्दिर साहब श्री अमृतसर अखिल विश्व के धर्म का आधार है । श्री गुरुग्रंथ साहब धर्म की धुरी है । यह खुदाई वाणी, सतगुरुओं की वाणी एक मात्र अकाल पुरुष की पूजा का संदेश देने वाली वाणी 'रब्ब' को पहुंचे हुए भक्तों को चाहे वे किसी भी कौम व जाति के हों उन्हें मानवता, आत्मा का परमात्मा से स्नेह, मानवता के कल्याण तथा मानव सम्पूर्ण मानव कैसे बने का उपदेश देने वाली वाणी है ।

श्लोक

"हंस हेत, लोभ, कोप, चारे नदियां अगय स्व,
पवे, दर्ज, नानका, तरिए, चरनी लग्ग ।"

ईर्ष्या, द्वेष, झूठ, चुगली व अविश्वास आदि से दूर रहने का उपदेश देने वाली, स्नेह, प्यार, सेवा ईश्वर का भय, उसका स्मरण, गुरुमति के अनुसार चलना, जहां अपने धर्म की रक्षा करना वहीं दूसरे के धर्म की रक्षा करना, आदि उपदेशों के कारण ही सभी वाणियों में शिरोमणि वाणी मानी गई है ।

नितांत्त कर्मकांडी, भले ही वह ब्राह्मण मूर्तिपूजक हो, शैव हो, योगी, जंगम, सिद्ध नाथ, वाम मार्गी (जो शराब, मांस तथा पर-स्त्री को पूजा का अंग मानते हैं) या मुसलमान-काजी हो सभी को भ्रमों व भुलावों से हटा कर तर्कसंगत ढंग से सही धार्मिक मार्ग दिखाने की कोशिश की है ।

श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 1430 पृष्ठों में हिंसा, जुल्म व यंत्रणा के समर्थन में एक शब्द भी नहीं मिलता किन्तु फिर भी श्री गुरुग्रंथ साहिब का सही पुजारी व सिखी का सही एजैंट पावन स्थानों श्री हरमन्दिर साहिब जैसे क्षेत्र में गुरुद्वारों के मंचों से हिंसा, झूठ, जुल्म और मनगढ़न्त कहानियां बना कर साम्प्रदायिक तनाव का प्रचार क्यों करें ।

सतगुरुओं का उपदेश है–सत संतोख, दया, धर्म, श्रृंगार बनाओं, सफल सुहागण नानका आपणे प्रभ भावो ।

इन उपरोक्त गुणों को धारण करने वाला नित्य प्रति नियमपूर्वक वाणी पढ़ने वाला व्यक्ति सिख क्यों न हो ?

मैंने तब भी कहा था

निरंकारी मामला सन् 1974-75 से पूर्णतः खत्म हो चुका था । 1977 में अकाली सरकार सत्तारूढ़ थी और 1978 में अकाली सरकार के होते हुए किसी की क्या मजाल हो सकती थी कि सिख धर्म के विरुद्ध कोई एक शब्द भी बोल सके ।

आपके समक्ष 13 अप्रैल 1978 को वैशाखी के दिन गुरुद्वारा मंजी साहिब अमृतसर के दीवान में हजारों लोगों ने हाथ खड़े करके इस सच्चाई की पुष्टि भी की थी कि अब कोई निरंकारी मसला नहीं है । मैंने भी आपकी बहुत मिन्नते की थीं कि बाबा कांग्रेस की नीति "पंजाबियों में फूट डालो और वापस सत्ता प्राप्त करो" की है । इस जाल में कौम को न फंसा देना । धर्मों के नाम पर साम्प्रदायिक दंगे होने से पता नहीं बात कहां जाकर खत्म होगी । जैसा कि अब हो रहा है ।

खेद है कि आपने मेरी व संगतों की एक न मानी । मेरे दिल्ली रवाना होने के दो-तीन घंटे बाद आपने मुहल्ला अजीत नगर जाकर अखंड कीर्तन करने वाले सिहों को मनगढ़ंत कहानियां बना कर धर्म के नाम पर उन गुरु-सिखों को गुमराह करके निरंकारी पंडाल की ओर जाने के लिए उकसाया ?

परिणामतः 13 सिह शहीद हो गए, छः गैर सिखों सहित दो मुसलमानों की भी हत्याएं हो गईं । क्या इस पाप तथा अनर्थ के आप जिम्मेदार नहीं ?

आज तक जितने लोगों की चाहे वे हिन्दू थे, सिख थे, निरंकारी थे,

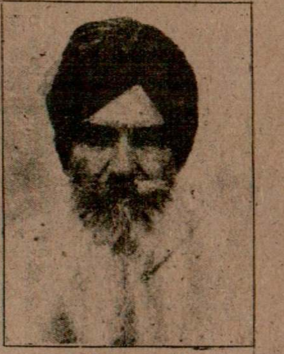

जीवन सिंह उमरानंगल

हत्याएं हुई हैं वह क्या आपकी भड़काऊ भाषणबाजी का परिणाम नहीं है ?

क्या यह आपकी कांग्रेस से मिली-भगत व साजिश का परिणाम नहीं ? क्या यह आपके नितांत निजी अहम का परिणाम नहीं है ? किसी भी जाति, धर्म के लोग हों सभी ईश्वर की रचना हैं ।

'ए जगवाजी मेरा प्रभु माली'
'उजड़ उजाड़-उजाड़ी ।

कई बहनें विधवा हुईं, अनेक बच्चे अनाथ हो गए और अनेकों मां-बाप सन्तान से वंचित हो गए। क्या इन सब पापों के लिए आपके भड़काऊ भाषण जिम्मेदार नहीं ?

धर्म के नाम पर गुमराह हुआ कोई भी भावुक व्यक्ति गलती कर सकता है । दुश्मन व विदेशी शक्तियां भी देश में साम्प्रदायिक दंगे करा कर देश की अखंडता को संकट में धकेल सकती हैं ।

हत्या के मामलों में अनेक मुकद्दमों की भीड़ में अनेक लोग फंस गए हैं । क्या इस सब के लिए आपकी भड़काऊ भाषणबाजी उत्तरदायी नहीं हैं ?

गुरु अमर दास साहिब फरमाते हैं :

'मानसा किआहु दीवानहु
कोई नस भज निकले
हर दीवानहु कोई किथ्थे जाया'

अच्छे-बुरे का लेखा सतगुरु की वाणी के अनुसार देना ही पड़ता है ।

गुरु तेग बहादुर साहिब की अपार बख्शीशों द्वारा मैंने इन पापों, हिंसा तथा ईर्ष्या को रोकने का यत्न इस तरह किया है :

13 अप्रैल 1978 को मंजी साहब के दीवान में आपसे मिन्नतें की थीं कि पंजाब में साम्प्रदायिक दंगा करवा के कांग्रेस की सत्ता हथियाने तथा अकाली सरकार को गिराने आदि की जो योजना है उसके जाल में कौम को न फंसा देना । आपने मेरी एक न मानी ।

17 अगस्त 1978 को गांव मेहता के गुरुद्वारे में मैंने आपसे अनुरोध किया था कि आपका जबरन भवन बंद कराने की घोषणा युद्ध-घोषणा है । कृपा करके इसे वापस लीजिए । आपने मेरी बात क्या माननी थी, अकाली दल के नेताओं से बात करके भी इस पर कायम न रहे ।

18 अगस्त, 1978 को बाबा बकाला के दीवान में आपकी ऐसी ही भड़काऊ भाषणबाजी का मैंने आपके सामने ही विरोध किया था ।

इसी मुद्दे पर-हिंसा या अहिंसा–हमने गुरुद्वारा चुनाव भी लड़ा । आपने 25-30 स्थानों पर अकाली दल के मुकाबले पर उम्मीदवार खड़े किए । आप एक को छोड़ कर सारे स्थान हार गए । लोगों ने हिंसा के विरुद्ध न अहिंसा के पक्ष में फतवा दिया । पंजाब की सारी कांग्रेस ने गुरुद्वारा चुनाव में नोटों तथा वोटों से आपकी मदद की और आपने विधान-सभा चुनावों में कांग्रेस की खुलेआम मदद की थी । क्या यह प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं कि आप कांग्रेस से मिले हुए हैं ?

आपकी व कांग्रेस की मिलीभगत तथा साजिश को लोगों ने ठुकरा कर गुरु की कृपा से दास पर कृपा की थी । विधानसभा चुनावों में भी जनता ने दास पर कृपा की थी ।

सिखी के सिद्धांत हैं कि अपने जितना ही दूसरों के दुःख को अनुभूत करो । भाई कन्हैया की भांति क्या आप ऐसा करते हैं ? मैं सब को ही अपना मानता हूं । हत्याओं का मेरे मन पर बराबर का दुःख हुआ है ।

अक्तूबर-नवम्बर 1981 में 45 दिन श्री गुरुग्रंथ साहिब की ईश्वरीय वाणी का ग्रंथों से छः पाठ करके सभी मृतकों की आत्म शांति हेतु व उनके परिजनों से सहानुभूति हेतु भोग के उपरांत 29 नवम्बर 1981 को अरदास की । संगतों की अरदास स्वीकार करके सतगुरुओं ने इन जुल्मों को काफी हद तक कम किया है ।

सतगुरुओं से हर समय अरदास करता रहता हूं कि जिस तरह आपके भाई जोगा सिंह को पापों से बचाया था उसी तरह से अब भी पहरा देकर अपनी फुलवाड़ी को बचाओ ।

दुश्मन के बच्चे भी अपने होते हैं । सभी के भले के लिए आपसे फिर प्रार्थना करता हूं कि गुरुग्रंथ साहिब की वाणी के अनुसार स्नेह, बंधुत्व, शांति तथा सहयोग की भावनाओं का प्रस्फुरण करके द्वेषाग्नि से लोगों को बचाओ और हिंसक तथा भड़काऊ बयान देकर दुःखी हृदयों को न तड़पाओ ।

इस बिगड़े हुए वातावरण से नुक्सान या फायदा कांग्रेस या अकाली दल को क्या हुआ ? इस सब घटनाओं से हिन्दू, हरिजन, मजहबी आदि समस्त अल्पसंख्यक लोहार, मेहरे, बाजीगर, निरंकारी, राधास्वामी तथा अन्य सब, सभी संत, महन्त तथा डेरेदार जो काफी संख्या में अकाली दल के साथ होते थे वे कांग्रेस से जुड़ गए हैं जिससे कांग्रेस पुनः सत्ता प्राप्त करने में सफल रही ।

99.9 प्रतिशत सिख भी ऐसे साम्प्रदायिक द्वेष व हिंसक वातावरण को सिखों व देश के लिए हानिप्रद समझते हैं ।

गुरुद्वारों के प्रति इस साम्प्रदायिक तथा हिंसक प्रचार ने गैर-सिखों की श्रद्धा घटाई । इससे भी अकालियों को नुक्सान तथा विरोधियों को फायदा हुआ ।

अधिक अधिकार प्राप्त करने के आनन्दपुर प्रस्ताव का क्रियान्वयन भी आपकी कृपाओं से लटका पड़ा है जिसका नुक्सान भी अकालियों को हुआ । यदि अकालियों को सत्ता प्राप्त करनी हो तो उसे वोट कम मिलेंगे ।

सन् 1977 की बनी हुई सरकार टूटी, जनता पार्टी के 23 सदस्यों ने अकाली सरकार का साथ छोड़ा । 1977 में लोकसभा चुनावों में जहां अकाली दल व जनता पार्टी ने शत-प्रतिशत जीत प्राप्त की थी, वहां अब 1980 में पूरी तरह से हारे । 1980 में इसकी सरकार न बन सकी । जो कांग्रेस चाहती थी कि फूट डाल कर सत्ता वापस हथियाई जाए उसमें वह शत-प्रतिशत कामयाब रही । ऐसे वातावरण में भविष्य में भी अकाली सरकार का सत्ता में आना असंभव है जब तक कि अकाली दल स्वयं को हिंसक कार्रवाइयों से पृथक नहीं करता ।

अकाली दल का भारत से अलग होने तथा खालिस्तान आदि बनाने का कोई भी लक्ष्य नहीं है । आनन्दपुर प्रस्ताव राज्य की खुशहाली के लिए अधिक अधिकारों की मांग करता है ।

मैं पूर्णविश्वास के साथ कह सकता हूं कि हिंसक घटनाओं तथा ईर्ष्या भाव त्याग कर प्रेम-प्यार के साथ सभी पंजाबियों को विश्वास में लेकर पंजाब को खुशहाल करने में सभी मनोरथ पूर्ण हो सकते हैं । यह जो कुछ मैं कहता हूं, दृढ़ होकर गुरुमत के अनुसार तथा सतगुरुओं व श्री गुरु ग्रंथ साहिब की मंशा के अनुसार कहता हूं ।

'बोल्यां बोले गुर कै भाणा'

आपका जीवन सिह उमरानंगल,
विधायक

अमरीका में भी खालिस्तान का दूतावास खुला : जगजीत

वाशिंगटन, 7 मार्च (इ.ए.): तथाकथित खालिस्तान आंदोलन के स्वयंभू नेता डा. जगजीत सिह चौहान ने गत दिनों 'इंडिया एब्रौड' पत्र को एक भेंट में बताया कि न्यूयार्क में 'खालिस्तान कौंसुलेट' कार्यालय स्थापित कर दिया गया है । उन्होंने यह भी बताया कि एक समिति जिसमें अमरीका में रहने वाले सिख भी शामिल हैं, ने संयुक्त राष्ट्र में सिखों को सहयोगी सदस्यता (गैर सरकारी संगठन) दिए जाने के सम्बन्ध में सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर ली हैं ।

डा. जगजीत सिह का पासपोर्ट भारत द्वारा जब्त कर लिए जाने के बावजूद अमरीका ने उन्हें अपने यहां रहने के लिए वीसा प्रदान कर दिया । अमरीका सरकार ने उन्हें अमरीका में चिकित्सा कराने के लिए ही यह वीसा दिया है । यह बताया गया था कि डा. जगजीत सिह का टैक्सास के एक अस्पताल में उपचार होना है, जहां कि पहले भी उनका इलाज हो चुका है । लेकिन न्यूयार्क में इस साप्ताहिक को एक भेंट में डा. जगजीत सिह ने बताया कि वह ह्यूस्टन नहीं जाएंगे । उन्होंने कैलीफोर्निया में एक 'प्राकृतिक चिकित्सक' से अपना इलाज करवाया था । उन्होंने बताया कि उनका मैडीकल बीमा समाप्त हो गया है और उसके बिना तो उपचार का खर्च उठाना सम्भव नहीं है ।

डा. जगजीत सिह ने बताया कि उन्होंने खालिस्तान के मामले को कभी भी अपने अमरीकी राजनीतिक दोस्तों के सामने नहीं उठाया । वस्तुतः अमरीकी भारत या किसी अन्य देश के विभाजन के पक्षधर नहीं हैं ।

उन्होंने कहा कि श्रीमती गांधी के उपरान्त देश में नेतृत्व का अभाव उत्पन्न हो जाएगा, जिसे रिक्तता को रूस अपनी समर्थक कम्युनिस्ट पार्टी से भरवाने का प्रयास करेगा ।

डा. जगजीत सिह ने कहा कि वह भारत में अपनी गिरफ्तारी से नहीं डरते । सवाल यह है कि वे भारत कब जाएंगे । उन्होंने कहा कि वे रोम में पोप से मिलने के लिए शीघ्र जाएंगे ।

Punjabi Sanatani

ठेठरकलां में निहंग 1 घंटा तक अंधा-धुंध फायरिंग करते रहे : ग्रंथी की हत्या

फिरोजपुर, 24 अप्रैल (बागी): थाना फाघ खुर्द के गांव ढेढर कलां के गुरुद्वारा के ग्रंथी 60 वर्षीय संत फौजा सिंह को सशस्त्र निहंगों ने गम्भीर रूप से घायल कर दिया, जबकि वह 23 अप्रैल को प्रातः गुरुद्वारा में ग्रंथ साहब का पाठ कर रहा था । आज प्रातः फौजा सिंह की स्थानीय अस्पताल में मृत्यु हो गई ।

फाघ खुर्द के एस. एच. ओ. ने घटना का ब्यौरा देते हुए बताया कि आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में निहंगों ने इकट्ठे होकर उक्त गुरुद्वारे को घेर लिया तथा गुरुद्वारे पर, लोगों पर अंधाधुंध गोली चलानी शुरू कर दी । यह कार्रवाई एक घंटा जारी रही । निहंगों ने घायल संत फौजा सिंह को घसीट कर गुरुद्वारा से निकाला तथा उसे टैक्टर ट्राली में डाल कर निकटवर्ती गांव सूर सिंह वाला के गुरुद्वारे में ले गए, जहां से गत सायं पुलिस ने उसे नाजुक हालत में बरामद किया और अस्पताल में दाखिल कराया ।

गांव के भूतपूर्व सरपंच हरबंस सिंह तथा एक अन्य देहाती गुरबचन सिंह ने, जोकि दोनों प्रत्यक्षदर्शी हैं, आज बताया कि यद्यपि घटनास्थल थाना से सिर्फ 3 किलोमीटर दूर है तथा लोगों ने पुलिस को समय पर खबर कर दी थी लेकिन पुलिस निहंगों द्वारा घायल संत को उठा कर ले जाने के बाद ही पहुंची ।

उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों की संख्या 30 से अधिक थी, जोकि एक घंटा से अधिक समय तक फायरिंग करते रहे। उन्होंने कहा कि निहंगों ने गुरुद्वारा की दस एकड़ भूमि पर जब्री कब्जा करके वहां गेहूं की फसल काटने की साजिश रची थी,जिस पर ग्रामीणों और संत ने आपत्ति की थी । ग्रामीणों ने बताया कि 4 सशस्त्र निहंगों ने 14 अप्रैल को भी गुरुद्वारा पर हमला किया था लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की ।

नए पुलिस कप्तान श्री जी. एस. भुल्लर जिन्होंने दो दिन पहले कार्यभार सम्भाला है, ने बताया कि धारा 302 के अधीन केस दर्ज किया गया है और अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस गार्ड तैनात कर दी गई है । उन्होंने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है ।

Punjabi Samatani

अमृतसर में दो मंदिरों के बाहर गऊओं के 2 कटे सिर पाए गए

हिंदू जगत में तीव्र रोष, शहर में जबरदस्त हड़ताल: प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज व अश्रु गैस : दल खालसा की नई शर्मनाक शरारत: सशस्त्र पुलिस की गश्त शुरू: 'हिंदुओं की मां की हत्या करके पहली किस्त अदा कर रहे हैं': पुलिस जल्दी में प्रातः 5 बजे ही सिर उठा ले गई, फोटो न खींचने दिए

अमृतसर, 26 अप्रैल (सोनी, भटिया, यू. प्रै., हि.) : आज सुबह यहां दो मंदिरों के आगे गायों के कटे हुए सिर मिलने से शहर में भारी तनाव पैदा हो गया। याद रहे कि कुछ अर्सा पहले दल खालसा वालों ने धमकी दी थी कि अमृतसर में सिग्रेट-बीड़ी की दुकानें बन्द न करने के विरुद्ध गायों की हत्या की जाएगी। शहर के अन्दरूनी क्षेत्र कटड़ा आहलूवालिया तथा बाजार काठियां में शिवालयों के बाहर आधी रात के बाद गायों के कटे सिर लटकाने का यह घृणित कार्य किया गया जिससे समूचे हिन्दू जगत में भारी रोष उत्पन्न हो गया।

इस गोहत्या के विरुद्ध आज अमृतसर के लगभग सभी बाजारों उदाहरणार्थ हाल बाजार, कटड़ा आहलूवालिया, बाजार टाहली साहब, कर्मों ड्योढ़ी, बाजार पुनियारियां, प्रताप बाजार, गुरु बाजार, शास्त्री मार्केट, गोकुल मार्केट, चौरस्ती अटारी, मजीठा मंडी, दाल मंडी, तंबाकू मंडी, नमक मंडी, बाजार जलियांवाला, बाजार काठियां तथा बिजनैस सैंटर कटड़ा आहलूवालिया में जबरदस्त मातमी हड़ताल रही। सिखों ने भी हड़ताल में पूरा हिस्सा लिया।

पहली किस्त

दोनों मंदिरों के बाहर गायों के सिरों को सफेद कपड़े में बांध कर उनके साथ पंजाबी में लिखे पुर्जे लटकाए गए थे जिन पर लिखा था, "34-35 वर्ष से तुम्हारे जुल्म सहते रहे हैं। अब हमारे सब्र का पैमाना भर चुका है। हमारी मांग के बावजूद सिग्रेट की दुकानें बन्द नहीं की गईं अतः अब हिन्दुओं की मां की हत्या करके पहली किस्त अदा कर रहे हैं। यदि अब भी हमारी मांग न मानी गई तो यह सिलसिला जारी रहेगा।"

ये कागज के पुर्जे हाथ से लिखे हुए थे। इसके नीचे खालिस्तान जिन्दाबाद लिखा था और दल खालसा के नाम के साथ पिस्तौल, नेजा व कृपाण की तस्वीरें थीं। पुलिस जल्दी में गायों के सिर तथा ये पुर्जे उठा कर ले गई जिसका मौका पर मौजूद लोगों ने प्रतिरोध किया।

अमृतसर के जिलाधीश श्री सरदार सिंह, जिला पुलिस चीफ श्री सुरजीत सिंह बैंस कोतवाली में अन्य अफसरों के साथ मौजूद थे। उन्होंने बताया कि सिटी कोतवाली में मुकद्दमा 295 (ए) तथा 53 (ए) के अधीन दर्ज कर लिया गया है तथा अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए दौड़धूप जारी है।

नगर में लोगों की उत्तेजित भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस ने दो बार आंसू गैस का प्रयोग किया।

गऊ हत्या के विरोध में हिन्दुओं का एक जलूस दोपहर दो बजे गोल बाग से शुरू हुआ और विभिन्न बाजारों से होता हुआ जब घंटा घर चौक में पहुंचा तो कुछ लोगों ने शिरोमणि कमेटी के सूचना कार्यालय पर पत्थर फैंके। बदले में शिरोमणि कमेटी के दफ्तर के अन्दर से भी जबरदस्त पथराव किया गया। इस अवसर पर स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस का प्रयोग करना पड़ा।

प्रदर्शनकारी पुनः एकत्रित होकर जब जा रहे थे तो अकाली मार्केट में छतों पर से उन पर पथराव किया गया। इस अवसर पर पुलिस ने पुनः आंसू गैस का प्रयोग किया।

यद्यपि स्थिति नियन्त्रण में है मगर नगर में अभी भी तनाव जारी है।

बाजार काठियां की घटना

बाजार काठियां में शिवालय के पुजारी गेंदानाथ ने बताया कि मंदिर आधी रात को बन्द करने के बाद तड़के वह मंदिर का फर्श धोने के लिए दरवाजा खोलने के लिए उठा। पौने चार बजे के करीब उसने गाय का सिर सफेद कपड़े में बंधा मंदिर के गेट पर हुक से लटका देखा जिस पर पंजाबी में लिखा हुआ एक कागज का टुकड़ा भी लगा था। गाय की गर्दन से खून टपक कर गेट के बाहर फर्श पर गिर रहा था। कुछ लोग आए तो पुलिस को फोन किया गया तथा पुलिस ने उत्तर दिया कि हमें पता है। पुलिस एक घंटा बाद वहां आई। पुलिस ने जीप स्टार्ट रखी तथा जल्दी से गाय का सिर उतारा। लोगों ने प्रतिरोध किया तो उन पर डंडे बरसाये गए। लोग गाय के सिर की फोटो खिचवाना चाहते थे।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

Punjabi Sanatani

गऊओं के कटे सिर

(पृष्ठ 3 से आगे)

कटड़ा आहलुवालिया की घटना

कटड़ा आहलुवालिया में शिव मंदिर, जो ठीक चौक में स्थित है, के बाहर काफी लोग जमा थे। इनमें चश्मदीद नौजवानों सतीश कुमार, घनश्याम दास तथा पन्ना लाल ने बताया कि शिवालय के द्वार पर सीढ़ी के नीचे गाय का सिर कपड़े में बांध कर रखा गया था। उसके ऊपर भी पंजाबी में लिखा हुआ एक पुर्जा चिपकाया गया था। पुलिस जल्दी ही सिर उठा कर लेगई।

हिन्दू नेताओं की बैठक

आज प्रातः सिटी कोतवाली में पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हिन्दू नेता जमा हुए जिनमें श्री गोपीचन्द भाटिया प्रधान दुर्ग्याना कमेटी, श्री राम लुभाया प्रभाकर, श्री सीता राम, पंडित किशोरचन्द आदि शामिल थे। इनमें कुछ देर तक मीटिंग हुई तथा अफसरों ने हिन्दू नेताओं को शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहा। हिन्दू नेताओं ने कहा कि लोगों की भावनाएं बहुत भड़की हुई हैं जिन्हें शांत करने के लिए वह सक्रिय भाग लेंगे।

भारी पुलिस फोर्स

तनाव के दृष्टिगत आज शहर में भारी पुलिस फोर्स तलब कर ली गई जिसमें पी.ए.पी., सी. आर. पी. तथा अश्रु गैस दस्ते भी शामिल हैं। शहर में महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस चौकियां बिठा दी गई हैं क्योंकि शहर में काले बिल्ले लगाए। हिन्दुओं के छोटे-छोटे जलूस फिर रहे हैं।

हाल बाजार में लाठीचार्ज

Punjabi Sangrahalaya

निरंकारी नेता शांत की स्थिति अभी भी गम्भीर

अमृतसर, 28 जून (सोनी): अमृतसर में निरंकारी मंडल के प्रचार मंत्री श्री जोगेंद्र सिंह शांत, जिन्हें कल शाम 7 बजे के करीब दो मोटर साइकिल सवार सिख नवयुवकों ने गोली का निशाना बनाया था, की हालत अमृतसर के सिविल अस्पताल में नाजुक बताई जाती है। दो गोलियां उनकी गर्दन पर लगी हैं। उनका आप्रेशन कर दिया गया है परन्तु वह अभी तक बेहोश हैं।

थाना सदर पुलिस ने इस घटना के संबंध में धारा 307 के अंतर्गत केस दर्ज कर लिया है परन्तु दोनों मोटर साइकिल सवारों का अभी तक कुछ पता नहीं चला। इस घटना के बाद शहर में पुलिस की गतिविधियां फिर बढ़ गई हैं।

डी. आई. जी. जालंधर रेंज श्री ए.एस. अटवाल आज अमृतसर पहुंचे तथा जिला के उच्च अधिकारियों के साथ मंत्रणा की। श्री शांत के बिस्तर के करीब अस्पताल में कड़ा पहरा लगा है तथा पुलिस ने पत्रकारों को उनका फोटो लेने की अनुमति नहीं दी।

जोगिन्द्र सिंह शांत

यह भी ज्ञात हुआ है कि श्री जोगेंद्र सिंह शांत का नाम भी उग्रवादियों द्वारा बनाई गई कथित सूची में था तथा उन्हें हत्या की धमकी के पत्र भी मिले थे। कल जब शाम के समय श्री शांत जी. टी. रोड की ओर से होकर सुल्तानविंड की ओर से मोटर साइकिल पर बड़ी धीमा गति से जा रहे थे तो उनके पीछे लगे दो मोटर साइकिल सवारों ने सुनसान सी जगह देख कर उन पर पीछे से पिस्तौल से दो फायर किए, जिससे वह गिर पड़े। गिरे पड़े श्री शांत पर हमलावरों ने एक और फायर किया परन्तु वह गोली श्री शांत को नहीं लगी तथा हमलावर फरार हो गए।

कहा जाता है कि दोनों हमलावर मोटर साइकिल पर काफी देर से श्री शांत के पीछे लगे हुए थे। इस घटना के सम्बन्ध में आज निरंकारी मंडल की बैठक स्थिति पर विचार करने के लिए हुई जिसमें सरकार से मांग की गई कि वह उग्रवादियों की गतिविधियों को दबा नहीं सकती तो एक ओर हो जाए। सरकार की कमजोर नीति के कारण ही उग्रवादियों को खुल खेलने का मौका मिला है तथा वे बेगुनाहों की जान से खेल रहे हैं। इस घटना के बारे में प्रधानमन्त्री को भी तारें दी गई हैं।

भाटिया के अनुसार बताय जाता है कि किसी नामालूम व्यक्ति ने श्री जोगिन्द्र सिंह शांत को, जोकि प्रापर्टी डीलर का काम करते हैं सूचना भेजी कि वह जी.टी.रोड प कुछ प्लाट देखने के लिए शाम के छह बजे जी. टी. रोड पर पहुंच जाएं। श्री शांत अपने दामाद श्री कृपाल सिंह के साथ जहां पर प्लाट बिकाऊ हैं, जी. टी. रोड पर पहुंचे। एक घंटा तक उनका इंतजार करने के बाद अपने मोटर साइकिल पर उनका दामाद अपने स्कूटर पर आ रहे थे कि कैम्पा कोला फैक्टरी के निकट दो सिख मोटर साइकिल सवारों ने, जो अपने चेहरे छुपाए हुए थे, ने श्री शांत पर गोलियां चलाईं। गोलियों की आवाज सुनकर उनके दामाद ने पीछे देखा तो श्री शांत सड़क पर गिरे हुए थे। उनको सड़क पर गुजर रही एक कार को रोक कर अस्पताल पहुंचाया गया।

बगैर नम्बर प्लेट

जिलाधीश श्री सरदार सिंह ने एक प्रैस विज्ञप्ति जारी की है जिसमें कहा गया है कि अमृतसर के निरंकारी मंडल के प्रचार मंत्री जोगेन्द्रसिंह शांत पर अमृतसर से चार किलो मीटर दूर नहर के तारीवाला पुल के निकट जी.टी. रोड पर दो मोटर साइकल सवारों ने गोली चला दी और उन्हें घायल कर दिया।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

ों में डकैतों ने 17 व्यक्ति गोली से उड़ा दिए

डकैत फूलन भी इस कांड में शामिल थी। उल्लेखनीय है कि मुस्तकीम मरने से कुछ समय पूर्व फूलन से मिल गया था।

घायलों में से एक सीता राम ने बताया कि रात में लगभग 11.30

के कुछ लोग गांव के बुजुर्ग गंगा चरण को खोज रहे थे।

गंगा चरण किसी प्रकार बच कर निकल गए और उन्होंने ही पुलिस को इस कांड की सूचना

साथियों के साथ आत्म-समर्पण करने के दौरान मुस्लिम गिरोह के 9 सदस्यों सहित भाग निकला था। वह मलखान के साथ आत्म-समर्पण के लिए सहमत नहीं हुआ था।

Punjabi Sanatani

निरंकारी नेता
(पृष्ठ 3 का शेष)

हमलावरों का मोटरसाइकल बगैर नम्बर प्लेट था। हमले के बाद वह अमृतसर शहर की ओर भाग गए।

श्री शांत को अस्पताल में दाखिल कराने के बाद वहां जिलाधीश, सिविल सर्जन तथा मैडीकल कालेज के प्रिंसीपल भी पहुंच गए। उन्होंने श्री शांत को चिकित्सा सहायता देनी शुरू कर दी।

खतरे से बाहर

विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री शांत के जख्मों का एक्सरे लेने के बाद डाक्टरों ने उन्हें खतरे से बाहर करार दे दिया है तथा श्री शांत की सुरक्षा के लिए सशस्त्र प्रहरी नियुक्त कर दिये गये हैं। डाक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही है।

विज्ञप्ति के अनुसार श्री शांत को पहले भी कई बार सशस्त्र प्रहरी की पेशकश की गई थी परन्तु उन्होंने स्वीकार नहीं की। इसी बीच अमृतसर के प्रमुख निरंकारी श्री हरिराम सेठी ने एक बयान में कहा है कि पंजाब सरकार को शर्म आनी चाहिए कि उसके राज में निरंकारियों को निशाना बनाया जा रहा है तथा हत्यायें हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब के मंत्री यह बयान दे रहे हैं कि पंजाब में सब अच्छा है परन्तु जनता में इतना आतंक है कि कोई भी सुरक्षित नहीं। उन्होंने कहा कि श्री शांत पर भी उसी टोले ने गोली चलाई है जो निर्दोष लोगों को कत्ल कर रहा है परन्तु उसे पकड़ने वाला कोई नहीं। या तो सरकार उसे पकड़ना नहीं चाहती या वह बुजदिल है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार शहरियों को संरक्षण नहीं दे सकती तो त्यागपत्र दे दे।

Punjabi Sanani

पट्टी गोलीकांड का 1 अभियुक्त गिरफ्तार : दरबारा

सिविल व पुलिस प्रशासन में व्यापक परिवर्तन किए जाएंगे : पुरी व बीरबलनाथ को हटाए जाने सम्बन्धी निर्देश केंद्र द्वारा अभी प्राप्त नहीं हुए

चंडीगढ़, 3 जून (परवाना) : पंजाब पुलिस ने पट्टी गोली कांड में संलिप्त एक अभियुक्त अमर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है । यह बात आज यहां मुख्यमंत्री श्री दरबारा सिंह ने एक पत्रकार सम्मेलन में बताई ।

उन्होंने कहा कि अमर सिंह पट्टी का टेलर मास्टर है । पुलिस की पूछ-ताछ के दौरान अमर सिंह ने इस कांड में संलिप्त 7-8 अन्य अभियुक्तों के नाम भी बताए हैं जिन्हें पुलिस गिरफ्तार करने के लिए सक्रियता से उनका पीछा कर रही है ।

श्री दरबारा सिंह ने कहा कि यह उन अभियुक्तों में से एक है जिन्होंने मई मास के अन्तिम सप्ताह में पट्टी में पुलिस थाना के सामने तीन व्यक्तियों को गोलियों से भून डाला था। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अमर सिंह का रिमांड ले लिया है तथा उससे पूछताछ का काम जारी है । अमर सिंह के बाप का नाम हरबंस सिंह है।

एक प्रश्न के उत्तर में श्री दरबारा सिंह ने बताया कि अभियुक्त अमर सिंह ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि पट्टी की घटना में उसका व उसके साथियों का हाथ है । इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या पंजाब में हुई अन्य घटनाओं में भी अमर सिंह का हाथ रहा है ?

मुख्यमन्त्री ने कहा कि वह बहुत जल्द पंजाब के सिविल व पुलिस प्रशासन में भारी फेरबदल कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि मेरे पास अभी तक इस बात की कोई सूचना नहीं है कि केन्द्रीय सरकार ने मुख्य सचिव आई. सी. पुरी तथा डायरेक्टर जनरल पुलिस श्री बीरबल नाथ को बदल देने का निर्देश दिया है । इस सम्बन्ध में आज कुछ अखबारों में छपी खबरों पर मुख्यमन्त्री ने बड़ी सतर्कता से टिप्पणी की ।

उन्होंने अकाली नेताओं के इस आरोप को गलत बताया कि पंजाब प्रशासन में फेरबदल करते समय विशेष रूप से एक सम्प्रदाय को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने 45 वर्ष के राजनीतिक जीवन में कभी साम्प्रदायिक आधार पर सोचा ही नहीं ।

अमृतसर से 'भाटिया' की सूचना है कि पुलिस ने पट्टी कांड के अभि-युक्त नामजद कर लिए हैं तथा एक अभियुक्त को गिरफ्तार भी कर लिया है । पुलिस ने बड़ी सक्रियता से अभि-युक्तों की खोज शुरु कर रखी थी । कुछ देहात का पुलिस ने घेरा भी डाला है । पकड़े गए अभियुक्त ने रहस्योद्‌घाटन किया कि उनका मिशन निरंकारियों की हत्या करके पंजाब की शान्ति को तबाह करना है ताकि अन्य लोग विशेषकर हिन्दू या तो डर कर दूसरे दर्जे के शहरी बन जाएं या इस राज्य से चले जाएं तथा अपने-आप खालिस्तान बन जाए । पुलिस सूत्रों के अनुसार इस गिरोह के कुछ लोग तरनतारन गोली कांड में भी संलिप्त हैं। दो-तीन अभि-युक्त दोनों ही कांडों में वांछित है ।

काम एक नाम अनेक

इस अभियुक्त के अनुसार खालिस्तान आन्दोलन, दल खालसा, सिख स्टूडैंट्स फैडरेशन, अखण्ड कीर्तनी जत्थे का एक ही मिशन है तथा उनको इस मिशन के लिए भारी रकमें मिलती हैं । शिरोमणि कमेटी इस मिशन को पूरी मदद देती है । अखण्ड कीर्तनी जत्थे की बहुत-सी महिलाएं भी इस मिशन में सहयोग देती हैं । पट्टी गोली कांड में कस्बे पट्टी के भी दो नौजवान शामिल हैं । यही कारण था कि पूर्ण सिंह मिस्त्री को शहीद किया गया क्योंकि उसने पट्टी के युवकों को पहचान लिया था । इस गिरोह के बाकी सदस्यों में से कुछ आजाद घूम रहे हैं तथा कुछ धार्मिक स्थानों पर रह रहे हैं । इस कांड के अभियुक्तों के नाम गुप्त रखे जा रहे हैं ।

पुलिस की सूचना के अनुसार इस गिरोह के दो सदस्य दरबार साहब में छिपे हुए हैं । इनमें से एक शिरोमणि कमेटी का कर्मचारी है । बाकी अभियुक्तों में सुखा सिंह, अनोख सिंह, सुरेन्द्र सिंह व एक दर्जन अन्य अभियुक्त हैं । इनमें से दो अभि-युक्त जालन्धर गोली कांड में शामिल थे ।

जिला अमृतसर के लगभग सभी उच्च पुलिस अधिकारी श्री एस. एस. बैंस के नेतृत्व में पट्टी में ही डेरे डाले हुए हैं।

Punjabi Sanatani

पट्टीकांड का एक और घायल चल बसा

मृतकों की संख्या 4 हुई: कस्बा में हड़ताल

अमृतसर, 4 जून (सोनी) : 22 मई की शाम 8 बजे पट्टी के मेन बाजार में आधी दर्जन के करीब आतंकवादियों के टोले की ओर से दुकानदारों पर गोलियां चलाने की जो दुखदायी घटना हुई थी, उसमें दो निरंकारी भाई जसवन्त लाल तथा नरेन्द्र कुमार व एक बढ़ई पूर्ण सिंह की मौका पर ही मौत हो गई थी। इस घटना में घायल होने वाला एक अन्य नौजवान रमेश कुमार जो पट्टी नगर पालिका के प्रधान श्री भगवान दास का लड़का था, कल रात 12 दिन बाद अमृतसर अस्पताल में दम तोड़ गया। उसकी आयु 26-27 वर्ष थी। इसके साथ पट्टी गोलीकांड में मरने वालों की संख्या चार हो गई है।

रमेश कुमार के पेट में गोलियां लगी थीं और अस्पताल में दाखिल होने के बाद उसकी हालत नाजुक थी लेकिन आप्रेशन हो जाने के बाद उसके बच जाने की आशा पैदा हो गई थी। कुछ दिन हुए पेट के टांके खोले गए तथा अगले दिन ही उसकी हालत बिगड़ गई। सरकारी अधिकारी उसे बचाने के लिए पी.जी.आई. चंडीगढ़ से भी डाक्टर लाये जिसने इलाज के लिए, दवाइयों की सूची दी परन्तु दवाइयां पहुंचने से पहले ही रमेश कुमार चल बसा।

उसकी लाश का आज प्रातः पोस्टमार्टम हुआ तथा उसके बाद ज्ञानी बचन सिंह डी.एस.पी. की निगरानी में लाश पट्टी ले जाई गई। लाश पट्टी में पहुंचने पर लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गई तथा पट्टी में बतौर मातमी हड़ताल बाजार बन्द हो गए। भारी संख्या में पुलिस फोर्स श्री जे.पी. बिरदी एस.पी. हैड क्वार्टर्ज की निगरानी में वहां पहुंच गई। मृतक रमेश कुमार का अंतिम संस्कार 4 बजे शाम के बाद हुआ। जिलाधीश श्री सरदार सिंह तथा पुलिस चीफ श्री बैंस भी शोक संतप्त परिवार से संवेदना प्रकट करने गए।

20 हजार रुपए अनुदान

एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि पट्टी गोलीकांड में घायल हुए रमेश कुमार की बाद में मौत हो जाने पर सरकार ने उसके परिवार को 20 हजार रुपये का अनुदान देने की घोषणा की है। पट्टी गोलीकांड का अब कोई घायल अस्पताल में नहीं है।

पट्टी में किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए विशेष पुलिस तथा सी.आर.पी.एफ. तैनात कर दी गई है। 'भाटिया' के अनुसार रमेश कुमार को बचाने के लिए उसे दो दर्जन खून की बोतलें दी गईं।

मुख्यमन्त्री को शोक

पट्टी गोलीकांड में घायल होने वाले रमेश कुमार की मृत्यु पर पंजाब के मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह ने शोक प्रकट करते हुए मृतक के परिवार से गहरी सहानुभूति प्रकट की है।

बिजली, पानी बन्द होने से लोगों को भारी परेशानी

लुधियाना, 4 जून (प्र) : कल सायं से बिजली की कटौती फिर से लगनी शुरू हो गई है। कल यहां बाद दोपहर 3 बजे से लेकर सायं 5.30 बजे तक बिजली बन्द रहने के साथ-साथ शहर में नगर निगम के पानी की सप्लाई भी बन्द रही, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा हालांकि नगर निगम ने लगभग 50 प्रतिशत ट्यूबवैलों के साथ डीजल जैनरेटिंग सैट भी लगा रखे हैं लेकिन संबंधित अधिकारी ध्यान नहीं देते। आज प्रातः भी यहां 9 बजे से लेकर 10.25 बजे तक बिजली व पानी सप्लाई बन्द रही।

पट्टी कांड के 2 और अभियुक्त गिरफ्तार

चंडीगढ़, 4 जून (एन.एस. परवाना) : पता चला है कि पंजाब पुलिस ने पट्टी गोलीकांड में शामिल 2 अन्य मुल्जिमों शेर सिंह उर्फ करमबीर सिंह तथा कुलवन्त सिंह उर्फ जसवन्त सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया है।

शेर सिंह अमृतसर जनपद के ग्राम मियां विंड और कुलवन्त सिंह नागोके का रहने वाला है।

अब तक पट्टी कांड में तीन मुल्जिम गिरफ्तार किये जा चुके हैं।

पुलिस अभी जांच जारी रखे हुए है। इसी दौरान हमारे विशेष संवाददाता को पता चला है कि अमृतसर के एस. एस.पी. श्री एस. एस. बैंस ने पत्र लिख कर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के सचिव भान सिंह से मांग की है कि पट्टी कांड में फरार होकर दरबारा साहब में छिपे दो मुल्जिमों अनोख सिंह व कुलवन्त सिंह को पुलिस के हवाले कर दिया जाये। अभी तक शिरोमणि कमेटी ने इस पत्र का उत्तर नहीं दिया है।

उल्लेखनीय है कि कल मुख्य मन्त्री दरबारा सिंह ने रहस्योद्घाटन किया था कि पट्टी कांड में 7-8 लोग शामिल हैं। आज प्रातः जिन दो मुल्जिमों को गिरफ्तार किया गया उनके लिए पुलिस ने दस-दस हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। कल एक मुल्जिम अमर सिंह को पट्टी में गिरफ्तार किया गया था। (शेष पृष्ठ 6 पर)

बंसी-भजन में समझौता : सुरेन्द्र मंत्री बनेंगे

Punjabi Sanatani

और लोकसभा के उपचुनाव में कांग्रेस (इ) के पक्ष में पड़े मतों के प्रतिशत में कमी होने से हाई कमान चिन्तित है और गुटबाजी को खत्म कर संगठन को मजबूत बनाने के लिए ठोस कदम उठाना चाहती है।

पट्टी कांड के अभियुक्त

(पृष्ठ 3 का शेष)

अमृतसर से 'संार्वो' की सूचना है कि एस. एस. पी. श्री बैंस ने बताया कि पट्टी और तरनतारन गोली-कांडों के अभियुक्त जब एक जगह इकट्ठे होते थे तो गुप्त बोली में बातें करते थे। एक्शन करने के लिए वे कहा करते थे कि 'रैन सभायी कीर्तन फलां जगह करना है।' उनके पास अपनी कोई गाडी नहीं। वे बसों या ट्रेनों में सफर करते थे। कहीं भी जाने के लिए वे निहंगों का लिबास पहन लेते थे। गन्तव्य स्थान पर पहुंच कर वे निहंगों के लिबास उतार कर खेतों में रख लेते थे और सफेद लिबास पहन कर काम करते थे। तरनतारन में उन्होंने कृपाणों और रायफलों का इस्तेमाल किया जबकि पट्टी में सिर्फ पिस्तौल प्रयुक्त की। उनके पास एक स्टेनगन भी थी।

पुलिस को वांछित अभियुक्तों के नाम हैं: सुरेंद्र सिंह पुत्र गंडा सिंह, लक्खा सिंह पुत्र गुरबख्श सिंह, अनोखा पुत्र मक्खन सिंह, बलविन्द्र सिंह पुत्र जागीर सिंह, शेर सिंह पुत्र मूल सिंह, कुलवन्त सिंह पुत्र जसवन्त सिंह, सुक्खन सिंह पुत्र मोहन सिंह, सुखदेव सिंह, बलवन्त सिंह पुत्र अंग्रेज सिंह और जगत सिंह पुत्र सरदूल सिंह।

इन अभियुक्तों को पकड़ने में सबसे बड़ी कठिनाई यह पेश आ रही है कि उन्होंने अपने कई-कई नाम रखे हुए हैं। एक अभियुक्त के जो बाबा बकाला में पकड़ा गया था, उसके पांच नामों का पता चला है अर्थात् बलवन्त सिंह उर्फ जसवन्त सिंह उर्फ बादशाह उर्फ जयकारा सिंह उर्फ संता सिंह। इसी तरह दूसरे गिरफ्तार किए गए अभियुक्त शेर सिंह ने अपने दूसरे नाम कर्मवीर सिंह और जेजी बताए।

यू. न्यू. के अनुसार पुलिस ने पट्टी कांड में अभी तक 12 व्यक्तियों को नामजद किया है। पुलिस ने आज अमरजीत सिंह दस्सोवाल व बूटा सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया।

Punjabi Sanatani

पट्टी नगरपालिका प्रधान के बेटे रमेश कुमार की मृत्यु पर नगर में पूर्ण हड़ताल रही। रमेश कुमार कुछ दिन पहले खूनी जत्थे द्वारा पट्टी में की गई फायरिंग में घायल हुआ था। इन्सैट रमेश कुमार (फोटो : ओम भंडारी)

भाई अमरीक सिंह तीन अंग रक्षकों सहित गिरफ्तार

अमरीक, करतारसिंह भिंडरां का बेटा : जरनैल सिंह का गुरभाई : सिख स्टूडैंट फैडरेशन का प्रधान

जत्थे के हथियार रखवाए गए : पुलिस पर फायरिंग

सुलतानपुरलोधी पुलिस भिड़ंत में खूनी जत्थे का कथित सदस्य मारा गया:लाश कपूरथला लाई गई

जालन्धर, 19 जुलाई (खन्ना): जालन्धर रेंज के डी. आई. जी. पुलिस श्री ए. एस. अटवाल के अनुसार आल इंडिया सिख स्टूडैंट्स फैडरेशन के प्रधान और संत जरनैल सिंह भिंडरांवाला के दाएं हाथ भाई अमरीक सिंह को आज अमृतसर में प्रमुख निरंकारी नेता श्री जोगेन्द्र सिंह शांत की हत्या के षड्यंत्र में गिरफ्तार कर लिया गया।

भाई अमरीक सिंह के साथ ही उनके तीन अंगरक्षकों रछपाल सिंह, लक्खा सिंह और कुलवंत सिंह को भी धारा 144 का उल्लंघन कर, हथियार लेकर चलने और अवैध हथियार कब्जे में रखने के अभियोग में शस्त्र कानून के अधीन गिरफ्तार कर लिया गया है। इनसे पुलिस ने 32 बोर का एक रिवाल्वर, 38 बोर का एक रिवाल्वर और एक कार्बाइन कब्जे में ली है।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि भाई अमरीक सिंह के जत्थे को निरस्त्र करना हाल ही की पुलिस कार्रवाइयों में 'सबसे बड़ा एक्शन' है।

विश्वस्त सूत्रों से विदित हुआ है कि भाई अमरीक सिंह को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अन्तर्गत नजरबन्द कर दिए जाने की सम्भावना है। पंजाब मे पिछले एक वर्ष से जारी उग्रवादी सरगर्मियों के पीछे भाई अमरीक सिंह को, जो अब तक गिरफ्तारी से बचता रहा है, 'मुख्य मस्तिष्क' समझा जाता रहा है।

सरकारी तौर पर बताया गया है कि रछपाल सिंह के पास से जो रिवाल्वर बरामद हुआ, उसके लाइसैंस की अवधि खत्म हो चुकी थी, जबकि लक्खा सिंह और कुलवंत सिंह भाई अमरीक सिंह के हथियार उठाए हुए थे।

अमरीक सिंह

अमृतसर, वि.प्र. आर. के सोनी के अनुसार अमरीक सिंह को जिला न्यायालय के अहाते में पुलिस ने गिरफ्तार किया। अमरीक सिंह, जो भिंडरांवाला का दाहिना हाथ माना जाता है, की पुंछ के गुरुद्वारा नंगाली साहब के सिख युवक ट्रेनिंग शिविर में एक युवक अमरजीत सिंह की गोली लगने से मृत्यु के सम्बन्ध में गिरफ्तार किया गया है।

अमरीक सिंह भिंडरांवाला के तीन प्रमुख चेलों अजायब सिंह, जागीर सिंह, नरेन्द्र सिंह की अदालत के सामने पेशी के सम्बन्ध में न्यायालय में आया था। अमरीक सिंह भिंडरांवाला का भतीजा है। अपने भतीजे की गिरफ्तारी की सूचना मिलने पर भिंडरांवाला गुरुनानक निवास अमृतसर में पहुंच गया, जहां पत्रकारों के समक्ष अपने आगामी कार्यक्रम की उसने घोषणा की।

भिंडरांवाला के तीन चेलों की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में बताया गया है कि विगत रात वे तीनों एक जीप पर बाबा बकाला से चौक मेहता की ओर आ रहे थे कि मार्ग में गश्ती पुलिस ने उन्हें रोका मगर वे न रुके और जीप तेज कर दी।

पुलिस ने उनका पीछा किया, तो उन्होंने पुलिस पर गोली चला दी। मामूली मुठभेड़ के बाद तीनों चेलों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ धारा 307, 353, 323 तथा शस्त्र कानून की धाराओं के अन्तर्गत केस दर्ज कर लिये गये। उनके कब्जे से अवैध पिस्तौलें मिली हैं।

चेलों का 24 तक रिमांड

संत भिंडरांवाले के जिन तीन चेलों को बाबा बकाला पुलिस ने शनिवार की रात को गिरफ्तार किया था, उन्हें 24 जुलाई तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया गया है।

व्यास पुलिस थाने में दर्ज की गई प्रथम सूचना रपट के अनुसार उन्हें जीप की तलाशी लेने का प्रति-

के निकट गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस के साथ मुकाबिला

चंडीगढ़, (वि. प्र.) : ,आज यहां सरकारी तौर पर बताया गया कि कल रात सुलतानपुर लोधी (कपूरथला) के निकट दो मोटर साइकल सवारों और पुलिस के बीच सशस्त्र मुठभेड़ हुई, जिसके फलस्वरूप एक मोटर साइकिल सवार की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई, जबकि दूसरा भाग खड़ा हुआ।

यह मुठभेड़ धुस्सी बांध के निकट हुई। दोनों तरफ से गोलियां चलीं परन्तु कोई पुलिस वाला घायल नहीं हुआ। मृतक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी।

कहा जाता है कि रात के अंधेरे में पुलिस ने मोटर साइकिल सवारों को चुनौती दी, जिस पर उन्होंने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिससे एक सवार मारा गया। पुलिस को घटनास्थल से एक स्टेनगन और कुछ कारतूस मिले हैं। कहा जाता है कि मोटर साइकिल सवार फिरोजपुर की तरफ से धुस्सी बांध पार करके कपूरथला आ रहे थे।

एक अन्य सूत्र से पता चला है कि ये दोनों मोटर साइकिल सवार उग्रवादी जत्थे से सम्बन्ध रखते हैं जोकि भूमिगत हैं और मृतक का हुलिया एक उग्रवादी से मिलता है। पुलिस मृतक की लाश कपूरथला ले आई है और उसकी शिनाख्त की जा रही है परन्तु अभी तक इस सिलसिले में पूरी पुष्टि नहीं हो सकी कि ये मोटर साइकिल सवार उग्रवादी जत्थे से सम्बन्ध रखते हैं या स्मगलर थे। ख्याल यही है कि उनका सम्बन्ध उग्रवादी जत्थे से है। जिस व्यक्ति की मृत्यु हुई है वह मोटर साइकिल के पीछे बैठा हुआ था जो स्टेनगन चला रहा था। मुठभेड़ में यह मारा गया परन्तु मोटर साइकिल चलाने वाला भाग गया।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

जब मंत्री और निदेशक एक दूसरे की बात काटते रहे

चंडीगढ़, 19 जुलाई (सागर): हरियाणा के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री श्री राजेन्द्र सिंह मलिक व विभाग के निदेशक श्री बी. एल. मित्तल के मध्य स्लैक कोल के आवंटन के संबंध में प्रक्रिया के बारे में मतभेद आज खुलकर सामने आ गए।

आज यहां श्री मलिक के संवाद

आधार पर स्लैक कोल का आवंटन किया जाएगा।

एक प्रश्न के उत्तर में श्री मित्तल ने कहा कि वर्तमान प्रणाली प्रभावशाली तथा भ्रष्टाचार से मुक्त है। उन्होंने आपूर्ति मंत्री से बार-बार कहा कि आवंटन की नई प्रणाली विभाग के लिये अनेक कठिनाइयां उत्पन्न कर देगी तथा

Punjabi Sanatani

अमरीक सिंह

(पृष्ठ 3 का शेष)

मुकाबिला में कौन मरा ?

अंतिम समाचार आने तक कपूरथला के थाना सुल्तानपुर लोधी के अन्तर्गत क्षेत्र में पुलिस मुकाबिला में मारे गये उग्रवादी की शिनाख्त नहीं हो सकी । खबर है, उसके भूरे रंग के बाल हैं और वह नौजवान नहीं है । मृतक की शिनाख्त करने के लिये पुलिस का समस्त फोटो-रिकार्ड मौका पर मंगवा लिया गया है ।

टांकी साहिब केन्द्र रहा

अब यह रहस्योद्घाटन हुआ है कि जालन्धर-कालासिंघा रोड पर जिला कपूरथला की सीमा के अन्दर गुरुद्वारा टांकी साहिब उग्रवादियों के उस जत्थे का, जिसका मुखिया तरसेम सिंह है और जिसे 'खूनी जत्थे' के नाम से पुकारा जाता है, मुख्य केन्द्र रहा । बताया जाता है कि इस जत्थे में शामिल तीनों पुलिस कर्मी भी किसी समय जिला कपूरथला में रहे । इनमें एक कालासिंघा के निकटवर्ती गांव संधू चट्ठा का रहने वाला है, जहां का एक व्यक्ति प्रीतू परसों तरसेम के पुराने नक्सली साथी प्रोफैसर हरभजन सिंह के साथियों के हाथों मारा गया था । पुलिस सूत्रों के अनुसार खूनी जत्थे के सदस्य वारदात करने से पहले और वारदात करने के बाद गुरुद्वारा टांकी साहब में शरण लेते रहे हैं ।

पुरानी दुश्मनी

कपूरथला से वि. प्र. के अनुसार कपूरथला थाना सदर के गांव काला सिंघियां में हुए गोलीकांड में मरे दो व्यक्तियों के बारे में पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस कांड से खूनी जत्थे या नक्सली पार्टी का कोई सम्बन्ध नहीं । यह तो नक्सली नेता प्रो. हरभजन सिंह के पिता हवलदार प्रीतम सिंह और उनकी विरोधी सीसा पार्टी से पुरानी दुश्मनी के कारण हत्याकांड हुआ । पुलिस ने प्रीतम सिंह के लड़के गुरदीप सिंह को, जोकि स्कूल टीचर है, मुल्जिम नामजद किया । अभी कोई गिरफ्तार नहीं किया जा सका ।

भिंडरां गिरफ्तारी के लिए जत्थे भेजेगा

अमृतसर (वि. प्र.) : श्री जरनैल सिंह भिंडरांवाला अपने दाहिने हाथ भाई अमरीक सिंह की जिला कचहरी में गिरफ्तारी का समाचार सुनकर आज सायं अमृतसर पहुंचे और गुरु नानक निवास में उन्होंने एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए गिरफ्तारियां देने का सिलसिला शुरु करने की

Punjabi Sanatani

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री दरबारा सिंह ने कहा कि 15 दिन के अन्दर-अन्दर इम्प्रूवमैंट ट्रस्टों और कार्पोरेशनों के चेयरमैन नियुक्त कर दिए जाएंगे। इस बीच पंजाब के मुख्य संसदीय सचिव बारे निर्णय भी कर दिया जाएगा।

बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने इस बात का संकेत भी दिया कि पंजाब मंत्रिमंडल में निकट भविष्य में कुछ विस्तार किया जाएगा।

...में मारा गया

...दहेड़ू कांड के अमरजीत सिंह की ...थी। दाह-संस्कार के समय मृतक का कोई संबंधी मौजूद न था।

धर्म स्थानों की पवित्रता भंग करने वाले गिरफ्तार

डी. आई. जी. पुलिस ने बताया कि जालंधर रेंज में गुरुद्वारों की पवित्रता भंग करने के अमृतसर में नौ और होशियारपुर में एक केस हुआ। इस संबंध में कुल 46 व्यक्ति गिरफ्तार किए गए हैं। इसी तरह मंदिरों की पवित्रता भंग करने के अमृतसर में हुए तीन और कपूरथला में हुए एक केस के संबंध में 21 व्यक्ति गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

सरीं डकैती केस

जिला जालंधर की तहसील नकोदर के सरी गांव में एक राष्ट्रीयकृत बैंक में डकैती के सिलसिला में पांच अभियुक्त सुखदेव सिंह, जसवंत सिंह, दिलेर सिंह, स्वर्ण सिंह और सुरेंद्र सिंह गिरफ्तार किए जा चुके हैं जबकि छठा अभियुक्त अभी फरार है। इनमें से अधिकांश मोगा के निकट धर्मकोट और जीरा इलाकों के रहने वाले हैं। (शेष पृष्ठ 6 पर)

पतित फरिश्ते

सांता अना, कैलिफोर्निया, 20 जुलाई (यू.पी.आई.): 9 वर्षीया लड़कियों के साथ समलिंगीय यौन सम्बन्ध बनाने

ब्रिटेन में वयस्कों के मध्य आपसी सहमति से समलिंगीय यौनाचार अपराध नहीं है लेकिन चूंकि ट्रेस्ट्रैल ने अपनी नियुक्ति के समय इस बात की जानकारी नहीं दी थी अतः उसे ब्लैकमेल किया जाता रहा। उधर शाही महल के कमरे को समलिंगीय यौनाचार का अड्डा बनाना भी अक्षम्य था।

दहेड़ू कांड का भगौड़ा अमरजीत सिंह जो गत दिवस पुलिस के साथ सुलतानपुर लोधी के पास मुकाबले में मारा गया।

...विपक्षी विधायकों के मध्य तीखी झड़पें हुईं।

विपक्षी सदस्यों ने आज राज्य सभा में तेल आयात सौदे के बारे में बहस की जोरदार मांग की जिसको लेकर सदन में लगभग 20 मिनट तक हंगामा होता रहा।

श्री पीलू मोदी (जनता) ने कहा कि संसद की सार्वजनिक उपक्रम समिति द्वारा प्रकाश में लाए गए सौदे के बारे में संसद के साथ धोखा किया गया है। उन्होंने कहा कि हम सदन में इस पर विस्तृत बहस चाहते हैं।

प्रश्नोत्तर काल के बाद यह मामला उस समय उठाया गया जब श्री ए. जी. कुलकर्णी (कांग्रेस स) ने सांसदों के विशेषाधिकारों के बारे में सभापति को लिखे गए अपने पत्र के सम्बन्ध में पूछताछ की।

सदन में उस समय और हंगामा हुआ जब श्री लाल कृष्ण अडवानी ने, जो 2 अप्रैल तक समिति के सदस्य थे, कहा कि उन्हें समिति की कार्रवाई का विवरण देखने के अधिकार से वंचित किया गया है।

श्री अडवानी ने कहा कि वे समिति की कार्रवाई का विवरण

अमरीक सिंह का 28 तक पुलिस रिमांड

अमृतसर, 20 जुलाई (वि.प्र.): जरनैल सिंह भिंडरां का दायां हाथ अमरीक सिंह जिसे कल भिंडरां के 3 शागिर्दों के साथ, शस्त्रों के साथ गिरफ्तार किया गया था, का शारीरिक रिमांड लेने के लिए आज उसे श्री गोयल जुडीशियल मैजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया और 28 जुलाई तक का रिमांड प्राप्त कर लिया।

अमरीक सिंह के तीन साथी रछपाल सिंह पर्सनल असिस्टैंट भिंडरां, कुलवंत सिंह और लक्खा सिंह बाडीगार्ड, जिन्हें धारा 188 तथा शस्त्र कानून में गिरफ्तार किया गया था, को श्री एस. एस. सोहल चीफ जुडीशियल मैजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। वहां सरकारी वकील श्री वालिया पेश हुए जबकि अभियुक्तों की ओर से पहले वाले वकील पेश हुए। अदालत ने दलीलें सुनने के बाद तीनों मुल्जिमों को शस्त्र कानून के अन्तर्गत दो-दो हजार रुपए की जमानत और धारा 188 के आदेश दिया लेकिन अभियुक्तों की ओर से जमानतें न भरी गईं क्योंकि इससे पहले वे भिंडरांवाला की अनुमति लेना चाहते थे। यदि अनुमति मिली तो कल वे जमानत जमा कर देंगे।

इसके अलावा पुलिस ने आज दल खालसा के एक सक्रिय सदस्य चतर सिंह को भी अदालत में पेश किया।

तीन चेलों की जमानत : अमृतसर जिला कचहरी के आंगन में एक सौ सशस्त्र निहंगों का प्रदर्शन : शांत पर घातक हमले में प्रयुक्त मोटर साईकल अमरीक ने दिया।

उसका भी दो अगस्त तक जुडीशियल रिमांड दे दिया गया।

एक और उग्रवादी हरपाल सिंह का भी न्यायालय से तीन अगस्त तक का जुडीशियल रिमांड ले लिया गया।

पेशी के संदर्भ में भिंडरां के एक सौ

11 बजे कचहरी के बाहर एकत्र हो गये थे। ये लोग बरछों, किरपानों आदि से लैस थे।

इस प्रकार वहां हिंसा भड़कने की आशंका उत्पन्न हो गई थी।

ये लोग चार घंटे लगातार वहां प्रदर्शन करते रहे।

दूसरी ओर पुलिस की भी जबर-दस्त व्यवस्था थी और वहां घुड़सवार पुलिस, अश्रुगैस दस्ता, सी. आर. पी. के जवान पोजीशनें सम्भाले हुए थे।

एस. पी. हैडक्वार्टर श्री ए. पी. पांडे, सिटी एस. पी. श्री हरजीत सिंह, आधे दर्जन डी. एस. पी. पुलिस फोर्स

न्यायालय में पेश किया जाना था, तो अदालत के बाहर भिंडरां के पैरोकारों ने रास्ता रोक लिया। इस पर श्री एस. एस. कंवल मैजिस्ट्रेट ने जीप पर सवार होकर वहां खड़े इन प्रदर्शनकारियों को वार्निंग दी कि अदालत के बाहर खड़े लोग एक तरफ हट जाएं और अदालत को जाने वाला सामने का रास्ता दो मिनट के अन्दर खाली कर दें। दो मिनट गुजरने के बाद श्री कंवल अपनी जीप, जिसके पीछे पुलिस फोर्स थी, ने आगे बढ़ाई, जिस पर वहां एकत्र भीड़ एक तरफ हट गई और पुलिस ने अदालत का बरांडा और उसके सामने वाली सड़क खाली करा ली। ठीक दोपहर को ढाई बजे पुलिस अमरीक सिंह और उसके साथियों को अदालत में लाई। न्यायालय कक्ष में भीड़ एकत्र हो गई और पुलिस अधिकारी भी कमरे के अन्दर चले गये। इस पर अभियुक्त के वकील एस. पी. हुंदल, आर. एस. बिदरा और खजान सिंह ढिल्लों ने अदालत से शिकायत की कि अदालत

Punjabi Sanatani

अमरीक सिंह का रिमांड

(पृष्ठ 3 का शेष)

कक्ष में 10 डी. एस. पी., दो एस. पी. बैठ गए हैं और अभियुक्त अमरीक सिंह के श्रद्धालु अन्दर आने से रोके गये हैं । न्यायालय के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं । या तो पुलिस को न्यायालय कक्ष से बाहर भेजा जाए या अमरीक सिंह के श्रद्धालुओं को भी अन्दर आने दिया जाए । इस पर मैजिस्ट्रेट ने कहा कि "मैंने न तो किसी को अन्दर आने को कहा है और न ही किसी को बाहर जाने को कहा है । अदालत के अन्दर ऐसी कोई बात दिखाई नहीं देती । पुलिस किसी को अन्दर आने से रोक रही है । यदि न्यायालय के बाहर किसी को रोका गया है तो पुलिस वाले जाने । जितने लोगों को आप अन्दर बुलाना चाहते हैं, बुला लें ।" इस पर वकील ने बाहर खड़े श्रद्धालुओं को अन्दर आने के लिए कहला भेजा मगर केवल एक दो के और कोई अन्दर न आया ।

इसके बाद सरकारी वकील श्री वी. पी. सैनी ने अमरीक सिंह के खिलाफ केस का स्पष्टीकरण दिया कि अभियुक्त निरंकारी नेता श्री शांत पर घातक आक्रमण करने की साजिश में शामिल था और उसे इसी साजिश के अन्तर्गत धारा 307/120 बी. के अन्तर्गत गिरफ्तार किया गया है । सरकारी वकील ने कहा कि इस षड्यंत्र के सम्बन्ध में जो पहले एक अभियुक्त रूप सिंह गिरफ्तार किया गया है, उसने जांच के दौरान बताया कि जो मोटर साइकिल शांत पर कातिलाना हमला करने के लिए प्रयुक्त किया गया, वह अमरीक सिंह ने दिया था । अभियुक्त अमरीक सिंह का डेरा गुरुद्वारा गुरदर्शन प्रकाश है, जहां पिछले दिनों बम विस्फोट हुआ था और वहां बम एकत्र किये गये हैं अतः इस षड्यंत्र को बेनकाब करने के लिए पुलिस को अभियुक्त का कम से कम 14 दिन का या 10 दिन का शारीरिक रिमांड दिया जाए ताकि पुलिस जांच पूरी कर सके ।

सरकारी वकील के जवाब में अभियुक्त के वकील ने कहा कि अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने झूठा केस बनाया है और अकारण ही उसे फंसाया है । 18 जुलाई को अमरीक सिंह राज्यपाल से अमृतसर में मिला । उस समय वहां डी. सी. और एस. एस. पी. भी उपस्थित थे । अभियुक्त ने राज्यपाल से शिकायत की थी कि पुलिस सिखों पर अत्याचार कर रही है मगर अगले ही दिन अभियुक्त और उसके साथियों को पकड़ लिया गया । हालांकि 18 जुलाई को उनके खिलाफ कोई केस न था और जो कारबाइन तथा रिवाल्वर पुलिस ने कब्जे में लिये हैं, वे लाइसैंसशुदा हैं ।

दरबारा के जंडियाला स्थित पैतृक घर पर बम फैंके गए

रूम की खिड़कियां व रोशनदान क्षतिग्रस्त : विस्फोट की आवाज 2 किलोमीटर तक सुनी गई

मुख्यमंत्री की पत्नी वहां आने वाली थी : भारी पुलिस तैनात

बम फैंकने में उग्रवादियों का हाथ होने का संदेह : बम सामग्री पूर्व विस्फोटों जैसी ही है

जालन्धर, 24 जुलाई (वि.प्र.): 15 कि.मी. दूर गांव जंडियाला स्थित पंजाब के मुख्यमन्त्री श्री रा सिंह के पैतृक मकान में कल में 11.30 बजे कुछ अज्ञात ने दो बम फैंके । इनमें से एक टट गया जिससे मकान के बाहरी में स्थित सोने वाले कमरे की रों का प्लास्तर व रोशनदान गए तथा सभी खिड़कियों के चकनाचूर हो गए ।

मुख्यमन्त्री का एक कनाल क्षेत्र यह पुराना मकान मुख्य सड़क नारे पर ही स्थित है ।

स बम विस्फोट में कोई भी नहीं हुआ ।

ब यह सम्वाददाता विस्फोट र पहुंचा तब तक वहां क्षति-रोशनदान को बदला जा चुका ा खिड़कियों के टूटे हुए शीशे को पुलिस ने एक बोरी में रके कमरे के एक कोने में छिपा ा । बम के धमाके से कमरे व के बरांडे के फर्श पर पड़ी दरारों सैंट से भरा जा रहा था तथा पर जगह-जगह उखड़े प्लास्तर क कर वहां पुताई कर दी ।

मीणों के अनुसार श्री दरबारा पत्नी को आज यहां पहुंचना मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह गस्त को यहां एक समारोह नेने के लिए आने वाले थे । त्नी इसी समारोह की तैया-सम्बन्ध में यहां आने वाली नि इस मकान में श्री दरबारा उनके परिवार का कोई भी ही रहता था ।

मकान में रहने वाले मुख्य-दरबारा सिंह के कर्मचारी न्द, जो वहां पर अपनी पत्नी बच्चों सहित रहता है, ने कि रात को 11.30 बजे जब न के पिछवाड़े स्थित 'लान''

ऐसा समझा जाता है कि बम फैंकने वालों ने सड़क से दीवार के ऊपर से मकान के अन्दर बम फैंके ।

बालगोबिन्द, जो यहां सात वर्ष से कार्य कर रहा है, ने बताया कि उसने बम फैंकने वाले किसी व्यक्ति को नहीं देखा और न ही वह किसी को पहचान सकता है ।

उसने बताया कि एक बम जो फट चुका था । दूसरा बिना फटा हुआ बम कमरे से बाहर पड़ा था ।

पुलिस ने बिना फटे हुए बम को अपने कब्जे में ले लिया है ।

सैनिक विशेषज्ञ पहुंचे

सैनिक विस्फोट विशेषज्ञों का एक दल भी घटनास्थल पर पहुंच चुका है । पुलिस ने बम उन्हें दे दिया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार नूरमहल थाना, जो जंडियाला से दस कि. मी. दूर है, से पुलिस लगभग 1 बजे रात्रि में घटना स्थल पर पहुंची ।

जालन्धर रेंज के डी. आई. जी., वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा पुलिस अधीक्षक ने रात्रि में जंडियाला पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया ।

बमों में समानता

पुलिस सूत्रों के अनुसार मुख्य-मन्त्री के घर पर फैंके जाने वाले ये दो बम उसी तरह के है, जैसे कि पंजाब के अन्य स्थानों पर हुई बम विस्फोट की घटनाओं में इस्तेमाल हुए हैं । ये बम हाथ से बनाए गए थे ।

खोजी कुत्ते मंगाए गए

पुलिस ने अभियुक्तों का पता लगाने में खोजी कुत्तों की भी सहायता ली लेकिन यह पता नहीं चल सका कि बम फैंकने वाले कहां से आए थे । अभी तक यह पता नहीं चल सका कि अभियुक्त मोटर साइकलों या अन्य किसी वाहन से आए थे अथवा पैदल ।

नाकाबन्दी

पुलिस ने जंडियाला गांव के आसपास के क्षेत्र की नाकाबन्दी कर रखी है ।

गांव के एक बुजुर्ग श्री साधू सिंह, जिनका मकान मुख्यमन्त्री के मकान से थोड़ी ही दूरी पर स्थित है, ने इस सम्वाददाता को बताया कि रात में 11.30 बजे जब वे अपने मकान में सोए हुए थे, उन्होंने जबरदस्त विस्फोट की आवाज सुनी और उनकी नींद खुल गई ।

मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह के भाई श्री बूझा सिंह, जिनका मकान मुख्यमन्त्री के घर से सड़क के दूसरी तरफ करीब 200 गज की दूरी पर है, से जब इस सम्वाददाता ने बातचीत की तो वहां खड़े पुलिस अधिकारी उन्हें खींच कर अन्दर ले गए । पुलिस ने पत्रकारों को भी उनसे बातचीत करने से रोका ।

ऐसा समझा जाता है कि यह काम सम्भवत: पंजाब के उन उग्र-वादियों का है, जिनके विरुद्ध आजकल मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह ने कठोर कार्यवाही प्रारम्भ कर रखी है । इस बात का प्रमाण इस बात से भी मिलता है कि मुख्यमन्त्री के मकान पर फैंके गए बम उन्ही बमों के समान हैं, जो उन्होंने अन्यत्र फैंके हैं ।

पुलिस में भगदड़

बताया जाता है कि मुख्यमन्त्री के मकान पर बम फैंकने की घटना के उपरान्त जालन्धर पुलिस में भगदड़ मच गई है ।

भारी पुलिस फोर्स बुलाई गई

पंजाब के अमृतसर, लुधियाना व अन्य जिलों से भारी संख्या में पुलिस जिले की नाकाबन्दी करने के लिए बुला ली गई है ।

ग्रामीणों के अनुसार इस मकान में श्री दरबारा सिंह कभी-कभार ही आकर ठहरते थे । पिछले एक लम्बे अर्से से वे यहां नही ठहरे थे ।

ग्रामीणों के अनुसार बमों का धमाका दो-दो मील दूर तक सुना गया ।

'यूनीवार्ता' के अनुसार बाहर से फैंके गए बमों में से एक रोशनदान की खिड़की तोड़ कर भीतर गिरा ।

पुलिस ने विस्फोट के बारे में बार-बार पूछने पर भी कुछ नहीं बताया ।

गांव के सरकारी स्कूल का चपरासी बालगोबिन्द मुख्यमन्त्री के आवास पर निगरानी के लिए रहता था ।

गांव के एक निवासी के अनुसार

चरण सिंह देवी लाल के विरुद्ध कार्यवाही करेंगे

नई दिल्ली, 24 जुलाई (प्रै.): लोकदल के अध्यक्ष श्री चरण सिंह निलम्बित नेता श्री देवी लाल के विरुद्ध उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए अगली कार्यवाही करने के लिए कृतसंकल्प हैं ।

ही और न ही कोई अन्य पदाधिकारी यह बताने को तैयार है कि चरण सिंह अपने निर्णय की कब घोषणा करेंगे ।

बताया जाता है कि श्री चरण

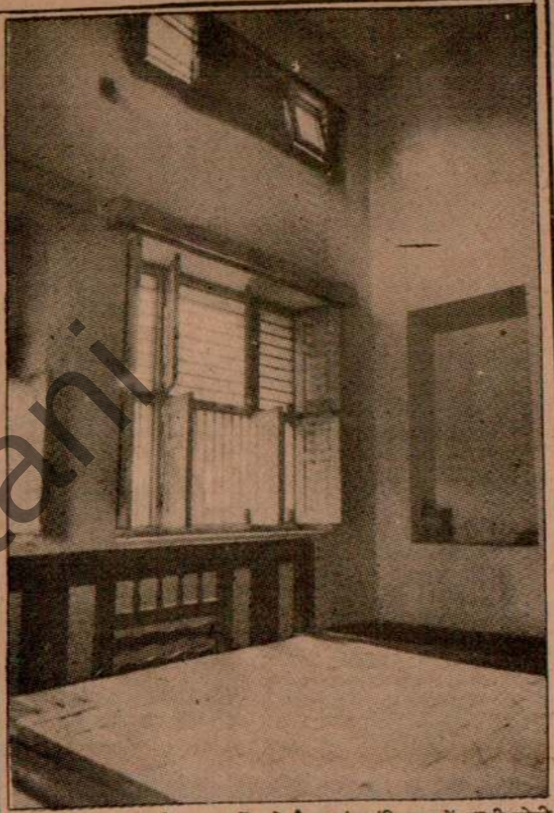

पंजाब के मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह के पैतृक गांव जंडियाला में उनकी कोठी का वह बाहरी शयनकक्ष जिसका एक रोशनदान शुक्र-शनि की मध्य रात्रि को हुए बम धमाके से टूट गया। अधिकारियों ने रोशनदान और दीवार की तुरन्त मुरम्मत करा दी । (छाया : वेद कपूर)

गोली कांडों में फरार हो वि अभियुक्तों की वापसी के प्र

नई दिल्ली, 24 जुलाई (यू.,प्रै.) पंजाब के मुख्यमंत्री दरबारा सिंह ने रहस्योद्घाटन किया है कि पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि पंजाब के गोलीकांडों में उन व्यक्तियों को विदेशों से प्रत्यावर्तित कराया जाए जो भारत से छिप कर भाग गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी तथा अकाली दल (लौंगोवाल) के बीच कोई राज-नीतिक समझौता होता है तो वे उसमें बाधक नहीं बनेंगे ।

अपने कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज यहां आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में श्री दरबारा सिंह ने कहा कि राज्य के गोली कांडों में शामिल सभी व्यक्तियों की राज्य सरकार ने शिनाख्त करली है। इन घटनाओं

उन्होंने कहा कि दल खालसा व खालिस्तान आंदोलन अकालियों की उपज है ।

सिखों से भेदभाव नहीं

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि उन्हें राज्य में गैर सिखों से पंजाब पुलिस द्वारा पक्षपात किए जाने की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है .। इसलिए इस आरोप की जांच का सवाल ही पैदा नहीं होता ।

लाला जी का हत्यारा एक पश्चिमी राष्ट्र में

श्री दरबारा सिंह ने कहा कि सरकार को उन उग्रवादियों के छिपने के स्थानों की जानकारी है जो राज्य

इंदिरा-अकालियों में कोई राजनीतिक

Punjabi Sanatani

...बन्द करके कमरे के एक कोने में छिपा रखा था । बम के धमाके से कमरे व बाहर के बरांडे के फर्श पर पड़ी दरारों को सीमैंट से भरा जा रहा था तथा दीवारों पर जगह-जगह उखड़े प्लास्तर को ठीक कर वहां पुताई कर दी गई थी ।

ग्रामीणों के अनुसार श्री दरबारा सिंह की पत्नी को आज यहां पहुंचना था । मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह भी 5 अगस्त को यहां एक समारोह में भाग लेने के लिए आने वाले थे । उनकी पत्नी इसी समारोह की तैयारियों के सम्बन्ध में यहां आने वाली थीं । वैसे इस मकान में श्री दरबारा सिंह व उनके परिवार का कोई भी सदस्य नहीं रहता था ।

इस मकान में रहने वाले मुख्यमन्त्री दरबारा सिंह के कर्मचारी बालगोबिन्द, जो यहां पर अपनी पत्नी व चार बच्चों सहित रहता है, ने बताया कि रात को 11.30 बजे जब वह मकान के पिछवाड़े स्थित 'लान' में आराम कर रहा था, तो उसने अचानक एक जोरदार धमाके की आवाज सुनी । वह भाग कर मकान के उस अगले हिस्से में पहुंचा जहां विस्फोट हुआ था । वहां चारों ओर धुआं ही धुआं फैला हुआ था ।

उसने बताया कि घर का मुख्य द्वार अन्दर से बन्द था तथा मुख्य द्वार के साथ सड़क से लगी हुई दीवार उस कमरे में जहां बम फैंके गए थे, से 20-25 गज दूर थी ।

...घटना स्थल पर पहुंचा ।

जालन्धर रेंज के डी. आई. जी., वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा पुलिस अधीक्षक ने रात्रि में जंडियाला पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया ।

बमों में समानता

पुलिस सूत्रों के अनुसार मुख्यमन्त्री के घर पर फैंके जाने वाले ये दो बम उसी तरह के हैं, जैसे कि पंजाब

...सम्वाददाता को बताया कि रात में 11.30 बजे जब वे अपने मकान में सोए हुए थे, उन्होंने जबरदस्त विस्फोट की आवाज सुनी और उनकी नींद खुल गई ।

मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह के भाई श्री बूझा सिंह, जिनका मकान मुख्यमन्त्री के घर से सड़क के दूसरी तरफ करीब 200 गज की दूरी पर है,

पंजाब के अमृतसर, लुधियाना व अन्य जिलों से भारी संख्या में पुलिस जिले की नाकाबन्दी करने के लिए बुला ली गई है ।

ग्रामीणों के अनुसार इस मकान में श्री दरबारा सिंह कभी-कभार ही आकर ठहरते थे । पिछले एक लम्बे अर्से से वे यहां नहीं ठहरे थे ।

ग्रामीणों के अनुसार बमों का धमाका दो-दो मील दूर तक सुना गया ।

'यूनीवार्ता' के अनुसार बाहर से फैंके गए बमों में से एक रोशनदान की खिड़की तोड़ कर भीतर गिरा ।

पुलिस ने विस्फोट के बारे में बार-बार पूछने पर भी कुछ नहीं बताया ।

गांव के सरकारी स्कूल का चपरासी बालगोबिन्द मुख्यमन्त्री के आवास पर निगरानी के लिए रहता था ।

गांव के एक निवासी के अनुसार मुख्यमन्त्री का बेटा आज सपत्नीक गांव आया था ।

जंडियाला गांव में विस्फोट के बाद स्थिति सामान्य है । दस हजार की जनसंख्या वाले इस गांव का बाजार खुला हुआ था तथा बसें सामान्य रूप से आ-जा रही थीं ।

'प्रे.ट्र.' के अनुसार मुख्यमन्त्री इस समय दिल्ली में हैं ।

आतंक पैदा करने की चाल

'यू.न्यू' के अनुसार श्री बूझा सिंह ने बताया कि यह कदम उन शरारती तत्वों का ही सकता है जो इस प्रकार आतंक पैदा करके सस्ती लोकप्रियता पाना चाहते हैं। विशेष कर संत जरनैल सिंह द्वारा कल अमृतसर में बुलाए गए सम्मेलन के दृष्टिगत इन तत्वों ने यह कार्यवाही की है।

बम नहीं बड़ा पटाखा

पुलिस अधिकारियों के अनुसार...

चरण सिंह देवी लाल के विरुद्ध कार्यवाही करेंगे

नई दिल्ली, 24 जुलाई (प्रे.): लोकदल के अध्यक्ष श्री चरण सिंह निलम्बित नेता श्री देवी लाल के विरुद्ध उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए अगली कार्यवाही करने के लिए कृतसंकल्प हैं ।

यद्यपि श्री चरण सिंह ने श्री देवीलाल के उत्तर के प्रति आज कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है लेकिन बताया जाता है कि उन्होंने अपने एक निकटवर्ती साथी से कहा है कि वह हरियाणा के लोकदल नेता को और अधिक देर तक पार्टी को 'बन्धक बनाए रखने' की अनुमति नहीं देंगे ।

श्री देवीलाल ने अपने विरुद्ध लगाए गए सारे आरोपों जिनमें श्रीमती इंदिरा गांधी से भेंट करने का आरोप भी है, का खंडन किया है ।

पार्टी सूत्रों के अनुसार श्री चरण सिंह पिछले कुछ दिनों से श्री देवीलाल के विरुद्ध शिकायतें प्राप्त होने पर उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने के बारे में सोच रहे थे ।

चरण सिंह ने अपनी प्रस्तावित कार्यवाही के बारे में बिल्कुल चुप्पी साध रखी है। न तो श्री चरण सिंह ही और नहीं कोई अन्य पदाधिकारी यह बताने को तैयार है कि चरण सिंह अपने निर्णय की कब घोषणा करेंगे ।

बताया जाता है कि श्री चरण सिंह ने आज अपने कुछ घनिष्ठ साथियों के साथ इस मामले पर गुप्त वार्ता की ।

लोकदल के वे सभी नेता भी, जिन्होंने गत अप्रैल में चरण सिंह व देवी लाल में समझौता कराया था, इस बार इन दोनों में समझौता कराने का कोई प्रयास नहीं कर रहे ।

हि. स. के अनुसार लोकदल के सांसद सत्यपाल मलिक ने चौधरी देवी लाल पर श्रीमती इंदिरा गांधी का एजेंट होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह उनके और चरण सिंह के बारे में गलत बातें उड़ा कर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

लोकदल महासचिव श्री सत्यपाल मलिक ने हरियाणा के निलम्बित लोकदल नेता श्री देवी लाल पर आरोप लगाया है कि वे दल के अध्यक्ष श्री चरण सिंह को पार्टी से निकलने के लिये विवश करने का प्रयास कर रहे हैं ।

चलते-चलते

Punjabi Sanatani

जंडियाला में बम विस्फोट

(पृष्ठ 3 का शेष)

जांच प्रयोगशाला के डायरेक्टर के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक टीम आज दोपहर जंडियाला पहुंची और अनफटे बम तथा फटे हुए विस्फोटक पदार्थ का निरीक्षण किया। इससे पूर्व सैनिक अधिकारियों की एक टीम ने अनफटे बम को नाकारा बना दिया। विशेषज्ञों की एक टीम ने सम्वाददाताओं के सभी प्रश्नों को टाल दिया किन्तु विश्वास किया जाता है कि चंडीगढ़ पहुंच कर वे पंजाब के डायरेक्टर जनरल पुलिस को अपनी रिपोर्ट देंगे।

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार अभी यह नहीं कहा जा सका कि जांच क्या करवट लेती है किन्तु इस बम कांड का सम्बन्ध पंजाब में पिछले वर्ष अक्तूबर-नवम्बर में मोगा, तरनतारन चौक मेहता आदि में हुए बम कांडों से होने की सम्भावना को रद्द नहीं किया जा रहा।

चौकीदार की पत्नी का बयान

कोठी के अन्दर अपने चार बच्चों के साथ सोई चौकीदार की पत्नी ने बताया कि रात बारह बजे जोरों का धमाका हुआ और वह हड़बड़ा कर उठ बैठी। बच्चे भी डर के मारे रोने लगे और दूर चारपाई पर सो रहा उसका पति भी आ गया। कोठी के प्रांगण में उनकी चारपाइयों से कुछ ही गज की दूरी पर धुआं ही धुआं था और इधर-उधर आग की चिंगारियां सुलग रही थी।

दरबारा के भाई का बयान

श्री दरबारा सिंह के भाई बूआ सिंह ने बम कांड पर टिप्पणी करते हुए कहा—हमें डराने और आतंकित करने का दुस्साहस किया जा रहा है किन्तु हम कदापि आतंकित होने वाले नहीं हैं। ऐसी बातों का हम पर कोई असर नहीं है।

स्मरण रहे कि कुछ ही दिन पूर्व समाचार पत्रों में खबर छपी थी कि संत जरनैल सिंह भिंडरांवाला ने मुख्यमन्त्री को धमकी दी है कि यदि उन्होंने सिखों पर अत्याचार बन्द न किया तो उन्हें उसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। तब मुख्यमन्त्री के एक प्रवक्ता ने ऐसी धमकी का प्रतिवाद किया था किंतु साथ ही यह खबर मिली थी कि श्री दरबारा सिंह ने पश्चिमी बंगाल के मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि कलकत्ता में उनके बेटों की सुरक्षा का विशेष प्रबन्ध किया जाए।

Punjabi Sanatani

अमृतसर के दो धार्मिक स्थल जहां धड़ा-धड़ बम, पिस्तौल और कारतूस बनाए जा रहे हैं

एक स्थान पर केवल बम बनाए जा रहे हैं जबकि दूसरे स्थान पर पिस्तौल और कारतूस : छोटे खराद लगे हैं जिनपर ऐसे युवक काम कर रहे हैं जिन्होंने आई. टी. आई. संस्थाओं में बाकायदा लोहारा काम का प्रशिक्षण प्राप्त किया है : उत्तर प्रदेश से अवैध शस्त्र निर्माताओं से तकनीकी सेवाएं प्राप्त : पुलिस को दोनों गुप्त अड्डों का रहस्य पता चल गया : मगर चूंकि ये काम धर्मस्थलों की चार दिवारी में हो रहा है : भिंडरांवाला पर उग्रवादियों को संरक्षण देने का खुला आरोप।

जालन्धर, 27 जुलाई (खन्ना): अत्यन्त विश्वस्त सूत्रों ने रहस्योद्घाटन किया है कि पंजाब पुलिस ने कुछ ऐसे गुप्त ठिकानों का पता लगाने में सफलता प्राप्त की है जहां उग्रवादी खतरनाक किस्म के बमों के अलावा देसी पिस्तौलों और उनमें इस्तेमाल होने वाले कारतूसों का निर्माण करते हैं।

इन सूत्रों का कहना है कि ये दोनों गुप्त ठिकाने जिला अमृतसर में हैं। एक ठिकाने पर सिर्फ बम बनाए जाते हैं और दूसरे पर देसी पिस्तौल और कारतूस। बताया जाता है कि पिस्तौल व कारतूस बनाने वाले ठिकाने में छोटे खराद लगे हुए हैं और उन पर कुछ ऐसे नौजवान काम कर रहे हैं जिन्होंने आई. टी. आई. संस्थाओं में बाकायदा लोहारा काम का प्रशिक्षण प्राप्त किया हुआ है। इन नौजवानों की मदद या टैक्नीकल जानकारी के लिये उत्तर प्रदेश में अवैध शस्त्र निर्माण करने वाले विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त किये जाने की संभावनाओं को रद्द नहीं किया जा रहा।

इन सूत्रों का दावा है कि पुलिस को दोनों ही गुप्त अड्डों की भौगोलिक स्थिति, इनका संचालन करने वाले व्यक्तियों और वहां बनने वाले शस्त्रास्त्रों के विस्तृत विवरण प्राप्त हो चुके हैं लेकिन चूंकि यह सब काम धर्म स्थानों की चार दीवारी के अन्दर हो रहा है इसलिये किसी कार्रवाई का निर्णय दिल्ली और चंडीगढ़ में उच्च राजनीतिक स्तर पर ही लिया जा सकता है। राज्य सरकार को इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट भेजी जा चुकी है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि संत जरनैल सिंह भिंडरांवाला पर उग्रवादियों को संरक्षण देने का खुला आरोप लगाया जा रहा है। संत भिंडरांवाला आजकल अपने चौक मेहता स्थित डेरे –गुरुद्वारा गुरुदर्शन प्रकाश को छोड़ अमृतसर में गुरु नानक निवास को अपना हैड क्वार्टर बनाये हुए हैं। यद्यपि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रधान श्री गुरचरण सिंह टोहरा ने गुरु नानक निवास या श्री दरबार साहिब की सीमा में उग्रवादियों के छिपे होने का प्रतिवाद किया है किन्तु सरकारी सूत्रों ने बार-बार इस आरोप को दोहराया है कि गोली कांडों और बम कांडों में वांछित अनेक अभियुक्तों के अलावा कई अन्य उग्रवादी भी गुरुनानक निवास के कमरों में शरण लिये हैं। मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह ने तो एक अवसर पर उग्रवादियों को दिये गए कमरों के नम्बरों की जानकारी होने का भी दावा किया था।

बम एक जैसे : तीन व्यक्ति हिरासत में

मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह के पैतृक गांव जंडियाला में उनके मकान पर गत सप्ताह फैंके गए बमों के बारे में जांच कार्य बहुत हद तक पूर्ण कर लिया गया है। जंडियाला के एक निकटवर्ती गांव से पकड़े गए एक अमृतधारी प्यारा सिंह तथा दो अन्य व्यक्तियों ने पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग दिये हैं। उनसे आगे पूछताछ जारी है।

(शेष पृष्ठ 8 पर)

अपनी मोटर साइकिल मकान से थोड़ी दूरी पर रोका और मकान तक पैदल ही आए। बम फेंकने के बाद वे रात के अंधेरे में गायब हो गए। पुलिस जंडियाला बम कांड के संबंध में अभी कुछ और लोगों की तलाश में है।

गुरुनानक निवास और गुरदर्शन प्रकाश में

स्पैशल समाचार समिति ने रिपोर्ट दी है कि रिवाल्वर और कारतूस बनाने की फैक्टरी दरबार साहब अमृतसर के प्रांगण में स्थित गुरुनानक निवास में है और वहां धड़ाधड़ पिस्तौल, कारतूस तलवारें, और आम विस्फोटक सामग्री बन रही है। जबकि बम बनाने का काम चौक मेहता में संत जरनैल सिंह भिंडरां के डेरा गुरदर्शन प्रकाश में जारी है। यहां अलीगढ़ से प्रशिक्षण प्राप्त करके आए हुए युवक काम कर रहे हैं। पंजाब में जो कत्ल हुए हैं और जो बम जगह-जगह फैंके गए हैं वह इन्हीं जगहों के बने हुए हैं।

विभिन्न घटनाओं में प्रयुक्त पिस्तौल और कारतूस भी गुरुनानक निवास के बने हुए हैं।

बम भिंडरां के चेलों ने फेंका

दिल्ली से चावला के अनुसार मुख्यमंत्री के पैतृक गांव जंडियाला में उनके निवास पर बम फेंकने की कार्रवाई संत भिंडरांवाला के दो चेलों ने की। अधिकारी सूत्रों के अनुसार बम फेंकने वाले दोनों व्यक्तियों बारे जानकारी उस तीसरे व्यक्ति से मिली जिसके पास उन्होंने खाना खाया।

अमृतसर से प्रै. ट्र. का समाचार है कि आज वहां 51 भिंडरां समर्थकों को गिरफ्तार कर लिया गया। भिंडरांवाला के मोर्चा का आज नौवां दिन था।

भिंडरांवाला ने आज संत लौंगोवाल और श्री टोहरा से अलग-अलग मुलाकातें कीं।

अमृतसर में अकाली, भिंडरां समर्थक नारे लगाते घूमने लगे • गुरुनानक निवास शस्त्रागार बना

अमृतसर, 1 अगस्त (वि. प्र., (भाटिया) : 4 अगस्त से प्रस्तावित मोर्चे के लिए दरबार साहब से अकालियों के जत्थे रवाना करने का कार्य लौंगोवाल को सौंपा गया है और वे मोर्चे के डिक्टेटर बना दिए गए हैं।

अमृतसर में भिंडरां के समर्थक तथा अकाली ट्रकों में भर कर राज करेगा खालसा के नारे लगाते हुए बाजारों से गुजरते हैं। दरबार साहब स्थित गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के भवन को किले का रूप दे दिया गया है, जगह-जगह बंदूक व बर्छाधारी स्वयं सेवक खड़े हैं। गुरुनानक निवास पूर्णतः शस्त्रागार बना हुआ है।

जिला प्रशासन ने गिरफ्तारियों के लिए व्यापक प्रबन्ध किये हैं। कांग्रेसी क्षेत्रों का कहना है कि इस मोर्चे का अकालियों को कोई राजनीतिक लाभ न होगा। हर तरफ से मायूस होकर शर्मिन्दगी दूर करने के लिए ही मोर्चा लगाया है ताकि संयुक्त (कोलीशन) सरकार बनाने के लिए भी दबाव डाला जा सके। यह टोहरा और बादल धड़े की आपसी लड़ाई की कड़ी है और बादल 4 अगस्त को अपनी ताकत दिखाने के लिए काफी वर्करों के साथ प्रदर्शन करेंगे।

सिखों से विश्वासघात

लौंगोवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने स्वतंत्रता से पहले सिखों से किये वायदों को ताक पर रख कर सिखों से विश्वासघात किया है।

सरकार सिखों से 'दूसरे दर्जे के नागरिकों' जैसा व्यवहार करती है और उन्हें 'गुलाम बनाना' चाहती है।

सी. आर. पी., बी. एस. एफ. पहुंची

प्रशासन को सरकार ने मोर्चे से निपटने के आवश्यक निर्देश दे दिए हैं। केंद्र ने सी. आर. पी. तथा बी. एस. एफ. की प्लाटूनों के अलावा हरियाणा पुलिस की कई कम्पनियां भी अमृतसर में तैनात कर दी हैं।

गोलमेज सम्मेलन

फरीदकोट में अकाली वर्करों के सम्मेलन में श्री बादल ने कहा कि वे मोर्चे के प्रति विपक्षी दलों का सहयोग प्राप्त करने के लिए सर्वदलीय गोलमेज सम्मेलन बुलाने को तैयार हैं। अकालियों की मांग पृथकतावादी नहीं जबकि राज्यों को अधिक अधिकार दिए जाने की मांग है। यदि हिंदू अखिल भारतीय मंदिर कानून बनाए जाने की मांग करें तो अकाली उनका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि अकाली दल सतलुज-यमुना सम्पर्क नहर न बनने देगा।

इंदिरा से वार्ता की शर्त

हरचंद सिंह लौंगोवाल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी से वार्ता तभी की जाएगी जब अमरीक सिंह को बिना शर्त रिहा किया जाएगा।

हत्या कांडों में दरबारा के आदमियों का हाथ

फिरोजपुर में लौंगोवाल ने दावा किया कि पंजाब के हत्या कांडों में भिंडरांवाला का हाथ नहीं है। भिंडरांवाला तो मक्खी तक नहीं मार सकता। तरनतारन व अन्य स्थानों पर हुए हत्याकांडों में मुख्यमंत्री दरबारा सिंह के आदमियों का हाथ है।

अकाली मोर्चे से नि[illegible] केन्द्र पूरी मदद [illegible]

[illegible] । अगस्त (मुसाफिर): ज्ञात हुआ है कि केन्द्रीय गृहमंत्री ने पंजाब सरकार को पूरा विश्वास दिलाया है कि अकाली मोर्चा से निपटने के लिए केन्द्र पूरी मदद देगा और कानून व्यवस्था प्रत्येक स्थिति में कायम रखी जानी चाहिए।

इस सम्बन्ध में हरियाणा सशस्त्र पुलिस की एक बटालियन पंजाब पहुंच चुकी है। बी. एस. एफ., केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स भी पंजाब पहुंच चुकी है। गृहमंत्री ने, श्री दरबारा सिंह को, जोकि गत दिवस उनसे मिले थे, कहा था कि यदि पंजाब को और फोर्स की जरूरत हुई तो उसे उपलब्ध करा दी जाएगी। मुख्यमंत्री केन्द्रीय गृहमंत्री से पुनः मिलने वाले हैं।

श्री दरबारा सिंह ने कहा कि हिंसा किसी भी स्थिति में सहन नहीं की जाएगी। उनका कहना है कि अकाली मोर्चा ज्यादा जोर नहीं पकड़ेगा क्योंकि लोग इसका साथ नहीं देंगे। जिस तरह पहले नहर रोको तथा अवज्ञा आंदोलन मोर्चे फेल हुए हैं, इस मोर्चे का भी यही हश्र होगा।

श्री दरबारा सिंह ने अपने सभी साथी मंत्रियों की ड्यूटियां लगा दी हैं तथा जिले बांट दिए हैं कि वह वहां जाएं और सभाएं करके लोगों को मोर्चे में शामिल न होने की प्रेरणा दें। नहर रोको मोर्चे के सम्बन्ध में भी सरकार ने ऐसे ही पग उठाए थे। कांग्रेस पार्टी के तौर पर भी ऐसी बैठकें करेगी। सरकार मोर्चे से पहले के हालात पर भी नजर रख रही है तथा पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है।

संत जी, व्यापार बचाओ

उधर पटियाला से 'भूषण' की सूचना के अनुसार पंजाब व्यापार मंडल के प्रधान श्री ओम प्रकाश लाम्बा ने

'सूर्या' का खरीदार 10 करोड़ की चोरी में गिरफ्तार

Punjabi Sanatani

केंद्र का अकाली मोर्चे को सख्ती से कुचल देने का निर्देश

दिल्ली में पंजाब की स्थिति पर उच्चतम स्तर पर विचार : दरबारा भी शामिल हुए

गुरुनानक निवास की चौथी मंजिल पर शस्त्र फैक्टरी : दरबारा

नई दिल्ली, 2 अगस्त (जी. एस. चावला) : आज यहां प्रस्तावित अकाली मोर्चे के प्रसंग में पंजाब की स्थिति पर उच्चतम स्तर पर विचार किया गया। इस विचार-विमर्श में गृहमंत्री श्री वेंकट रमण, वित्त मंत्री श्री प्रणव मुखर्जी, विदेश मंत्री श्री नरसिम्हा राव, कैबिनेट सैक्रेटरी श्री राव साहिब कृष्ण स्वामी, गृह सचिव श्री टी. एन. चतुर्वेदी और पंजाब के मुख्यमंत्री श्री दरबारा सिंह शामिल हुए।

श्री दरबारा सिंह पंजाब सरकार द्वारा अकाली मोर्चे से निपटने के लिए अपनाई गई रणनीति से केंद्र को अवगत कराने के लिए आज राजधानी पहुंचे। विदित हुआ है कि पंजाब सरकार द्वारा उठाए गए पगों पर संतोष व्यक्त किया और साथ ही विश्वास दिलाया कि केंद्र पंजाब को हर प्रकार की मदद देगा। मालूम हुआ है कि इस उच्च स्तरीय बैठक में यह प्रश्न भी उठा कि यदि अकाली हिंसा पर उतर आयें तो क्या किया

भिंडरांवाला के दायें हाथ भाई अमरीक सिंह और चौक मेहता गुरुद्वारा के प्रबंधक ठारा सिंह ने पुलिस के समक्ष सनसनीपूर्ण रहस्योद-घाटन किए हैं। इन दोनों ने पुलिस को बताया कि गुरु नानक निवास की चौथी मंजिल पर खराद लगा है और वहां शस्त्र बनते हैं। पुलिस ने चार स्टेनगनें और कुछ रिवाल्वर भी कब्जे में लिए हैं। अभियुक्तों ने यह भी स्वीकार किया है कि पंजाब में पिछले कई महीनों से हो रहे गोली-कांडों के पीछे भिंडरांवाला का हाथ है।

केंद्र ने 8 बटालियन सी.

Punjabi Sanatani

भारतीय विमान का अपहरण करने वाला खालिस्तानी बंदी

4 घंटे का अपहरण नाटक थानेदार द्वारा विमान में घुसकर गुरबख्श की गिरफ्तारी के साथ समाप्त

अपहर्त्ता ने उग्रवादियों की रिहाई, भिंडरां से भेंट की मांग की थी

विमान पहले लाहौर ले जाया गया लेकिन पाक अधिकारियों ने उसे उतरने की अनुमति न दी

अमृतसर, 4 अगस्त (यू.)– आज अपरान्ह दिल्ली से अमृतसर होकर श्रीनगर जाने वाले इंडियन एयर लाइन्स के एक बोइंग 737 विमान को अपहृत करने वाले खालिस्तान समर्थक सिख युवक गुरबख्श सिंह को पुलिस ने झांसा देकर गिरफ्तार कर लिया और इस प्रकार इस विमान अपहरण कांड का सुखद नाटकीय पटाक्षेप हुआ।

विमान अपहरणकर्त्ता, हरियाणा के कुरुक्षेत्र निवासी गुरबख्श सिंह ने भिंडरांवाला के निकट साथी तथा आल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फैडरेशन के अध्यक्ष अमरीक सिंह व पंजाब के हत्याकांडों व मंदिरों को अपवित्र करने की घटनाओं में गिरफ्तार लोगों को रिहा किये जाने, गत वर्ष हरियाणा के हिसार जनपद के चंदोकलां में गुरुग्रंथ साहब की प्रतियां जलाने वाले पुलिस अधिकारियों की गिरफ्तारी तथा भिंडरांवाला व अकाली दल (लौंगोवाल) के अध्यक्ष हरचन्द सिंह लौंगोवाल से मुलाकात करने की मांग की थी।

हथगोला नहीं, कपड़े का गोला

अपहरणकर्त्ता ने विमान के काकपिट में घुस कर अपने हाथ की जिस एक गोल सी वस्तु को हथगोला बताते हुए उससे विमान उड़ा देने की धमकी दी थी, वस्तुतः कपड़े का एक गोला निकली।

सभी सुरक्षित

विमान के सभी 134 यात्री तथा चालक मंडल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं।

विमान अपहरणकर्त्ता को पूछताछ के लिए पुलिस व गुप्तचर विभाग के अधिकारी किसी गुप्त स्थान को ले गए हैं।

इंदिरा अवगत

इंडियन एयर लाइंस के अधिकारी व केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मन्त्रालय ने होनोलूलू में फोन करके प्रधान मन्त्री श्रीमती इंदिरा गांधी को सारे घटनाक्रम से अवगत करा दिया।

तीन अपहरणकर्त्ता ?

पहले सूचना मिली थी कि विमान अपहर्त्ताओं की संख्या तीन है। उनके नाम गुरबख्श सिंह, ए. सिंह व आई. सिंह बताए गए थे। बाद में पता चला कि शेष दोनों के सिख होने के कारण उन्हें भी विमान अपहरणकर्त्ता का साथी समझा गया। पहले की सूचनाओं में यह भी कहा गया था कि विमान यात्रियों ने ही अपहर्ता को पकड़ लिया है।

घटनाक्रम

फ्लाइट नम्बर आई. सी. 423 पर दिल्ली से साढ़े ग्यारह बजे अमृतसर होते हुए श्रीनगर जाने वाला यह बोइंग विमान जब अमृतसर के निकट पहुंचा तभी यात्रियों में से एक गोरे रंग का सिख युवक विमान चालकों के कक्ष (काकपिट) की ओर गया और अकस्मात कैबिन का दरवाजा खोल कर अन्दर चला गया तथा अपने हाथ की एक गोल वस्तु विमान के पायलट श्री मेहता को दिखाते हुए विमान को लाहौर ले चलने का कहा।

अमृतसर को सूचना

कैप्टन मेहता ने तत्काल ही घटना की सूचना अमृतसर कंट्रोल टावर को दी और विमान को लाहौर की ओर ले गये।

विमान जब लाहौर हवाई अड्डे के निकट पहुंचा तो कैप्टन वी. के. मेहता ने नई दिल्ली संदेश दिया कि पाक अधिकारियों से बातचीत करके उन्हें तत्काल लाहौर अड्डे पर उतरने की अनुमति दिलाई जाए क्योंकि विमान में ईंधन बहुत कम है। इसी दौरान एक पक्षी विमान के रडर से टकरा गया लेकिन विमान को कोई विशेष क्षति न पहुंची।

रनवे पर ट्रक खड़ा कर दिया

उधर लाहौर हवाई अड्डे के अधिकारियों ने विमान को उतरने की अनुमति देने से साफ इंकार कर दिया और इस भय से कि कहीं इसके बावजूद विमान वहां उतर न जाए, उन्होंने रनवे पर एक ट्रक खड़ा कर दिया।

दूसरा विमान भी वापस

इसी मध्य दिल्ली से लाहौर की नियमित उड़ान पर गया विमान भी लाहौर पहुंचा लेकिन अधिकारियों ने उसे भी हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया। यह विमान सुरक्षित दिल्ली वापस लौट गया।

विमान यात्रियों में 126 वयस्क व 3 बच्चे शामिल थे। चालक मंडल में 6 लोग थे, जिनमें कैप्टन वी. के. मेहता, को पायलेट कैप्टन कोटरू, एयर होस्टेस मिस सुषमा, मिस ठाकुर, स्टीवार्ड्स गणेशन तथा एस. डी. कपूर शामिल थे। यात्रियों में 51 महिलायें थीं, 75 पुरुष थे।

विमान अमृतसर पहुंचा

20 मिनट तक लाहौर हवाई अड्डे के ऊपर चक्कर काटने के बाद कैप्टन मेहता ने गुरबख्श सिंह को समझाया कि ईंधन समाप्त हो रहा है अतः या तो विमान वापस ले चलने की छूट दें या कहीं और ले चलें। गुरबख्श सिंह ने विमान कहीं और ले चलने को कहा लेकिन कैप्टन मेहता ने सूझबूझ से काम लेते हुए विमान को अमृतसर हवाई अड्डे पर ले आए। विमान 1 बजकर 35 मिनट पर अमृतसर के राजासांसी हवाई अड्डे पर उतरा।

विमान के राजासांसी हवाई अड्डे पर उतरने के साथ ही सी. आर. पी., बी. एस. एफ. व विशेष कमांडो दस्ते के जवानों ने विमान को घेर लिया।

मांगें पेश कीं

गुरबख्श सिंह ने कंट्रोल टावर के माध्यम से अपनी उपरोक्त मांगें पेश कीं और कहा कि अमरीक सिंह को तत्काल रिहा करके उसकी लौंगोवाल व भिंडरांवाला से बातचीत कराई जाए।

अमृतसर के उपायुक्त ने, जो स्वयं इस सारी व्यवस्था की देखभाल कर रहे थे; यह संदेश तुरन्त उच्चाधिकारियों को भिजवा दिया।

चूंकि लौंगोवाल आज के अमृतसर से प्रारम्भ अकाली मोर्चे में व्यस्त थे अतः वे तत्काल वहां उपलब्ध न हो सके लेकिन अकाली दल के महासचिव प्रकाश सिंह मजीठिया ने वहां पहुंच कर कंट्रोल टावर के माध्यम से गुरबख्शसिंह से बातचीत प्रारम्भ की। गुरबख्श सिंह ने लौंगोवाल या भिंडरांवाला के अलावा अन्य किसी से भी बातचीत करने से इन्कार कर दिया।

पुलिस इंस्पैक्टर अंदर पहुंचा

मजीठिया ने उसे महिला यात्रियों व बच्चों को रिहा करने के लिए राजी कर लिया। गुरबख्श सिंह ने 51 महिलाओं व 3 बच्चों को विमान से चले जाने की अनुमति दे दी। जब ये यात्री विमान से उतर रहे थे तभी कमांडो दस्ते का एक पुलिस इंस्पैक्टर सादी वर्दी में गुरबख्श सिंह की आंख बचाकर विमान में प्रविष्ट हो गया।

अकाली दल का कोई सम्बंध नहीं : लौंगोवाल

अकाली दल (लौंगोवाल) के अध्यक्ष हरचंद सिंह लौंगोवाल ने दावा किया है कि विमात अपहरण कांड से उनकी पार्टी का कोई सम्बन्ध नहीं है। (शेष पृष्ठ 6 पर)

साढ़े 3 घण्टे का नाटक

नई दिल्ली, 4 अगस्त (यू.): भारतीय विमान के अपहरण के साढे तीन घंटे के ड्रामे का पूर्ण ब्योरा इस प्रकार है —

11 बजकर 59 मिनट—बोइंग 737 विमान श्रीनगर जाने के लिए बरास्ता अमृतसर पालम हवाई अड्डे से रवाना हुआ।

12 बज कर 45 मिनट–विमान अमृतसर के ऊपर है। एक सिख जोकि 'ज्ञानी' के वेष में है तथा नीली पगड़ी पहने हुए है, जबरदस्ती काक पिट में घुसा तथा चालक को विमान लाहौर की तरफ मोड़ने का आदेश दिया।

12 बज कर 45 मिनट से 1 बज कर 30 मिनट तक–विमान लाहौर हवाई अड्डे पर चक्कर लगाता है जबकि चालक वहां उतरने की अनुमति मांगता है। विमान से एक पक्षी टकराता है। लाहौर हवाई अड्डे के अधिकारी उतरने की अनुमति नहीं देते। 1 बजकर 40 मिनट—विमान की अमृतसर वापसी।

2 बज कर 30 मिनट—एकमात्र अपचालक द्वारा स्त्रियों व बच्चों को विमान से उतरने की अनुमति।

3 बज कर 15 मिनट—सभी पुरुष यात्री भी रिहा। अपचालक की गिरफ्तारी के साथ ड्रामा खत्म।

अपहृत विमानों का गंतव्य एक ही

नई दिल्ली, 4 अगस्त (यू. न्यू.): इंडियन एयर लाईन के अब तक चारों अपहृत विमानों का गन्तव्य स्थल लाहौर रहा है लेकिन इस बार लाहौर हवाई अड्डे के अधिकारियों ने अपहृत विमान को उतरने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया।

दिलचस्प बात यह है कि सितम्बर 1981 में पिछला विमान अपहरण और आज का विमान अपहरण उस समय हुआ जब प्रधानमन्त्री श्रीमती इंदिरा गांधी विदेश दौरे पर थीं।

पिछले और आज के विमान अपहरण में एक और बात सांझी है और वह यह कि दोनों घटनाओं में अपहरणकर्त्ता सिख हैं परन्तु अंतर यह है कि पिछली घटना में खालिस्तान से सम्बद्ध पांच सिख थे जबकि आज की घटना में केवल एक है। एक और दिलचस्प बात यह है कि आज का अपहृत विमान भी वही है जिसे गत सितम्बर में अपहृत किया गया था।

अब तक के विमान अपहरणों में एक यह समानता भी है कि विमानों को लाहौर की तरफ उस समय मोड़ा गया जब वे अमृतसर के ऊपर उड़ान कर

दरबारा द्वारा निंदा

चंडीगढ़ 4 अगस्त (यू.) पंजाब के मुख्यमन्त्री दरबारा सिंह ने इंडियन एयर लाइन्स के बोइंग 737 विमान का अपहरण किए जाने की निन्दा की और विमान के कमांडर द्वारा प्रदर्शित साहस एवं बुद्धिमत्ता की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दोषी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेने वाला व्यक्ति चाहे कितना ही बड़ा क्यों न हो, अवश्य

भारतीय विमान के अपहरण की पांचवीं घटना

नई दिल्ली, 4 अगस्त (यू.): इंडियन एयर लाइन्स के बोइंग विमान का आज हुआ अपहरण पिछले 11 वर्षों में इंडियन एयर लाइन्स के किसी विमान के अपहरण की पांचवीं घटना है।

30 जनवरी 1971 को श्रीनगर से दिल्ली जा रहे फोकर फ्रैंडशिप विमान को 26 यात्रियों व 4 सदस्यीय चालक मण्डल सहित नैशनल लिबरेशन फ्रंट आफ कश्मीर से सम्बद्ध दो व्यक्ति अपहृत करके लाहौर ले गए थे और बाद में इसे पाक अधिकारियों की उपस्थिति में 2 फरवरी की रात्रि को नष्ट कर दिया था। भारत ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाक विमानों को भारत से ऊपर होकर उड़ान भरने की अनुमति वापस ले ली थी। इन दोनों विमान अपहर्त्ताओं को पाकिस्तान में राजनीतिक शरण मिल गई थी।

10 सितम्बर 1976 को दिल्ली से जयपुर होकर बम्बई जा रहे बोइंग

चलते-चलते

Punjabi Sanatani

दरबारा पर बम फैंका गया, बाल-बाल बचे, 36 घायल

शिक्षामंत्री अजनाला भी घायल, एक सिख युवक मौका पर गिरफ्तार, दूसरा बम उसके हाथ से बरामद

क्या हमलावर भिंडरां का चेला? निरंकारी बाबा के हत्यारे जैसी शक्ल

राहों की सभा में युद्ध क्षेत्र-सा दृश्य, जगह-जगह कराहते घायल पड़े थे, 4 की हालत नाजुक

जालंधर, 20 अगस्त (महेंद्र खन्ना) : आज दोपहर यहां से 45 किलोमीटर दूर कस्बा राहों में एक स्कूल के समारोह में पंजाब के मुख्यमंत्री श्री दरबारा सिंह की बम फैंक कर हत्या का असफल प्रयास किया गया। यद्यपि मुख्यमंत्री बाल-बाल बच गए किंतु तीन दर्जन अन्य व्यक्ति घायल हो गए। पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरचरण सिंह अजनाला के हाथ पर भी बम लगने से मामूली चोट आई।

सभी घायलों को तुरन्त गाड़ियों में डाल कर सिविल अस्पताल नवां शहर पहुंचाया गया जबकि श्री अजनाला के हाथ पर मरहम पट्टी घटनास्थल पर ही की गई। डाक्टरों के अनुसार चार घायलों की दशा नाजुक है।

घायल होने वालों में जालंधर के अतिरिक्त सुपरिंटैंडैंट पुलिस श्री बख्शी राम, नवांशहर के तहसीलदार श्री के. सी. आनंद, नायब तहसीलदार श्री अमरजीत सिंह, राहों के नगर पिता स्वर्णाराम, सरपंच भगत सिंह के अलावा मुख्यमंत्री के सुरक्षा स्टाफ के एक कर्मचारी मलूक सिंह, सरकारी कैमरामैन श्री आर. सी. बाली भी शामिल हैं। अन्य घायलों के नाम हैं : गुरमीत राम, मक्खन लाल, ज्ञान सिंह, गुरजीत सिंह, हरदीप सिंह, मलकियत सिंह, निर्मल सिंह, जगदीश सिंह, बलविंद्र सिंह, संतोख राम, शिवनाथ, कपूर सिंह, शमशेर सिंह, पं. राम मूर्ति, सुखवंतसिंह, लखविंद्रसिंह और मंगत राम। डी.एस. पी. नवांशहर श्री हरकिशन सिंह की टांग और पांव पर जख्म आए।

जलसा में भगदड़

दोपहर 12.20 पर जैसे ही मंच के निकट जोर का धमाका हुआ, चहुं ओर भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे के ऊपर से होते हुए भागने लगे। उस समय मुख्यमंत्री एक जलूस के रूप में मंच की तरफ आ रहे थे।

युद्धस्थल का दृश्य

जैसे ही मुख्यमंत्री मंच पर चढ़ आए और भीड़ वहां से पीछे हट चुकी तो दो सौ वर्ग गज का वह स्थान युद्धस्थल में पड़े घायलों का-सा था। इधर-उधर बूढ़े, बच्चे, नौजवान और पुलिस कर्मचारी गिरे पड़े थे और किसी के पेट से, किसी के सिर से और किसी की टांगों से खून बह रहा था। चहुं ओर से 'मर गया, बचाओ... बचाओ' के कराहने की आवाजें आ रही थीं।

एक नौजवान हिरासत में

बम धमाका होने के साथ ही पुलिस कर्मचारी, जो मुख्यमंत्री की सुरक्षा ड्यूटी पर थे, इधर-उधर भागे और एक नौजवान को काबू कर लिया। बम धमाका और नौजवान को काबू किया जाना पलक झपकते ही हुआ। एस. एस. पी. जालंधर श्री गुर इकबाल सिंह भुल्लर ने, जो मुख्यमंत्री के बिल्कुल साथ-साथ चल रहे थे, बताया कि नौजवान एक बम फैंक कर दूसरा फैंकने ही वाला था कि उसे काबू कर लिया गया। उसके हाथ से बम भी छीन लिया गया।

पंजाब केसरी के प्रतिनिधि के अनुसार जो बम बरामद हुआ वह देसी है उस पर सफेद सूत लिपटा हुआ था।

तीस वर्षीय नौजवान को, जिस की कमर में केसरी पटका बन्धा हुआ था और जो गंदी-सी मैली-सी पैंट और बुशर्ट पहने था, उसकी पगड़ी और पटके से ही बांध कर काबू किया गया। यद्यपि अभी उसके अते पते बारे कुछ मालूम नहीं हुआ किंतु प्रारम्भिक जानकारी के अनुसार उसका संबंध भिंडरांवाला गिरोह से ही समझा जाता है। अभियुक्त की शिनाख्त के लिए तमाम मफरूर घोषित अपराधियों के फोटो मंगवाए गए हैं क्योंकि ऐसा संदेह है कि उसकी शक्ल सूरत उस व्यक्ति से मिलती-जुलती है जो निरंकारी बाबा हत्या-कांड में मफरूर है।

बम जमीन में गाड़ दिया

अनफटे बम को पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल पर ही मिट्टी खोद जमीन में गाड़ दिया। यद्यपि पहले ही कड़े सुरक्षा प्रबंध थे और सैंकड़ों पुलिस वाले वहां मौजूद थे, किंतु बम धमाका होने पर कई पुलिस कर्मियों को पिस्तौलें निकालते देखा गया। मुख्यमंत्री के गिर्द सुरक्षा घेरा पहले से भी कड़ा कर दिया गया। मुख्यमंत्री के पीछे खड़े सुरक्षा कर्मियों में से एक की बांह पर भी पट्टी बंधी थी क्योंकि उसे भी बम का टुकड़ा लगा था।

अनेक नेताओं के कपड़ों पर खून के धब्बे

मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री के अलावा श्री दिलबाग सिंह एम. एल. ए. के कपड़ों पर भी खून के धब्बे देखे गए। शिक्षा मंत्री श्री अजनाला की तो पगड़ी पर भी खून के बारीक निशान थे। मुख्यमंत्री की जाकेट पर खून लगा था।

मुख्यमन्त्री द्वारा सहायता

श्री दरबारा सिंह और श्री अजनाला घायलों को देखने नवां शहर अस्पताल में आए। मुख्यमंत्री ने गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को पांच-पांच हजार रुपए और अन्य को दो-दो हजार रु. की तात्कालिक सहायता की घोषणा की।

घायलों में जहां एक दर्जन से अधिक पुलिस कर्मचारी हैं, वहां चार छोटे-छोटे बच्चे भी हैं। अस्पताल में एक साथ इतने घायलों के आ जाने से हंगामा-सा मचा था।

बम कांड की सूचना मिलते ही श्रम मंत्री चौधरी जगत राम, जालंधर रेंज के डी. आई. जी. पुलिस श्री अटवाल भी नवांशहर पहुंच गए।

मुख्यमंत्री ने दौरा बीच में छोड़ा

श्री दरबारा सिंह बम कांड से एक क्षण के लिए भी विचलित नहीं हुए। उन्होंने भाग रहे लोगों को शांत होने और आराम से बैठने को प्रेरित किया। बम फटने के बाद उन्होंने और श्री अजनाला बड़े जोश में भाषण किए। किन्तु जलसा समाप्त होने के बाद वह सीधे राहों रैस्ट हाऊस आ गए। वहीं उन्होंने खाना खाया हालांकि उनके खाने का प्रबंध राहों नगर के [illegible] श्री शाम लाल के मकान पर था। रैस्ट हाऊस से वह नवांशहर चले गए और वहीं से वापस चंडीगढ़ लौट गए। उन्होंने डुमेली गांव जाने का कार्यक्रम रद्द कर दिया।

राहों रैस्ट हाऊस में जब पंजाब केसरी के प्रतिनिधि ने मुख्यमंत्री से जलसे की घटना पर टिप्पणी करने को कहा तो उन्होंने कहा, "आपने सब कुछ तो देखा है।" पास खड़े पंजाब कांग्रेस (इ) के महामंत्री चौ. दर्शन सिंह ने कहा, "मुख्यमंत्री के जीवन से खेलने की धृष्टता की गई है।"

उल्लेखनीय है कि श्री दरबारा सिंह को पिछले कुछ समय से निरंतर धमकी भरे पत्र प्राप्त हो रहे हैं। पिछले ही महीने उनके पैतृक गांव जंडियाला में उनके मकान पर बम फैंका गया था। इससे पूर्व नरूड़ पांछटा में एक सिख युवक ने उन पर हमले की कोशिश की थी।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

राहों में मुख्यमन्त्री श्री दर

'उग्रवाद' पर विचार के लिए पंजाब मंत्रिमंडल की बैठक आज

चंडीगढ़, 20 अगस्त (एस. एस. परवाना) : कुछ देर की खामोशी के बाद पंजाब में फिर से उग्रवादियों की बढ़ रही गतिविधियों और विशेषरूप से आज राहों में मुख्यमंत्री दरबारा सिंह पर बम फैंक कर किए गए हमले से उत्पन्न स्थिति पर विचार करने के लिए कल 21 अगस्त को सायं पांच बजे पंजाब मंत्रिमंडल की एक अनौपचारिक बैठक बुलाई गई है।

हमारे विशेष प्रतिनिधि को पता चला है कि अकाली मोर्चे में आई तेजी के मामले पर भी मंत्रिमंडल की इस बैठक में विचार किया जाएगा।

कल अमृतसर में लगभग एक हजार अकाली कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी।

सरकार को इस बात पर हैरानी है कि कल एक हजार अकाली वर्करों ने कैसे और किन हालात में गिरफ्तारी दी। पता चला है कि श्री दरबारा सिंह सभी मंत्रियों की दोबारा एक सप्ताह के लिए पंजाब के देहाती क्षेत्रों का दौरा करने की ड्यूटी लगाने का इरादा रखते हैं। पहले 2 सप्ताह के दौरान मंत्रियों ने लगभग 400 देहातों का दौरा करके अकाली मोर्चा के बारे लोगों को सावधान किया। कल रात भी मंत्रिमंडल की बैठक में अकाली मोर्चा पर गौर किया गया। इस दौरान यह भी मालूम हुआ है कि पंजाब सरकार बीमार अकाली सत्याग्रहियों को रिहा कर देने के मामले पर गौर कर रही है। सरकार के सामने एक सुझाव यह भी पेश किया गया है कि गिरफ्तार उग्रवादियों को शेष कैदियों से दूर किसी दूसरी जेल में रखा जाए।

8वां अपहृत विमान

बम्बई, 20 अगस्त (यू.) : इंडियन एयर लाइन्ज के बोईंग 737, जिसका आज अपहरण किया गया, भारत का अपहरण किया जाने वाला 8वां विमान है।

अब तक इंडियन एयर लाइन्ज के 6 तथा एयर इंडिया के 2 विमान अपहरण की घटनाओं में संलिप्त हुए हैं।

इंडियन एयर लाइन्ज के विमानों के अपहरण का इतिहास 30 जनवरी, 1971 को शुरू हुआ जब दो सशस्त्र व्यक्ति एक फाकर फ्रैंडशिप विमान को श्रीनगर से अपहरण करके लाहौर ले गए। अपहर्त्ताओं ने सभी 30 यात्रियों तथा चालक दल को रिहा करने के बाद विमान को बमों से उड़ा दिया था।

1974 में एयर इंडिया के एक जम्बो जैट का रोम के ऊपर अपहरण कर लिया गया। दिल्ली और बम्बई के मध्य जोधपुर से जाने वाले विमान का अपहरण करके 10 सितम्बर, 1976 को लाहौर ले जाया गया था जबकि 20 दिसम्बर, 1978 को लखनऊ से दिल्ली जा रहे बोईंग 737 को दो व्यक्ति अपचालित करके वाराणसी ले गए थे। 29 सितम्बर, 1981 को अमृतसर के रास्ते दिल्ली व श्रीनगर के मध्य उड़ान करने वाले विमान का अपहरण करके उसे लाहौर ले जाया गया था।

एयर इंडिया के दूसरे विमान का अपहरण 26 नवम्बर, 1981 को किया गया जबकि यह सेशल्ज से डर्बन जा रहा था।

कमां[illegible] सिख[illegible]

राजा सांसी [illegible] दरबार[illegible]

लाहौर में न [illegible]

अमृतसर, 20 अ[illegible] हि.) : आज दोपहर [illegible] से बम्बई से दिल्ली ज[illegible] एयर लाईन्स के बोईंग [illegible] को अपहृत करने वाल[illegible] अमृतसर हवाई अड्[illegible] कमांडो दस्ते द्वारा [illegible] के लिए की गई कारंवा[illegible] चलने से मारा गया [illegible]

विमान और उस[illegible] सुरक्षित हैं और छुड़ा[illegible]

कमांडो दस्ते द्[illegible] अन्दर की गई कारंवाई [illegible] एयर होस्टेस विमान से [illegible] के प्रयास में रनवे पर [illegible] हो गई। साढ़े 6 घंटे [illegible] अपहरण कांड को खत्म[illegible] कमांडो दस्ते की इस[illegible]

3 घ[illegible]

नई दिल्ली, 20 अ[illegible] आज बाद दोपहर भा[illegible] 737 के अनुसार हवा[illegible] उतरने से पूर्व आकाश [illegible] के ड्रामे के दौरान [illegible] तथा रहस्य का वातावर[illegible]

बाद दोपहर 1 ब[illegible] के ऊपर विमान अपहर[illegible] मिलने पर दिल्ली हवा[illegible] कंट्रोल टावर ने खतरे [illegible] इसके बाद परस्पर विरो[illegible] के कारण स्थिति उल[illegible] रही तथा कोई नहीं ज[illegible] अभागा विमान, जिस[illegible] तथा 6 चालक वर्ग के स[illegible] है। सिर्फ विमान का [illegible]

बम फैंकने वालों को भेजने वालो, सामने आओ : दरबारा

जालन्धर, 20 अगस्त (महेंद्र खन्ना) : पंजाब के मुख्यमंत्री श्री दरबारा सिंह ने आज राहों बम-कांड पर टिप्पणी करते हुए [illegible] स्वर में कहा— "मैं ऐसी कायरतापूर्ण हरकतों से डरने वाला नहीं। जिन लोगों ने बम फैंकने वाले को भेजा है यदि उनमें कोई साहस है तो वे सामने आएं। मैं जानता हूं कि वह बुजदिल है, उनमें सामने आने का साहस ही नहीं है।"

श्री दरबारा सिंह ने, जो राहों स्कूल में अपने ऊपर बम फैंके जाने की घटना के तरंत बाद पत्र [illegible]

[illegible] विमान अपहरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि [illegible] की बात है कि विमान अपहर्ता अपनी मां-बहनों को उसी पाकिस्तान में ले जा पहुंचाते हैं जहां से हम 1947 में उनके सम्मान और इज्जत को बचा कर लाए थे।

पंजाब कांग्रेस (इ) के महामंत्री चौ. दर्शन सिंह ने कहा कि गुरु नानक [illegible]

निवास में छिपे लोगों के सिवा सारा पंजाब दरबारा सिंह के साथ है। बम फैंकने वालों का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि ऐसे बुजदिलों पर लानत है। उग्रवादियों द्वारा निर्दोष लोगों का खून बहाना एक कमीनी हरकत है और यह सिख कौम के माथे पर एक कलंक है। उन्होंने कहा कि स्वयं को सिखी का अलम्बरदार कहने वाले आज सिखी का अपमान कर रहे हैं। दरबारा सिंह पर जब तक परमात्मा का हाथ है, कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

मैं नरेंद्र बीबा का गाना सुनने गया था

जालंधर, 20 अगस्त (महेंद्र खन्ना): नवांशहर सिविल अस्पताल में एक छोटे से लड़के लखविन्द्र से, जिसके शरीर पर बम के टुकड़े लगने से गहरे घाव आए हैं, जब पूछा गया कि वह जलसा में क्या करने गया था, तो उसने बड़े भोले भाव से कहा "वहां नरेन्द्र बीबा आई हुई थी,

Punjabi Sanatani

या,

ल

से बरामद

शक्ल

नाजुक

खून के धब्बे देखे
अजनाला की तो
के बारीक निशान
जाकेट पर खून

रा सहायता

सिंह और श्री
को देखने नवां
आए । मुख्यमंत्री
यल व्यक्तियों को
ए और अन्य को
तात्कालिक सहा-
ी ।
हां एक दर्जन से
र्मचारी हैं, वहां
च्चे भी हैं। अस्पताल
घायलों के आ जाने
या था ।
सूचना मिलते ही
जगत राम, जालंधर
ई. जी. पुलिस
वांशहर पहुंच गए ।

रा बीच में छोड़ा

सिंह बम कांड से एक
विचलित नहीं हुए ।
लोगों को शांत होने
ठने को प्रेरित किया ।
बाद उन्होंने और श्री
ोश में भाषण किए ।
माप्त होने के बाद वह
रैस्ट हाऊस आ गए ।
ा खाया हालांकि उनके
ंध राहों नगर के
लाल के मकान पर
स से वह नवांशहर
वहीं से वापस चंडीगढ़
होंने डुमेली गांव जाने

राहों में मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह की सभा में उग्रवादियों द्वारा बम फेंके जाने से घायल हुए लोगों में से कुछ। इनमें बच्चे भी हैं और पुलिस के अधिकारी भी।

8वां अपहृत विमान

बम्बई, 20 अगस्त (यू.) : इंडियन एयर लाइन्ज के बोईंग 737, जिसका आज अपहरण किया गया, भारत का अपहरण किया जाने वाला 8वां विमान है ।

अब तक इंडियन एयर लाइन्ज के 6 तथा एयर इंडिया के 2 विमान अपहरण की घटनाओं में संलिप्त हुए हैं ।

इंडियन एयर लाइन्ज के विमानों के अपहरण का इतिहास 30 जनवरी, 1971 को शुरू हुआ जब दो सशस्त्र व्यक्ति एक फाकर फ्रैंडशिप विमान को श्रीनगर से अपहरण करके लाहौर ले गए । अपहर्त्ताओं ने सभी 30 यात्रियों तथा चालक दल को रिहा करने के बाद विमान को बमों से उड़ा दिया था ।

कमांडो ग्रुप ने विमान अपहर्ता सिख युवक को गोली मार दी

राजा सांसी हवाई अड्डे पर साढ़े 6 घंटे के नाटक का पटाक्षेप : सभी यात्री मुक्त

दरबारा की जगह बादल को मुख्यमंत्री बनाने की मांग

लाहौर में न उतरने दिए जाने पर विमान अमृतसर लाया गया, अपहर्ता लीबिया जाने का इच्छुक था

अमृतसर, 20 अगस्त (प्रै., यू., हि.) : आज दोपहर जोधपुर के पास से बम्बई से दिल्ली जा रहे इंडियन एयर लाईन्स के बोईंग-737 विमान को अपहृत करने वाली मुसीबत सिंह

दौरान दो अन्य यात्री भी घायल हो गए ।

नवीनतम सूचनाओं के अनुसार विमान अपहरणकर्त्ता अकेला ही था और वह उन तीन सिख यात्रियों में से

विमान को कमांडो ग्रुप ने घेर लिया। तभी विमान अपहरणकर्ता एक हाथ में रिवाल्वर तथा एक हाथ में बम लेकर विमान से बाहर आया और विमान में ईंधन भरे जाने, दरबार साहब के किसी अधिकारी को बुलाए

हो गई और अंदर सांस घुटने लगा तो यात्रियों ने खिड़कियां खोल दीं। कुछेक ने अदम्य साहस का परिचय दिया और विमान का पिछला दरवाजा खोल दिया।

उन्होंने बताया कि विमान अप-

उसे पेट की आग ने मारा !

चंडीगढ़, 20 अगस्त (टी. पी. एस.) : आज अमृतसर के राजासांसी हवाई अड्डे पर अपहृत विमान के अन्दर तक पहुंचने के लिए कमांडो दस्तों ने बहुत ही चुस्ती से काम लिया । अधिकृत सूत्रों के अनुसार विमान के अन्दर से अपहरणकर्त्ता मुसीबत सिंह ने संदेश भेजा कि उसके लिए और विमान यात्रियों के लिए दरबार साहिब से भोजन और पानी लाकर दिया जाए। इसके लिए उन्होंने शाम पांच बजे का टाइम दिया । अधिकारियों ने भोजन और पानी लाकर देने का वायदा किया। कमांडो दस्ते के सदस्य बैरों के रूप में भोजन के टोकरे और पानी के घड़े लेकर पहुंच गए और विमान के अन्दर संदेश भेज दिया कि सब सामान आ गया है। अपहर्ता ने जब विमान की

Punjabi Sanatani

राहों में मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह की सभा में उग्रवादियों द्वारा बम फैंके जाने से घायल हुए लोगों में से कुछ। इनमें बच्चे भी हैं और पुलिस के अधिकारी भी।

कमांडो ग्रुप ने विमान अपहर्ता सिख युवक को गोली मार दी

राजा सांसी हवाई अड्डे पर साढ़े 6 घंटे के नाटक का पटाक्षेप : सभी यात्री मुक्त

दरबारा की जगह बादल को मुख्यमंत्री बनाने की मांग

लाहौर में न उतरने दिए जाने पर विमान अमृतसर लाया गया, अपहर्ता लीबिया जाने का इच्छुक था

अमृतसर, 20 अगस्त (प्रै., यू., हि.) : आज दोपहर जोधपुर के पास से बम्बई से दिल्ली जा रहे इंडियन एयर लाईन्स के बोइंग-737 विमान को अपहृत करने वाली मुसीबत सिंह अमृतसर हवाई अड्डे पर सैनिक कमांडो दस्ते द्वारा विमान उड़ाने के लिए की गई कार्रवाई में गोलियां चलने से मारा गया।

विमान और उसके सभी यात्री सुरक्षित हैं और छुड़ा लिए गए हैं।

कमांडो दस्ते द्वारा विमान के अन्दर की गई कार्रवाई के दौरान एक एयर होस्टेस विमान से कूद कर निकलने के प्रयास में रनवे पर गिर कर घायल हो गई। साढ़े 6 घंटे के इस विमान अपहरण कांड को खत्म करने वाली कमांडो दस्ते की इस कार्रवाई के दौरान दो अन्य यात्री भी घायल हो गए।

नवीनतम सूचनाओं के अनुसार विमान अपहरणकर्ता अकेला ही था और वह उन तीन सिख यात्रियों में से एक था जो बम्बई से उदयपुर, जोधपुर जयपुर होते हुए दिल्ली जा रहे विमान के उदयपुर हवाई अड्डे पर कुछ देर के लिए रुकने पर वहां से विमान में चढ़े थे।

विमान को अपहरणकर्ता पहले लाहौर ले गए थे लेकिन वहां उतरने की अनुमति न मिलने पर विमान अमृतसर के राजासांसी हवाई अड्डे पर लाया गया। पहले की सूचनाओं में विमान अपहरणकर्ताओं की संख्या दो बताई गई थी।

राजासांसी हवाई अड्डे पर विमान को कमांडो ग्रुप ने घेर लिया। तभी विमान अपहरणकर्ता एक हाथ में रिवाल्वर तथा एक हाथ में बम लेकर विमान से बाहर आया और विमान में ईंधन भरे जाने, दरबार साहब के किसी अधिकारी को बुलाए जाने, दरबार साहब से 70 आदमियों के लिए लंगर (भोजन) मंगाए जाने को कहा। उसने पहले लीबिया और फिर दुबई जाने की बात कही।

इसी मध्य उसने एक बीमार महिला यात्री श्रीमती साठे तथा उसके अवयस्क बेटे को मुक्त कर दिया लेकिन अधिकारियों ने शर्त रखी कि जब तक सभी यात्रियों को मुक्त नहीं किया जाता तब तक विमान में ईंधन नहीं भरा जा सकता। इसी दौरान अपहरणकर्ता बातचीत समाप्त करके विमान में वापस लौट गया और विमान का दरवाजा बन्द कर लिया। तभी कमांडो दस्ते ने कार्रवाई की।

अमृतसर से हमारे विशेष प्रतिनिधि के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री बैंस ने आज यहां एक पत्रकार सम्मेलन में बताया कि विमान अपहरण का साढ़े तीन घंटे का नाटक समाप्त हो गया। उन्होंने कमांडो कार्रवाई का अधिक विवरण देते हुए बताया कि विमान में जब काफी गर्मी हो गई और अंदर सांस घुटने लगा तो यात्रियों ने खिड़कियां खोल दीं। कुछेक ने अदम्य साहस का परिचय दिया और विमान का पिछला दरवाजा खोल दिया।

उन्होंने बताया कि विमान अपहरणकर्ता विमान चालक के पास खड़ा रहा। इतनी देर में कमांडो ग्रुप और पुलिस के दो-दो जवान सफाई मजदूरों के वेश में विमान में घुस गए। विमान अपहर्ता ने जब देखा कि वह घिर गया है तो उसने फायर किए लेकिन गोली किसी को न लगी। इसी के साथ ही पुलिस ने, जिसने पहले ही विमान को घेर रखा था, अपना घेरा तंग करना शुरू कर दिया। इस पर अभियुक्त एकदम घबरा गया और गोली चलाने लगा लेकिन कमांडो दस्ते द्वारा किए गए फायर से वह गिर गया और तुरन्त मारा गया।

श्री बैंस ने बताया कि अभियुक्त से '32 बोर का रिवाल्वर, 5 कारतूस बरामद कारतूस, 3 चले हुए कारतूस बरामद हुए हैं। अभियुक्त सारा समय अपना नाम मुसीबत सिंह बताता रहा लेकिन समझा जाता है कि उसका नाम कमलजीत था और वह जिला अमृतसर का ही रहने वाला था। नियंत्रण कक्ष

(शेष पृष्ठ 6 पर)

3 घंटे का ड्रामा

नई दिल्ली, 20 अगस्त (प्रै.) : आज बाद दोपहर भारतीय बोइंग-737 के अनुसार हवाई अड्डे पर उतरने से पूर्व आकाश में हुए 3 घंटे के ड्रामे के दौरान दिल्ली, उलझन तथा रहस्य का वातावरण बना रहा।

बाद दोपहर 1 बजे जोधपुर के ऊपर विमान अपहरण की सूचना मिलने पर दिल्ली हवाई अड्डे के कंट्रोल टावर ने खतरे की सूचना दी। इसके बाद परस्पर विरोधी सूचनाओं के कारण स्थिति उलझावपूर्ण बनी रही तथा कोई नहीं जानता था कि अभागा विमान, जिसमें 69 यात्री तथा 6 चालक वर्ग के सदस्य हैं, कहां है। सिर्फ विमान का कैप्टन तथा अपहरणकर्ता ही जानते थे कि विमान किस ओर जा रहा है।

जब दिल्ली कंट्रोल टावर को संदेश मिला कि विमान पाकिस्तानी क्षेत्र पर उड़ रहा है तथा उसमें सिर्फ 30 मिनट का ईंधन बाकी है तो हर मिनट के बीतने के साथ तनाव बढ़ता गया तथा हर कोई यात्रियों के हश्र के बारे में सोच रहा था। ... लगा रहा है तथा उसमें 10 मिनट का ईंधन शेष है। इसके साथ ही अपहर्ता ने धमकी दे दी कि यदि 6 घंटे में उसकी मांगें नहीं मानी गईं तो वह हर घंटे के बाद एक यात्री को गोली से उड़ा देगा। कई मिनट तक विमान के बारे में कुछ पता न चला सिर्फ यह मालूम हुआ कि उसे लाहौर में उतरने की अनुमति दे दी गई है। कैप्टन ने भी कंट्रोल को बताया कि वह किसी भी क्षण लाहौर में उतर सकता है। 2.20 पर यह सूचना मिली कि विमान लाहौर में उतर गया है। परन्तु यह राहत भी अल्पकालिक थी क्योंकि थोड़ी देर के बाद सूचना मिली कि विमान भारतीय सीमा की ओर बढ़ रहा है। आखिर 2 बज कर 40 मिनट पर विमान अमृतसर में उतर गया।

मौसम

पुणे, 20 अगस्त : विगत 24 घंटों में पूर्वी राजस्थान में भारी वर्षा हुई और शेष उत्तरी राज्यों में हल्की सी छिटपुट वर्षा हुई। अगले 48

8वां अपहृत विमान

बम्बई, 20 अगस्त (यू.) : इंडियन एयर लाइन्ज के बोईंग 737, जिसका आज अपहरण किया गया, भारत का अपहरण किया जाने वाला 8वां विमान है।

अब तक इंडियन एयर लाइन्ज के 6 तथा एयर इंडिया के 2 विमान अपहरण की घटनाओं में संलिप्त हुए हैं।

इंडियन एयर लाइन्ज के विमानों के अपहरण का इतिहास 30 जनवरी, 1971 को शुरू हुआ जब दो सशस्त्र व्यक्ति एक फाकर फ्रैंडशिप विमान को श्रीनगर से अपहरण करके लाहौर ले गए। अपहर्ताओं ने सभी 30 यात्रियों तथा चालक दल को रिहा करने के बाद विमान को बमों से उड़ा दिया था।

1974 में एयर इंडिया के एक जम्बो जैट का रोम के ऊपर अपहरण कर लिया गया। दिल्ली और बम्बई के मध्य जोधपुर से जाने वाले विमान का अपहरण करके 10 सितम्बर, 1976 को लाहौर ले जाया गया था जबकि 20 दिसम्बर, 1978 को लखनऊ से दिल्ली जा रहे बोईंग 737 को दो व्यक्ति अपचालित करके वाराणसी ले गए थे। 29 सितम्बर, 1981 को अमृतसर के रास्ते दिल्ली व श्रीनगर के मध्य उड़ान करने वाले विमान का अपहरण करके उसे लाहौर ले जाया गया था।

एयर इंडिया के दूसरे विमान का अपहरण 26 नवम्बर, 1981 को किया गया जबकि वह सेशल्ज से डर्बन जा रहा था।

मैं नरेंद्र बीबा का गाना सुनने गया था

जालंधर, 20 अगस्त (महेंद्र खन्ना): नवांशहर सिविल अस्पताल में एक छोटे से लड़के लखबिन्द्र से, जिसके शरीर पर बम के टुकड़े लगने से गहरे घाव आए हैं, जब पूछा गया कि वह जलसा में क्या करने गया था, तो उसने बड़े भोले भाव से कहा "वहां नरेन्द्र बीबा आई हुई थी, उसका गाना सुनने गया था।" और साथ ही वह घाव की पीड़ा से रोने लगा।

51 अकाली गिरफ्तार

अमृतसर, 20 अगस्त (प्रै.) : अकाली मोर्चे के 17वें दिन आज यहां 51 अकालियों ने गिरफ्तारी दी।

विपक्षी एकता की सम्भावना नगण्य : चरण सिंह

लखनऊ, 20 अगस्त (यू. वा.): लोकदल अध्यक्ष चरण सिंह ने निकट भविष्य में विरोधी दलों के बीच एकता स्थापित होने की सम्भावना से इन्कार किया है।

पटना जाते हुए श्री चरण सिंह आज यहां हवाई अड्डे पर थोड़ी देर के लिए रुके और सम्वाददाताओं से बातचीत के दौरान स्पष्ट किया कि विरोधी दलों के एकीकरण की आशा नगण्य है।

समर्थन दिए जाने के समाचारों की ओर जब उनका ध्यान दिलाया गया तो उन्होंने इन्हें झूठा और भ्रामक बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा या किसी भी कोई भी राज्य में कांग्रेस (इ) सरकार को लोकदल द्वारा समर्थन दिए जाने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता।

लोकदल (कर्पूरी) के महासचिव श्री जार्ज फर्नांडीस ने कहा है कि उनकी पार्टी आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के आगामी विधान सभा चुनाव में

में भाग लेने वाली रुपिन्द्र भी सैमी-फाईनल में प्रवेश पा चुकी है ।

पुरुष युगल में देवेन्द्र ग्राहूजा व महेश सागर ने विजय प्राप्त कर सैमीफाईनल में प्रवेश किया ।

दरबारा सिंह पर हमला

(पृष्ठ 3 का शेष)

क्या बम चलाने वाला अकेला था ?

पुलिस सूत्रों के ग्रनुसार इस सम्भावना को रद्द नहीं किया जा सकता कि ब्म फैंकने वाले सिख नौजवान के स. ोई ग्रन्य भी हो।पुलिस हिरासत में लिए गए सिख युवक से पूछताछ कर रही है। उसे किसी ग्रज्ञात स्थान को ले जाया गया है।

बम कब फैंका

मुख्यमंत्री ने स्कूल की इमारत का उद्घाटन करने के लिए प्रात: 11 बजे पहुंचना था किंतु मूसलाधार वर्षा के कारण वह एक घंटा देरी से पहुंचे । मुख्यमंत्री के करीब सवा बारह बजे जलसा स्थल पर पहुंचने से पूर्व वर्षा थम चुकी थी । मुख्यमंत्री इलाका के कांग्रेसी कार्यकर्त्ताग्रों ग्रौर ग्रन्य प्रमुख नागरिकों से फूल मालायें स्वीकार करने के बाद स्कूल के उन कमरों में गए, जहां श्री गुरु ग्रंथ साहब ग्रौर श्री रामायण के पाठ रखे हुए थे । उन्होंने दोनों स्थानों पर माथा टेका । श्री रामायण के पाठ पर बैठे पंडित जी ने मुख्यमंत्री को तिलक लगाया । वहां से वह एक जलूस के रूप में जब मंच की ग्रोर बढ़ रहे थे तभी भीड़ में से युवक ने बम फैंका। धमाके की ग्रावाज बहुत भयानक न थी । शायद इस लिए कि जमीन बरसात की वजह से बहुत गीली थी।

घायल जालन्धर-चंडीगढ़ स्थानांतरित

ग्रतिरिक्त एस. पी. श्री बख्शी राम ग्रौर ग्रन्य चार घायल पुलिस कर्मियों को ग्राज रात नवांशहर से लाकर जालंधर सिविल ग्रस्पताल में दाखिल करा दिया गया । गंभीर रूप से घायल चार ग्रन्य व्यक्तियों को जिनमें श्री स्वर्णा राम ग्रौर श्री बाली भी शामिल हैं, पी. जी. ग्राई. चंडीगढ़ भेज दिया गया है ।

क्या बम तीन थे ?

यहां पुलिस क्षेत्रों में इस बात की चर्चा है कि बम दो नहीं तीन थे। दो देसी बम थे ग्रौर एक फौजी हथगोला था, इनमें से फटा सिर्फ एक ही।

पुलिस सूत्रों के अनुसार उसने बताया कि वह वीरवार की रात को ही राहों आ गया था और रात उसने राहों रेलवे फाटक के निकट एक मकान में बिताई । पुलिस ने तुरन्त उस मकान पर छापा मारा और वहां से एक नौजवान लडकी को हिरासत में ले लिया ।

दिलबाग सिंह का बयान

जालन्धर, (हि. स.) : इंका विधायक श्री दिलबाग सिंह, जो राहों में बम फटने के ग्रवसर पर मुख्यमन्त्री के साथ चल रहे थे, ने ग्राज यहां बताया कि ज्यों ही हथगोला उनकी ग्रोर ग्राया, मुख्यमन्त्री ने उसे ग्रपने हाथ से दूर फेंक दिया ग्रौर हम दोनों एक ग्रोर हो गए । बम फटा तो पीछे चलने वाले घायल हो गए ।

उन्होंने ग्रागे बताया कि मौके पर जिस युवक को गिरफ्तार किया गया है, उसने पूछताछ के दौरान बताया कि वह गत रात्रि राहों रेलवे स्टेशन के पास बहादुर सिंह नाम के एक व्यक्ति के कृषि फार्म पर ठहरा था । जब पुलिस उस फार्म पर गई तो वहां एक 40 वर्षीय स्त्री मिली जिस ने बताया कि वह इंका विधायक दिलबाग सिंह की भानजी है । पुलिस उसे मौके पर ले गई, वहां उस ने श्री दिलबाग सिंह के सामने भी यही बात कही लेकिन श्री दिलबाग सिंह ने कहा कि वे तो उसे जानते भी नहीं ग्रत: पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया ।

बम फैंकने वाले युवक की शिनाख्त हो गई है । उसका नाम दलबीर सिंह है, जो निरंकारी बाबा हत्या केस में मफरूर घोषित है । इससे पूर्व सूचनाग्रों में कहा गया था कि ग्रभियुक्त ने पुलिस के समक्ष ग्रपने कई नाम बदले ।

प्रै. ट्र. ने चंडीगढ़ से सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया है कि दलबीर सिंह लुधियाना जिला का रहने वाला है । वह कल रात बहादुर सिंह के पास ठहरा था जो मफरूर है ।

Punjabi Sangraha

दरबारा पर बम फैंकने वाला एक उग्रवादी मारा गया

तीसरा उग्रवादी बहादुर सिंह अभी फरार, बमकांड में घायल 6 की हालत गम्भीर

बंगा के पास पुलिस से मुठभेड़ : काफी देर तक गोलियां चलीं

चंडीगढ़, 21 अगस्त (प्रे.ट्र.)– कल राहों में एक समारोह के दौरान पंजाब के मुख्यमन्त्री दरबारा सिंह की हत्या के प्रयास में 4 बम फैंक कर 36 लोगों को घायल कर देने वाला फरार उग्रवादी गुरमीत सिंह आज तड़के बंगा के पास पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारा गया।

पंजाब पुलिस के महानिदेशक बीरबल नाथ ने बताया कि कल बम फैंकने वाले एक उग्रवादी गुरचरण सिंह उर्फ दलबीर सिंह को घटनास्थल पर ही पकड़ लिया गया था जबकि उसके दो साथी फरार हो गए थे। इन दो फरारों में से एक गुरमीत सिंह पुलिस मुठभेड़ में मारा गया लेकिन तीसरा अभियुक्त बहादुर सिंह अभी भी फरार है।

गुरमीत सिंह लुधियाना के ग्राम धूलकोट का रहने वाला था और कल बम विस्फोट के बाद हुई भगदड़ के दौरान ही बहादुर सिंह के साथ निकल भागा था। इस बम कांड में कुल 3 लोगों का हाथ बताया गया है।

पुलिस कल से ही गुरमीत सिंह और बहादुर सिंह की व्यापक तलाश कर रही थी।

समारोह में कुल चार हथगोले फैंके गए थे जिनसे 3 तो वहीं फट गए थे लेकिन एक हथगोला, जो मुख्यमंत्री की छाती से टकराया था, फट नहीं सका क्योंकि वह कपड़े में लिपटा हुआ था।

इस बमकांड में घायल जिन लोगों को पी. जी. आई. चंडीगढ़ में भरती कराया गया था उनमें से 6 की हालत गम्भीर है। 10 अन्य घायल जालन्धर के विभिन्न अस्पतालों में भरती हैं। 30 घायलों को अस्पतालों से छुट्टी मिल गई है।

प्रै. ट्र. के अनुसार दरबारा सिंह पर दो विस्फोटक पदार्थ व दो हथगोले फैंके गये थे।

घायलों में पंजाब के शिक्षामंत्री हरचरण सिंह अजनाला भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री जैसे ही राहों के नवनिर्मित कन्या हाई स्कूल के भवन का उद्घाटन करने के लिए समारोह में पहुंचे, वैसे ही उन पर बम फैंका गया था।

एन. एस. परवाना के अनुसार सरकार ने इस समाचार का खंडन किया है कि गिरफ्तार अभियुक्त का एक नाम दलबीर सिंह भी है और निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह की हत्या में भी शामिल है और उसे इश्तहारी मुलजिम करार दिया जा चुका है। सूत्रों ने कहा कि दलबीर सिंह अभी भी फरार है।

आज पुलिस मुठभेड़ में मारे गए गुरमीत सिंह के पिता का नाम जयमल सिंह है।

जालन्धर : हमारे विशेष प्रतिनिधि खन्ना के अनुसार गुरमीत सिंह के साथ पुलिस मुकाबला जालन्धर से 40 मील दूर बंगा-मकनपुर रोड पर तड़के चार बजे हुआ। पुलिस सूत्रों के अनुसार नवांशहर पुलिस थाना के एस. एच. ओ. दर्शन कुमार ने 5 अन्य पुलिस कर्मियों के साथ बंगा से 5 मील दूर

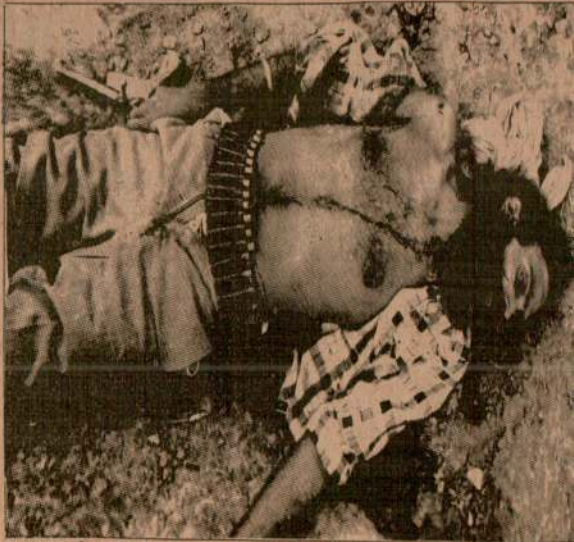

शुक्रवार को राहों में पंजाब के मुख्यमंत्री दरबारा सिंह पर बम फैंक कर उनकी हत्या का विफल प्रयास करने के बाद फरार उग्रवादी गुरमीत सिंह जो शनिवार को तड़के बंगा- मकनपुर रोड पर पुलिस के साथ हुए मुकाबले में मारा गया। (छाया : बी. पी. कपूर)

फारूक सोमवार शपथ लेंगे: कु
को छुट्टी होगी

श्रीनगर, 21 अगस्त (कौल): यह बात अब निश्चित है कि शेख अब्दुल्ला के बड़े लड़के डाक्टर फारूक अब्दुल्ला संसद सदस्य को सोमवार 23 अगस्त को दिन के 11 बजे मंत्री

Punjabi Sanatani

भिंडरां-समर्थकों की फिरोजपुर जेल से 13 मृत्युदंड प्राप्त कैदियों को भगाने की कोशिश

फिरोजपुर, 14 अक्तूबर (वा.): सैंट्रल जेल फिरोजपुर में भिंडरांवाला के अनुयायी अकाली सत्याग्रहियों द्वारा जेल के गोदाम और कैंटीन को आग लगाने की घटना के तीन दिन बाद अभी तक पुलिस अभियुक्तों को नामजद करने में असफल रही है।

नगर के पुलिस थाने में इस संबंध में दर्ज केस में कहा गया है कि पांच-छः अकालियों के नेतृत्व में भारी संख्या में अकालियों ने जेल की कैंटीन व राशन गोदाम को जला दिया। अस्पष्ट एफ. आई. आर. में कहा गया है कि कुछ खास सत्याग्रही जेल के महिला वार्ड में घुस गए और उन्होंने महिला कैदियों को आतंकित करना शुरू कर दिया।

संवाददाता को सुविज्ञ सूत्रों से पता चला है कि इस जेल में भिंडरांवाला के लगभग 800 अनुयायी कैद हैं और वे ही इस आगजनी और लूट में संलिप्त हैं। आग लगाने के दौरान वे भारी संख्या में वनस्पति घी के

काल कोठड़ियों के मुख्य द्वार का ताला तोड़ने की कुचेष्टा : राशन गोदाम से घी और चीनी लूट लिए : टोहरा के हरी झंडी दिखाने पर ही फायर ब्रिगेड जेल के अन्दर हो सका।

कनस्तर और चीनी उठा कर ले गए। हालात को बिगड़ते देख कर जेल अधिकारियों ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान श्री गुरचरण सिंह टोहरा से, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे उस समय अपनी कोठरी में सोए पड़े थे, हस्तक्षेप करने की प्रार्थना की। जब श्री टोहरा ने भिंडरांवाला के समर्थकों को शांत करना चाहा तो वे उनके विरुद्ध ही उठ खड़े हुए और राशन गोदाम और कैंटीन को लगी आग को बुझाने में मदद देने के टोहरा के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया। उन्होंने टोहरा के इस सुझाव को भी मानने से इन्कार कर दिया कि लूटा हुआ वनस्पति और चीनी जेल अधिकारियों को वापस कर दी जाए।

इसी मध्य भिंडरांवाला के समर्थकों ने 13 मृत्यु दंड प्राप्त कैदियों को, जो चक्कियों में बंद थे, काल कोठड़ी का मुख्य दरवाजा तोड़ कर उन्हें रिहा करने की कोशिश की लेकिन वे सफल न हो सके, क्योंकि तभी श्री टोहरा के हरी झंडी दिखाने पर फायर ब्रिगेड और पुलिस जेल में दाखिल हो गए और उन्हें कैदियों को रिहा करने के इरादों को छोड़ने पर विवश कर दिया।

तट रक्षक दल को 8 नए युद्धपोत मिलेंगे

नई दिल्ली, 14 अक्तूबर (हि.) सागर तट रक्षक दल के बेड़े में अगले वर्ष आठ नये युद्धपोत शामिल कर दिये जायेंगे जिससे तट रक्षक दल के बेड़े में कुल 23 युद्ध-पोत हो जाएंगे।

...व से कई गुणा ...राजनारायण

उन्होंने कहा कि वास्तविकता तो यह है कि विधायकों को भेड़-बकरियों की तरह खरीदा और बेचा जाता है जिसका ज्वलन्त उदाहरण हरियाणा है।

राजीव के इशारे पर हत्याएं

उन्होंने आरोप लगाया कि श्रीमती इंदिरा गांधी तथा श्री राजीव गांधी आतंक की राजनीति खेल रहे हैं। जहां श्रीमती गांधी अपनी बहू को कुचलने

अकालियों द्वारा ... दरबारा का पु...

अमृतसर, 14 अक्तूबर (प्रै.): आज एक हजार के लगभग अकाली सत्याग्रहियों ने अमृतसर-अजनाला सड़क पर ट्रैफिक रोक दिया जिससे सैंट्रल जेल के इलाके में तनाव पैदा हो गया है। ये इस बात के विरुद्ध प्रोटेस्ट कर रहे थे कि आज उन्हें घटिया भोजन दिया गया।

उन्होंने मुख्यमंत्री श्री दरबारा

Punjabi Sanatani

कपूरथला जेल में भिंडरां समर्थकों के हमले से 26 पुलिस कर्मी घायल

पुलिस ने आंसूगैस छोड़ी, लाठीचार्ज किया : फायरिंग की पुष्टि नहीं : अनेक स्थानों पर रिहाइयों का प्रतिरोध किंतु फिर भी तीन हजार अकाली कैदी जेलों से बाहिर आ गए : लौंगोवाल की मोर्चा जारी रखने की घोषणा : गिरफ्तारियां न होने पर जिलाधीशों के कार्यालयों के घेराव की धमकी

चंडीगढ़, 16 अक्तूबर (प्रै. यू.; वि. प्र.) : पंजाब की विभिन्न जेलों में आज अकाली कैदियों ने रिहाई आदेश जारी होने के बावजूद जेलें छोड़ने से इन्कार कर दिया। अकालियों के इस रवैये के कारण कपूरथला, लुधियाना जेलों में व्यापक गड़बड़ हुई जबकि फिरोजपुर, फरीदकोट, जालंधर की जेलों में स्थिति तनावपूर्ण रही।

कपूरथला (र.) सब जेल में आज तड़के अकाली कैदियों को रिहा करते समय जबरदस्त गड़बड़ हो गई जबकि अकाली कैदियों ने, जिनमें अधिक संख्या जरनैल सिंह भिंडरांवाले के चेलों की है, पुलिस पर ईंटें बरसाईं तथा तम्बुओं के बांसों के आगे लगे सुओं से पुलिस पर हमला कर दिया। उन्होंने कुछ पुलिस वालों को घेरे में लेकर घायल कर दिया। पुलिस पार्टी ने आंसू गैस छोड़ी तथा लाठीचार्ज करके अपने आदमियों को छुड़ाया परन्तु पुलिस इंस्पैक्टर पूर्ण सिंह अकाली कैदियों के कब्जे में रहा तथा दो घंटे के बाद बेहोशी की हालत में उसे छोड़ा गया। उसे सिविल अस्पताल में दाखिल कराया गया जहां उसकी हालत गम्भीर है। इसके अलावा एक हैड कांस्टेबल लाल सिंह की हालत भी नाजुक बताई जाती है। इस समय आठ पुलिस कर्मचारी तथा दो अकाली घायलावस्था में अस्पताल में हैं।

पुलिस ने धारा 149, 148, 307/34 के अन्तर्गत मुकद्दमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त सूचना के अनुसार पुलिस ने पंजाब सरकार के आदेश के अनुसार पहले सुखजीत आश्रम (बैगर्स होम) से 334 अकाली कैदियों को रिहा कर दिया। बाद में पुलिस सब जेल गई जहां 511 कैदियों को रिहा होने को कहा गया तो उन्होंने गड़बड़ कर दी।

एस. एस. पी. श्री चालिया ने बताया कि अकाली कैदियों ने रात को रिहाई की खबरें सुनने के बाद ही गड़बड़ की पूरी तैयारी कर ली तथा तड़के पुलिस पर हमला कर दिया। इससे डी. एस. पी. श्री मुख्तारसिंह, इंस्पैक्टर पूर्ण सिंह समेत 26 पुलिस कर्मी घायल हुए हैं। कुछ अकालियों ने पुलिस पर फायरिंग तथा जिलाधीश श्री वी. एन. ओझा ने जेल में लाठीचार्ज व हवाई फायरिंग का खण्डन किया तथा कहा कि सिर्फ आंसू गैस छोड़ी गई।

कपूरथला अस्पताल में हैड कांस्टेबल हरि सिंह, कांस्टेबल बलबीर सिंह तथा दलबीर सिंह भी दाखिल हैं। इसके अलावा सी. आर. पी. के लांस नायक बलदेव सिंह, कांस्टेबल रामधन तथा लीलाधर भी जख्मी हालत में दाखिल हैं। सी. आर. पी. वालों के अनुसार सब जेल में जाने से पहले उनसे सारे हथियार ले लिए गए थे।

जिलाधीश श्री ओझा ने बताया कि बैगर्स होम से 334 तथा सब जेल से 511 अकाली कैदी रिहा कर दिए करने का भी आरोप लगाया लेकिन इस आरोप की पुष्टि नहीं हो सकी।

बताया जाता है कि अकालियों ने गड़बड़ के दौरान दरवाजे तोड़ने तथा पोलट्री फार्म के सामान की तोड़-फोड़ की। एस. एस. पी. श्री चालिया गए हैं तथा हालात काबू में हैं।

अपुष्ट समाचारों के अनुसार हवाई फायरिंग भी की गई। अकाली कैदियों द्वारा ईंटें चलाए जाने तथा तम्बुओं के डंडों से हमला किए जाने से 26 पुलिस कर्मचारी घायल हुए जिनमें एक डी. एस. पी., एक इंस्पैक्टर तथा सी. आर. पी. के कुछ कर्मचारी भी शामिल हैं। दो अकाली नेता भी अस्पताल में दाखिल हैं।

सरकारी प्रवक्ता का बयान

'परवाना' के अनुसार एक सरकारी प्रवक्ता ने चंडीगढ़ में बताया कि पंजाब सरकार के अकाली कैदियों की रियाई के फैसले के बाद उन्होंने 5 जेलें--होशियारपुर में एक तथा गुरदासपुर व कपूरथला में 2-2— खाली कर दी हैं। इन कैदियों को जब उनकी रिहाई के बारे में सूचित किया गया तो वे वहां से चले गए। कपूरथला में जेल से बाहर आने के बाद आंदोलनकारी जेल के बाहर ड्यूटी पर तैनात पुलिस से झगड़ पड़े तथा पुलिस पर ईंटें फैंकीं जिससे 8 पुलिस कर्मी घायल हुए। एक पुलिस इंस्पैक्टर की हालत गम्भीर है जबकि एक हैड कांस्टेबल के दोनों बाजू टूट गए। प्रवक्ता ने दावा किया कि पुलिस ने इस भिड़ंत में कोई आग्नेय हथियार इस्तेमाल नहीं किया जबकि आंदोलनकारियों ने हर तरह से हिंसा की।

छोटी जेलों से निकाले गए

सूचनाओं के अनुसार छोटी जेलों से तो प्रतिरोध करने वाले अकाली कैदियों को जबरदस्ती बाहर निकाल दिया गया लेकिन लुधियाना, फिरोजपुर व पटियाला की बड़ी जेलों में वे पूर्ववत: डटे हुए हैं। तथापि जेल अधिकारी, जिन्होंने कल रात प्रधान मंत्री की सलाह पर मुख्यमंत्री दरबारा सिंह द्वारा कैदियों को निकालने की हरी झंडी दिए जाने पर आज प्रात: अकाली कैदियों को निकालने की कार्रवाई शुरू की थी, आश्वस्त हैं कि वे आज रात गए तक अकालियों को निकाले जाने की कार्रवाई पूरी कर लेंगे।

गुरदासपुर जेल में पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। होशियारपुर मोगा, गुरदासपुर तथा बटाला (दोनों अस्थाई जेलें) की जेलें अकालियों से खाली करा ली गई हैं।

इसी बीच अकाली दल के प्रधान संत लौंगोवाल ने घोषणा की है कि अकाली मोर्चा मांगें स्वीकार किए जाने तक जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली की चाल बिल्ली "जैसी" है। अब कोई बातचीत नहीं होगी तथा किसी "बिचौले" की भी कोई जरूरत नहीं है। 'हम विजय की ओर बढ़ रहे हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि कल आधी रात को पुलिस ने कपूरथला जेल में अकाली कैदियों पर फायरिंग की।

इसी दौरान आज अमृतसर में हरचंद सिंह लौंगोवाल, उग्रवादी सिख नेता जरनैल सिंह भिंडरांवाला तथा जगदेव सिंह तलवंडी के मध्य 90 मिनट तक बन्द कमरे में बातचीत हुई जिसमें गिरफ्तारियां देने वाले अकालियों को यह निर्देश देने का फैसला किया गया है कि यदि उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाता और जेल में नहीं रखा जाता तो वे जिलाधीश के कार्यालय व निवास स्थान का घेराव करें। आज शुरू किया गया 'अखंड' मोर्चा तीन दिन तक जारी रहेगा।

उदारवादियों की मदद

पता चला है कि केंद्रीय सरकार का यह विचार बना है कि अकालियों में उदारवादी तत्वों की सहायता के लिए यह उपयुक्त समय है क्योंकि यह तत्व बातचीत द्वारा समस्या हल करने के पक्ष में हैं लेकिन उग्रवादियों के प्रभुत्व के कारण वे इस दिशा में कोई पग उठाने में असमर्थ हैं।

जो मध्यस्थ अकालियों और प्रधानमंत्री के मध्य बातचीत पुन: शुरू कराने के लिए कोशिश कर रहे हैं, उन्होंने केंद्रीय सरकार को बताया है कि यदि वह स्थिति को सामान्य बनाने के लिए पहल नहीं करती तो निकट भविष्य में बातचीत होने की कोई आशा नहीं है।

अमृतसर (सोनी). अकाली मोर्चे के डिक्टेटर हरचंद सिंह लौंगोवाल ने आज पत्रकार सम्मेलन में कहा कि अकाली मोर्चा के संबंध में गिरफ्तार किए गए सत्याग्रहियों की रिहाई पर अपने तौर पर आदेश देना कांग्रेस सरकार की पहली हार है अकाली दल की तरफ से मोर्चा जारी रहेगा तथा गिरफ्तारियों के लिए जत्थे जाते रहेंगे। यदि सरकार गिरफ्तारियां नहीं करती तो हम इसके बारे में भी सोचेंगे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली की बिल्ली जैसी चाल से सिख कौम अपने निशाने से पीछे नहीं हटेगी तथा चार अगस्त को जिन मांगों को लेकर मोर्चा शुरू किया गया था, उसके संबंध में हमारा स्टैंड अभी तक नहीं बदला है। उन्होंने कहा कि सत्याग्रहियों को रिहा न होने का आदेश दिया गया है क्योंकि "धर्म युद्ध" चल रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार अपनी हार को महसूस कर रही है। सरकार जितने ओछे हथियार इस्तेमाल करेगी, हम अपने मजबूत धैर्य का हथियार इस्तेमाल करेंगे। हम शांतिपूर्ण रहेंगे। यदि सरकार गोलियां चलाएगी, तब भी हम उत्तेजित नहीं होंगे। यदि सरकार सफेद कपड़ों में पुलिस वालों को भेज कर दुकानें लुटवाएगी तो हम दुकानों पर पहरा देंगे। हमारी टक्कर सरकार के साथ है।

बातचीत खत्म

उन्होंने कहा कि सरकार के साथ बातचीत का दौर खत्म हो चुका है। अब तो सरकार मांगें मानने की घोषणा करे। उन्होंने मुख्यमंत्री पर "बेईमानी" का आरोप लगाया तथा कहा कि उन्होंने पंजाब में हिन्दू-सिखों को लड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यदि पंजाब में राष्ट्रपति राज लागू हुआ तो हम इसका स्वागत करेंगे। दरबारा सिंह सरकार खत्म होना हमारी सफलता होगी। पंजाब में हिन्दू-सिख-मुसलमान व

(शेष पृष्ठ 8 पर)

जगजीतसिंह व उनके 2 साथियों पर लंदन में मुकद्दमा चलेगा

लन्दन, 16 अक्तूबर (हि.टा.): गत 28 जुलाई को इंडिया हाऊस के समक्ष भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को जलाने के आरोप में खालिस्तान आंदोलन के तीन नेताओं डा. जगजीत सिंह (तथाकथित खालिस्तान के स्वयंभू राष्ट्रपति), साधु सिंह ढिल्लों (गुरुद्वारा मेडिन हैड के अध्यक्ष) तथा जोगेन्द्र सिंह बल को आगामी मंगलवार को स्थानीय बो स्ट्रीट के मैजिस्ट्रेट के न्यायालय में पेश किया जाएगा। इन तीनों पर ही भारतीय उच्चायोग के समक्ष प्रदर्शन व भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को जला कर सार्वजनिक शांति भंग करने का आरोप लगाया गया है।

अकालियों ने जेल के 'वाच टावर' पर निशान साहिब लहरा दिया

लुधियाना, 16 अक्तूबर (यू.): बताया जाता है कि यहां सैंट्रल जेल में रखे अकाली दल के 2000 स्वयं सेवकों ने जेल पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया है। बताया जाता है कि भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल के नेतृत्व में अकालियों ने गार्द की और जेल की रसोई में ड्यूटियां संभाल ली हैं।

रिहाई आदेश प्राप्त होने के बाद जेल छोड़ने से इन्कार करते हुए अकाली दल के कार्यकर्त्ताओं ने प्रवेश-द्वार पर अपना आदमी बिठा दिया है, वह जेल के अन्दर आने वालों और बाहर जाने वालों के हाथों पर मुहर लगा देता है।

अकाली कार्यकर्त्ताओं की रिहाई हो जाने के दृष्टिगत जेल अधिकारियों ने उन्हें खाना देने से इन्कार कर दिया था, इस पर अकालियों ने खाद्य भंडार भी अपने कब्जे में ले लिया, यद्यपि सत्याग्रहियों ने अकाली दल लुधियाना द्वारा दोपहर को भेजा लंगर खाया।

जेल के प्रांगण में खड़े पुलिस कर्मचारी और जेल स्टाफ अकाली दल के कार्यकर्त्ताओं की गतिविधियों में कोई हस्तक्षप नहीं कर रहा। डगरी कैम्प जेल में रखे अकाली दल के 400 कार्यकर्त्ताओं ने और सैंट्रल में रखे गये 100 पुरुषों और 450 महिला सत्याग्रहियों ने कैम्प से बाहर जाने से इन्कार कर दिया है।

भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल, जो यहां नई माडल जेल में बंद हैं, ने सरकार द्वारा सारे अकालियों को जेलों से रिहा करने की घोषणा के बाद लुधियाना जेल से न निकलने की घोषणा की। आज जिलाधिकारी जेल में गए और सरकारी निर्णय से उन्हें अवगत किया। इससे पूर्व जेल में श्री गुरु ग्रंथ साहिब के पाठ का भोग डाला गया। इस अवसर पर कैदियों के समक्ष भाषण देते हुए श्री बादल ने कहा कि जब तक सरकार हमारी मांगें नहीं मानती, हम जेलो से बाहर न जायेंगे।

श्री बादल ने एक बयान में कहा है कि यदि सरकार ने हिंसा करके अकालियों को बाहर निकालने का प्रयत्न किया तो इससे उत्पन्न होने

दरबारा का सेठी से निरंतर सम्पर्क : साथी मंत्रियों से मशविरे

चंडीगढ़, 16 अक्तूबर (वि. प्र.) : अकाली सत्याग्रहियों की ओर से जेलों से रिहा होने से इंकार करने से उत्पन्न स्थिति पर विचार करने के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री श्री दरबारा सिंह आज यहां अपने साथी मंत्रियों और कांग्रेस (इ) के नेताओं से सारा दिन विचार-विमर्श करते रहे।

बलात कब्जा कर लेने की कार्रवाई का कड़ा नोटिस लिया है। सरकारी सूचनाओं के अनुसार अकाली सत्याग्रहियों ने इस जेल के मुख्य द्वार पर अपने वार्डन खड़े कर दिए हैं।

इस बात की पूर्ण सम्भावना है कि सरकार रात के समय अतिरिक्त फोर्स लाकर फिरोजपुर, फरीदकोट,

चलते-चलते

सरहिंद-पटियाला के मध्य गत दिन नरवाना नहर मे…

बस के 55 य…

चंडीगढ़, 16 अक्तूबर (यू.प्रै., भू.): कल पटियाला के निकट भाखड़ा नहर की नरवाना ब्रांच में यात्रियों से भरी जो बस गिर गई थी, उसे आज भारी क्रेनों की सहायता से बाहर निकाल लिया गया। अब तक 55 लाशें बरामद हो चुकी हैं। मृतकों की कुल संख्या

तेज होने के कार… की तलाश मे… भाखड़ा-ब्यास … पानी की सप्लाई… पानी घटने पर … बरामद करने … सकेगा।

रामराज्य में … रिश्वतखोरी…

नई दिल्ली, 16 … (यू.वा.): क्या 'राम… रिश्वतखोरी थी ?

आज राज्यसभा… विधेयक पर बहस के … बहस उस समय छि… लोकदल (च) के … नरेश कुशवाहा ने … हनुमान जी को भी … से मिलने के लिए … रिश्वत देनी पड़ी थी… कहा कि जब पवनसु… जी के पास पहुंचे तो … करीब-करीब नदार… राम उन्हें पहचान …

जनता पार्टी के … झा ने बीच में टो… "क्या रामराज्य में … था।"

कुशवाहा–जा… उपाध्यक्ष ने … क्यों रामराज्य चा…

प्रापर्टी … गुप्त स…

जालन्धर, 16 … कुछ दिनों में आयक… जालन्धर के चार प्र… कारोबारी तथा आव… मारे गए कई छापे… करोड़ रुपए से अधि… गुप्त सम्पत्ति से सं… दस्तावेज जब्त … अधिकारियों ने 1… किए हैं।

आयकर विभा… आयुक्त, श्री वी. पी. … एक ही समय पर म… दौरान उस अचल … चला जोकि इन डी… या बेनामी नाम पर …

आज यहां प्र… विज्ञप्ति में श्री भगत… डीलरों में से एक डी… जालन्धर तथा इसके … में भूमि के कई प्ल… जोकि आयकर या …

अकालियों का जेलें छोड़ने से इंकार

(पृष्ठ ? का शेष)

इसाई भाई-भाई हैं ।

रिहाई का प्रतिरोध

उन्होंने कहा कि अकाली सत्याग्रहियों को उनकी जेलों से रिहाई का प्रतिरोध करने के लिए कहा गया है । उन्होंने कहा कि जिन कैदियों को जेलों में स्थान नहीं मिला और रिहा किया जा रहा है, उन्हें राज्य में डिप्टी कमिश्नरों तथा जिलाधीशों के कार्यालयों का घेराव करने का निर्देश दिया गया है ।

पीछे नहीं हटेंगे

उन्होंने कहा कि हम अपना लक्ष्य प्राप्त किए बगैर पीछे नहीं हटेंगे । निश्चय ही हम जीत की ओर बढ़ रहे हैं । उन्होंने हिन्दुओं व सिखों को शांतिपूर्ण रहने की अपील की ।

कोलीशन नहीं

उन्होंने कांग्रेस (इ) के साथ कोलीशन सरकार बनाए जाने की सम्भावना को रद्द कर दिया तथा कहा कि अकाली दल लोगों के फतवे से सत्ता में आएगा ।

मोगा : (यू. बी.) : फरीदकोट जिला पुलिस ने स्थानीय उप जेल से 95 अकाली बंदियों को आज बलपूर्वक निकाल दिया । उक्त अकाली अमृतसर में गिरफ्तारियां देने के बाद यहां लाए गए थे ।

जिला पुलिस प्रमुख एस. बी. सिह के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने 20 मिनट में उप जेल खाली करा ली ।

अकाली सत्याग्रहियों को जब बलपूर्वक उप जेल से निकाला जाने लगा तो उन्होंने पथराव शुरू कर दिया लेकिन विशाल संख्या में एकत्रित पुलिस वालों ने अकालियों को ट्रकों में भरा और लुधियाना की सीमा पर छोड़ आए ।

फिरोजपुर (बागी) : भिंडरांवाला के सशस्त्र समर्थकों ने फिरोजपुर सैंट्रल जेल की ड्योढ़ी के मुख्य द्वार पर कब्जा किया हुआ है ताकि कोई भी अकाली रिहाई के आदेश के बावजूद जेल से बाहिर नहीं आ सके ।

सरकारी अधिकारियों को फिरोजपुर जेल में मुख्य समस्या का सामना है जहां संत लौंगोवाल द्वारा कैदियों को जेलों से न निकलने का आदेश दिए जाने के बाद शिरोमणि कमेटी के प्रधान श्री गुरचरण सिह टोहरा प्रतिरोध का नेतृत्व कर रहे हैं । तथापि चार अकाली कैदी प्रात: ही जेल से चले गए ।

Punjabi Sanatani

से सत्ता में आएगा।

मोगा : (यू. वा.) : फरीदकोट जिला पुलिस ने स्थानीय उप जेल से 95 अकाली बंदियों को आज बलपूर्वक निकाल दिया। उक्त अकाली अमृतसर में गिरफ्तारियां देने के बाद, यहां लाए गए थे।

जिला पुलिस प्रमुख एस. बी. सिंह के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने 20 मिनट में उप जेल खाली करा ली।

अकाली सत्याग्रहियों को जब बलपूर्वक उप जेल से निकाला जाने लगा तो उन्होंने पथराव शुरू कर दिया लेकिन विशाल संख्या में एकत्रित पुलिस वालों ने अकालियों को ट्रकों में भरा और लुधियाना की सीमा पर छोड़ आए।

फिरोजपुर (वार्ता) : भिंडरांवाला के सशस्त्र समर्थकों ने फिरोजपुर सैंट्रल जेल की ड्योढ़ी के मुख्य द्वार पर कब्जा किया हुआ है ताकि कोई भी अकाली रिहाई के आदेश के बावजूद जेल से बाहिर नहीं आ सके।

सरकारी अधिकारियों को फिरोजपुर जेल में मुख्य समस्या का सामना है वहां संत लौंगोवाल द्वारा कैदियों को जेलों से न निकलने का आदेश दिए जाने के बाद शिरोमणि कमेटी के प्रधान श्री गुरचरण सिंह टोहरा प्रतिरोध का नेतृत्व कर रहे हैं। तथापि चार अकाली कैदी प्रातः ही जेल से चले गए।

इसी तरह की स्थिति फरीदकोट जेल में है जहां भूतपूर्व मंत्री सुखजिन्द्र सिंह के नेतृत्व में कैदियों ने जेल अधिकारियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद जेल से निकलने से इन्कार कर दिया है।

अकालियों को जेलों से निकालने की कारवाई का ब्योरा गुप्त रखा जा रहा है। पटियाला से सूचनाओं का अभी इन्तजार है, जहां सबसे अधिक कैदी बहादुरगढ़ किले में रखे गए हैं। संगरूर में 2500 कैदियों ने रिहा होने से इन्कार कर दिया।

आज शाम तक छोटी-छोटी जेलों से 3 हजार बंदियों को निकाल दिया गया। पटियाला, फिरोजपुर, लुधियाना, अमृतसर और जालन्धर में अधिकांश बंदियों ने जेल छोड़ने से इन्कार कर दिया है।

जेल अधिकारियों को विश्वास है कि वे आज देर रात तक अकाली बंदियों को जेल से निकाल कर बाहर कर देंगे।

टोहरा

श्र. टोहरा ने घोषणा की कि मार्च के अन्त तक 10000 सत्याग्रही गिरफ्तारियां देकर गिरफ्तार अकालियों की संख्या 40 हजार तक पहुंचा देंगे। उन्होंने कहा कि अकाली मोर्चा शीघ्र ही नया मोड़ लेगा, परन्तु उन्होंने "नया मोड़" बारे विस्तारपूर्वक बताने से इन्कार कर दिया।

इसी दौरान संत लौंगोवाल ने

Punjabi Sanatani

कमेटी के प्रधान श्री गुरचरण सिंह टोहरा प्रतिरोध का नेतृत्व कर रहे हैं। तथापि चार अकाली कैदी प्रातः ही जेल से चले गए।

इसी तरह की स्थिति फरीदकोट जेल में है जहां भूतपूर्व मंत्री सुखजिन्द्र सिंह के नेतृत्व में कैदियों ने जेल अधिकारियों के बार-बार अनुरोध के बावजूद जेल से निकलने से इन्कार कर दिया है।

अकालियों को जेलों से निकालने की कार्रवाई का ब्योरा गुप्त रखा जा रहा है। पटियाला से सूचनाओं का अभी इन्तजार है, जहां सबसे अधिक कैदी बहादुरगढ़ किले में रखे गए हैं। संगरूर में 2500 कैदियों ने रिहा होने से इन्कार कर दिया।

आज शाम तक छोटी-छोटी जेलों से 3 हजार बंदियों को निकाल दिया गया। पटियाला, फिरोजपुर, लुधियाना, अमृतसर और जालन्धर में अधिकांश बंदियों ने जेल छोड़ने से इन्कार कर दिया है।

जेल अधिकारियों को विश्वास है कि वे आज देर रात तक अकाली बंदियों को जेल से निकाल कर बाहर कर देंगे।

टोहरा

ज. टोहरा ने घोषणा की कि मार्च के अन्त तक 10000 सत्याग्रही गिरफ्तारियां देकर गिरफ्तार अकालियों की संख्या 40 हजार तक पहुंचा देंगे। उन्होंने कहा कि अकाली मोर्चा शीघ्र ही नया मोड़ लेगा, परन्तु उन्होंने "नया मोड़" बारे विस्तारपूर्वक बताने से इन्कार कर दिया।

इसी दौरान संत लौंगोवाल ने वर्तमान स्थिति पर उनके विचार जानने के लिए भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल तथा शिरोमणि कमेटी के प्रधान श्री गुरचरण सिंह टोहरा के पास अपने दूत भेजे हैं, जोकि इस समय क्रमशः लुधियाना तथा फिरोजपुर जेलों में हैं।

अकाली कैदियों ने जेल से इंधन लूटा

पटियाला, 16 अक्तूबर (यू): यहां जिला जेल में अकाली कैदियों ने बाधायें खड़ी कर दी हैं ताकि अधिकारियों के उन्हें जेल से बाहर करने के प्रयास में सफल न हो सकें। अकाली कैदियों ने जेल की रसोई में पड़ा इंधन का स्टाक लूट लिया है।

अकालियों व निहंगों में सीधा संघर्ष

अमृतसर, 18 अक्तूबर (यू.प्रै.): आज यहां स्वर्ण मंदिर के प्रबन्धकों तथा उग्रवादियों के मध्य चल रहा आंतरिक टकराव उस समय उभर कर सामने आ गया, जब दुकानें लूट कर, आगजनी करके और पथराव करने के बाद शरण लेने के लिए स्वर्ण मंदिर में घुसने का प्रयास करने वाले निहंगों तथा उग्रवादी अकालियों को दरबार साहब परिसर में न घुसने दिया।

इसके फलस्वरूप उग्रवादियों तथा परिसर के अन्दर के सेवादारों, उदार पंथी अकालियों के मध्य भी संघर्ष छिड़ गया और दोनों तरफ से पथराव हुआ। यह स्थिति रात देर तक जारी रही।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के एक प्रवक्ता ने कहा कि उपद्रवी तत्व गुरुद्वारा में घुसने का प्रयास कर रहे हैं।

अकाली दल के महासचिव बलवंत सिंह रामूवालिया ने पंजाब के मुख्य सचिव को आश्वासन दिया कि उपद्रवियों व उग्रवादी तत्वों को स्वर्ण मंदिर परिसर में न घुसने दिया जाएगा।

लौंगोवाल व भिंडरांवाला की एक संयुक्त अपील दरबार साहब परिसर के सूचना केन्द्र में लगे लाउडस्पीकरों से एनाउंस की जा रही है जिसमें लोगों से समाज विरोधी तत्वों से अलग रहने को कहा गया है।

उग्रवादियों द्वारा अमृतसर में हिंसा, लूट, पुलिस द्वारा फायरिंग, एक मरा

किरपानों की दुकान लुटी, शहर के अधिकांश बाजार बन्द, उग्रवादियों ने बस का अपहरण किया दमकल वालों पर पथराव

बसें, एस.पी. की कार, जीप फूंकी गई, बी.एस.एफ. तैनात, नगर में आतंक

उपायुक्त की कोठी, कार्यालय पर धरना, इंदिरा का पत्र पाने से इन्कार, अकाली जेलें छोड़ने लगे : लौंगोवाल मुकर गए

अमृतसर, 18 अक्तूबर (यू. वि. प्र. प्रै. हि.): आज अपरान्ह यहां स्वर्ण मंदिर परिसर में लूटपाट, तोड़फोड़ करने वाले तथा पंजाब रोडवेज की दो बसों, पुलिस की एक जीप तथा एस.पी. (हैड-क्वार्टर्स) जे.पी. विरदी तथा उपायुक्त की कार को आग लगाकर नष्ट कर देने वाले निहंगों तथा उग्रवादी अकालियों की उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज तथा अश्रुगैस का उपयोग विफल रहने पर फायरिंग की। फायरिंग से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए।

प्रशासन ने बी. एस. एफ. को बुला कर सुरक्षा व्यवस्था का कार्य भार उसे सौंप दिया। आज की घटनाओं से नगर में कानून-व्यवस्था की स्थिति समाप्त हो कर रह गई।

उग्रवादियों तथा पुलिस के मध्य हुए संघर्ष में कई पुलिस वाले भी घायल हो गए। डी.पी.एस. एस. एस. काहलों को गम्भीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। काहलों तलवारों के वारों से घायल हुए जबकि एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट बाज सिंह का सिर पथराव में फट गया।

बी.एस.एफ. के जवानों ने नाजुक स्थानों पर पोजीशनें सम्भाल ली हैं।

अकालीदल (ल) ने स्वयं को हिंसा से असम्बद्ध व्यक्त करते हुए अपील की कि सरकार असामाजिक तत्वों से कठोरता से निपटे। अकाली दल के महासचिव बलवन्त सिंह रामूवालिया ने चंडीगढ़ टैलीफोन करके पंजाब के मुख्य सचिव के. डी. वासुदेव को पार्टी के स्टैंड से अवगत कराया और कहा कि एस. जी. पी. सी. इन तत्वों को गुरुद्वारा परिसर में घुसने की अनुमति न देगी। संघर्ष के बाद निहंग घटना स्थल से भाग गए।

लूटपाट

निहंगों की हिंसक भीड़ ने स्वर्ण मंदिर के अहाते में 6 दुकानें लूट लीं। जो दुकानें लूटी गई उनमें से एक में किरपानें बिकती थीं। घटना से क्षेत्र में तनाव फैल गया और दुकानदारों ने शटर बन्द कर दिये। पंजाब पुलिस और सी.आर.पी. की टुकड़ियां गश्त कर रही हैं।

एक बस ब्रह्म बूटा मार्कट के पास जलाई गई जबकि दूसरी घंटा घर चौक पर दरबार साहब के सामने जलाई गई। ये दोनों ही स्थान स्वर्ण मंदिर के अहाते में आते हैं। राज्य की विभिन्न जेलों से निकलने वाले अकाली इन बसों में ही स्वर्ण मंदिर आये थे।

यह भीड़ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के न्यायालय से वापस लौट रही थी। न्यायालय में भिंडरांवाला के निकट साथी अमरीक सिंह को पेश किया गया था।

नगर में आतंक

भीड़ ने निगम की एक बस भी क्षतिग्रस्त कर दी और किरपानों की नोक पर एक अन्य बस का अपहरण करके उस पर सवार होकर तलवारें लहराते हुए, नारे लगाते हुए शहर के विभिन्न भागों में आतंक फैला दिया और बाद में ब्रह्म बूटा मार्कीट के पास उसे जला दिया।

उपायुक्त कार्यालय का घेराव, धरना

उधर 250 अकाली वर्करों के एक जत्थे ने अकाली विधायक वैद्य करतार सिंह के नेतृत्व में जिला अदालत परिसर में स्थित उपायुक्त के कार्यालय तथा कोठी का घेराव कर दिया जिससे उपायुक्त के कार्यालय तथा जिला अदालत परिसर में कामकाज ठप्प हो गया। उनका धरना जारी है।

अकालियों और निहंगों के आने की पूर्व सूचना पाकर उपायुक्त सरदार सिंह, उनके पहुंचने से कुछ समय पहले कार्यालय से उठकर चले गए थे।

उपायुक्त के कार्यालय के आगे सुरक्षा की दृष्टि से जंगले लगा दिये गए थे। अधिकारियों ने अपनी कारों से झंडे हटा दिये थे ताकि वे पहचाने न जा सकें।

जिला अदालत परिसर के चारों

घंटाघर, ब्रह्मबूटा मार्कीट में तोड़-फोड़ हुई और पथराव किया गया।

अकालियों का कार्यक्रम है कि सरकारी कार्यालयों का कार्य ठप्प कर दिया जाए ताकि प्रशासन को पंगु बना दिया जाएगा।

दरबार साहब के चारों ओर घूमने वाले विदेशी इन घटनाओं को दिलचस्पी से देख रहे हैं।

स्थितियां लौंगोवाल के नियंत्रण से बाहर

आज की इन स्थितियों को देख कर कहना पड़ेगा कि स्थितियां नियंत्रण से बाहर हैं। जब अकाली नेताओं से आज की घटनाओं पर टिप्पणी मांगी गई तो उन्होंने कहा कि लौंगोवाल ने कुछ दिन पहले यह कहा था कि स्थितियां उनके नियंत्रण से बाहर हो जाएंगी।

इंदिरा का पत्र न मिला

अकाली दल के नेता हरचन्दसिंह लौंगोवाल ने कहा है कि जब से मैंने मोर्चा अभियान का नेतृत्व सम्भाला है, सम्पूर्ण सिख समुदाय को साम्प्रदायिक सदभाव बनाए रखने के साथ-साथ ऐसा कोई कार्य न करने के निर्देश दिए हैं जिन से हिन्दुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचे। सम्वाददाताओं से बातचीत करते हुए संत लौंगोवाल ने इस बात से इन्कार किया कि मुझे प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का कोई पत्र प्राप्त हुआ है। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि मोर्चा अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक कि अकालियों की सारी मांगें स्वीकार न कर ली जाएं।

चाहे देखते ही गोली मार दो !

संत लौंगोवाल ने कहा है कि लूटमार और हिंसा फैलाने वालों

हाई कोर्ट द्वारा बादल को नोटिस

चंडीगढ़, 18 अक्तूबर (र): पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की एक खंड पीठ ने आज पंजाब के भूतपूर्व मुख्यमंत्री और विधान सभा में विपक्ष के नेता श्री प्रकाश सिंह बादल के विरुद्ध न्यायालय की अवमानना का एक नोटिस जारी किया है।

न्यायमूर्ति श्री पी. सी. जैन तथा श्री एस. सी. मित्तल पर आधारित खंडपीठ ने नोटिस में कहा है कि श्री बादल ने अपनी याचिका में अधीनस्थ न्यायालय पर आक्षेप लगा कर न्यायपालिका का अपमान किया।

Punjabi Sanatani

Punjabi Sanjhi

अमृतसर में उग्रवादियों ने सोमवार को व्यापक साड़फूंक की। चौक घंटाघर में दरबार साहब के बिल्कुल सामने धूं-धूं जल रही एक रोडवेज बस। (नीचे) ब्रह्मबूटा मार्कीट में भी उपद्रवियों ने एक बस और पुलिस की एक जीप को फूंक दिया।

उग्रवादियों द्वारा अमृतसर में हिंसा
लूट, पुलिस द्वारा फायरिंग, एक मर

किरपानों की दुकान लुटी, शहर के अधिकांश बाजार बन्द, उग्रवादियों ने बस का अपहरण किया दमकल वालों पर पथर

बसें, एस.पी. की कार, जीप फूंकी गई, बी.एस.एफ. तैनात, नगर में आतं

उपायुक्त की कोठी, कार्यालय पर धरना, इंदिरा का पत्र पाने से इन्कार, अकाली जेलें छोड़ने लगे : लौंगोवाल मुकर

अमृतसर, 18 अक्तूबर (यू. वि. प्र. प्रै. हि.) : आज अपरान्ह यहां स्वर्ण मंदिर परिसर में लूटपाट, तोड़फोड़ करने वाले तथा पंजाब रोडवेज की दो बसों, पुलिस की एक जीप तथा एस.पी. (हैड-क्वार्टर्स) जे.पी. विरदी तथा उपायुक्त की कार को आग लगाकर नष्ट कर देने वाले निहंगों तथा उग्रवादी अकालियों की उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज तथा अश्रुगैस का उपयोग विफल रहने पर फायरिंग की। फायरिंग से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए।

प्रशासन ने बी. एस. एफ. को बुला कर सुरक्षा व्यवस्था का कार्य भार उसे सौंप दिया। आज की घटनाओं से नगर में कानून-व्यवस्था की स्थिति समाप्त हो कर रह गई।

उग्रवादियों तथा पुलिस के मध्य हुए संघर्ष में कई पुलिस वाले भी घायल हो गए। डी. पी. एस. एस. एस. काहलों को गम्भीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। काहलों तलवारों के वारों से घायल हुए जबकि एग्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट बाज सिंह का सिर पथराव में फट गया।

बी. एस. एफ. के जवानों ने नाजुक स्थानों पर पोजीशनें सम्भाल ली हैं।

अकालीदल (ल) ने स्वयं को हिंसा से असम्बद्ध व्यक्त करते हुए अपील की कि सरकार असामाजिक तत्वों से कठोरता से निपटे। अकाली दल के महासचिव बलवन्त सिंह रामूवालिया ने चंडीगढ़ टैलीफोन करके पंजाब के मुख्य सचिव के. डी. बासुदेव को पार्टी के स्टैंड से अवगत कराया और कहा कि एस. जी. पी. सी. इन तत्वों को गुरुद्वारा परिसर में घुसने की अनुमति न देगी। संघर्ष के बाद निहंग घटना स्थल से भाग गए।

लूटपाट

निहंगों की हिंसक भीड़ ने स्वर्ण मंदिर के अहाते में 6 दुकानें लूट लीं। जो दुकानें लूटी गईं उनमें से एक में किरपानें बिकती थीं। घटना से क्षेत्र में तनाव फैल गया और दुकानदारों ने शटर बन्द कर दिये। पंजाब पुलिस और सी. आर. पी. की टुकड़ियां गश्त कर रही हैं।

एक बस ब्रह्म बूटा मार्कट के पास जलाई गई जबकि दूसरी घंटा घर चौक पर दरबार साहब के सामने जलाई गई। ये दोनों ही स्थान स्वर्ण मंदिर के अहाते में आते हैं। राज्य की विभिन्न जेलों से निकलने वाले अकाली इन बसों में ही स्वर्ण मंदिर आये थे।

यह भीड़ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश के न्यायालय से वापस लौट रही थी। न्यायालय में भिंडरांवाला के निकट साथी अमरीक सिंह को पेश किया गया था।

नगर में आतंक

भीड़ ने निगम की एक बस भी क्षतिग्रस्त कर दी और किरपानों की नोक पर एक अन्य बस का अपहरण करके उस पर सवार होकर तलवारें लहराते हुए, नारे लगाते हुए शहर के विभिन्न भागों में आतंक फैला दिया और बाद में ब्रह्म बूटा मार्कीट के पास उसे जला दिया।

उपायुक्त कार्यालय का घेराव, धरना

उधर 250 अकाली वर्करों के एक जत्थे ने अकाली विधायक वैद्य करतार सिंह के नेतृत्व में जिला अदालत परिसर में स्थित उपायुक्त के कार्यालय तथा कोठी का घेराव कर दिया जिससे उपायुक्त के कार्यालय तथा जिला अदालत परिसर में कामकाज ठप्प हो गया। उनका धरना जारी है।

अकालियों और निहंगों के आने की पूर्व सूचना पाकर उपायुक्त सरदार सिंह, उनके पहुंचने से कुछ समय पहले कार्यालय से उठकर चले गए थे।

उपायुक्त के कार्यालय के आगे सुरक्षा की दृष्टि से जंगले लगा दिये गए थे। अधिकारियों ने अपनी कारों से झंडे हटा दिये थे ताकि वे पहचाने न जा सकें।

जिला अदालत परिसर के चारों ओर अवरोध लगा दिए गए थे और लगभग तीन सौ सशस्त्र सिपाहियों ने चारों ओर पोजीशनें सम्भाल रखी थीं।

बाजार बन्द

जैसे ही आगजनी और लूटपाट के समाचार फैले, वैसे ही ब्रह्म बूटा मार्कट, प्रताप बाजार, चौक फव्वारा, धर्म सिंह मार्कट, चौक घंटा घर, शास्त्री मार्कट, दर्शनी ड्योढ़ी, माई सेवां बाजार, गुरु बाजार, बाजार काठियां, करमो ड्योढ़ी, कटरा अहलूवालिया, मन्ना सिंह रोड, जलियांवाला बाग तथा अन्य बाजार बन्द हो गए।

चौक घंटा घर में उग्रवादी अकालियों ने शस्त्रों व किरपानों की दुकानें लूट लीं और वहां कुछ और दुकानों को भी लूट लिया गया जिनकी संख्या 10 से अधिक है।

दमकल वालों पर पथराव

कहा जाता है कि जब पुलिस और फायर ब्रिगेड वाले वाहनों को जलने से बचाने के लिए पहुंचे तो उन पर

घंटाघर, ब्रह्मबूटा मार्कीट में
हुई और पथराव किया गया

अकालियों का कार्यक्र
सरकारी कार्यालयों का क
कर दिया जाए ताकि प्रश
पंगु बना दिया जाएगा।

दरबार साहब के चार
घूमने वाले विदेशी इन घट
दिलचस्पी से देख रहे हैं।

स्थितियां लौंगोवाल नियंत्रण से बाहर

आज की इन स्थितिये
कर कहना पड़ेगा कि
नियंत्रण से बाहर हैं। जब
नेताओं से आज की घट
टिप्पणी मांगी गई तो उन्हे
कि लौंगोवाल ने कुछ दिन
कहा था कि स्थितियां उनके
से बाहर हो जाएंगी।

इंदिरा का पत्र न

अकाली दल के नेता
लौंगोवाल ने कहा है कि
मोर्चा अभियान का नेतृ
है, सम्पूर्ण सिख समुदाय
दायिक सद्भाव बनाए
साथ-साथ ऐसा कोई का
के निर्देश दिए हैं जिन से
भावनाओं को ठेस पहुंचे
दाताओं से बातचीत क
लौंगोवाल ने इस बात से इ
कि मुझे प्रधानमंत्री इंदिरा
कोई पत्र प्राप्त हुआ
दृढ़तापूर्वक कहा कि मोर्च
तब तक जारी रहेगा ज
अकालियों की सारी मां
न कर ली जाएं।

चाहे देखते ही गोल दो !

संत लौंगोवाल ने
लूटमार और हिंसा फै
को चाहे देखते ही गोल
अकाली दल का उनसे
नहीं है। यह बात उन्हों
मुख्य सचिव, डी.आई.
रेंज और अमृतसर के
एस. एस. पी. से टैलीफोन
के दौरान कही।

संत ने कहा कि ग्र
फ्तारियां देना जारी
जो जेलों से छूट कर आ
हैं, वे डिप्टी कमिश्नरों
पर धरने देंगे।

डी. सी. का बयान

अमृतसर के डिप्टी
सरदारा सिंह ने कहा है कि
कुछ पथभ्रष्ट हिंसक युव
पाने के लिए गोली च
जिन्होंने एक. डी. एस.पी.
मैजिस्ट्रेट और एक दर्जन पु
को घायल कर दिया था
घटनाओं के विवरण देते
कहा कि गड़बड़ बाजा
से शुरू हुई। पुलिस ने ज
बस को बचाने की कोशि
बर्छों, भालों, तलवारों से

अकालियों व निहंगों में सीधा संघर्ष

अमृतसर, 18 अक्तूबर (यू.प्रै.): आज यहां स्वर्ण मंदिर के प्रबन्धकों तथा उग्रवादियों के मध्य चल रहा आंतरिक टकराव उस समय उभर कर सामने आ गया, जब दुकानें लूट कर, आगजनी करके और पथराव करन के बाद शरण लेने के लिए स्वर्ण मंदिर में घुसने का प्रयास करने वाले निहंगों तथा उग्रवादी अकालियों को दरबार साहब परिसर में न घुसने दिया।

इसके फलस्वरूप उग्रवादियों तथा परिसर के अन्दर के सेवादारों, उदार पंथी अकालियों के मध्य भी संघर्ष छिड़ गया और दोनों तरफ से पथराव हुआ। यह स्थिति रात देर तक जारी रही।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के एक प्रवक्ता ने कहा कि उपद्रवी तत्व गुरुद्वारा में घुसने का प्रयास कर रहे हैं।

अकाली दल के महासचिव बलवंत सिंह रामूवालिया ने पंजाब के मुख्य सचिव को आश्वासन दिया कि उपद्रवियों व उग्रवादी तत्वों को स्वर्ण मंदिर परिसर में न घुसने दिया जाएगा।

लौंगोवाल व भिंडरांवाला की एक संयुक्त अपील दरबार साहब परिसर के सूचना केन्द्र में लगे लाउडस्पीकरों से एनाउंस की जा रही है जिसमें लोगों से समाज विरोधी तत्वों से अलग रहने को कहा गया है।

हाईकोर्ट द्वारा बादल को नोटिस

चंडीगढ़, 18 अक्तूबर (र) : पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय की एक खंड पीठ ने आज पंजाब के भूतपूर्व मुख्यमंत्री और विधान सभा में विपक्ष के नेता श्री प्रकाश सिंह बादल के विरुद्ध न्यायालय की अवमानना का एक नोटिस जारी किया है।

न्यायमूर्ति श्री पी. सी. जैन तथा श्री एस. सी. मित्तल पर आधारित खंडपीठ ने नोटिस में कहा है कि श्री बादल ने अपनी याचिका में अधीनस्थ न्यायालय पर आक्षेप लगा कर न्यायपालिका का अपमान किया।

हरियाणा के महाधिवक्ता ने न्यायालय की अवमानना अधिनियम के सैक्शन (2) के अंतर्गत श्री बादल के विरुद्ध इस आशय का प्रस्ताव दाखिल किया था। श्री बादल पर आरोप है कि उन्होंने अपनी दो पृथक याचिकाओं में से एक में हरियाणा के वित्तायुक्त (अपील), हिसार के आयुक्त तथा सिरसा कलैक्टर के विरुद्ध यह कहा था कि इन अधिकारियों ने सिरसा जिले में स्थित उनकी भूमि के एक मामले में पक्षपात पूर्ण फैसला दिया था।

गोदाम में विस्फोट : 3 मरे, 19 घायल

मदुरै, 18 अक्तूबर (यू.वा.): नगर के एक गोदाम में पटाखों में विस्फोट हो जाने से आज तीन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई और 19 अन्य घायल हो गए जिनमें पांच की हालत गम्भीर है। विस्फोट उस समय हुआ जब पटाखों को एक ट्रक से उतारा जा रहा था।

अमृतसर में उग्रवादियों ने सोमवार को व्यापक साड़फूंक की। चौक घंटाघर में दरबार साहब के बिल्कुल सामने धू-धू जल रही एक रोडवेज बस। (नीचे) ब्रह्मबूटा मार्कीट में भी उपद्रवियों ने एक बस और पुलिस की एक जीप को फूंक दिया।

abi Sanatani

अर्जित किये । त्रिपुरा के बी. एस. नंदी 47.05 अंक व चंडीगढ़ के बिजान शाहा 46.05 अंक लेकर क्रमश: दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे ।

सरकार केवल एक स्टेडियम में लोगों को संभाल नहीं सकी तो एशियाई खेलों में स्थिति और भी खराब होगी ।

पंजाब के भारोत्तोलक प्रवेश चन्द्र जिन्होंने एशियाई खेल गांव सांस्कृतिक केन्द्र नई दिल्ली में गत शनिवार को 35वीं राष्ट्रीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता के 52 किलोग्राम वर्ग में शानदार विजय हासिल की। (छाया : पाना-इंडिया)

उद्घाटन समारोह पर इस तरह के प्रदर्शन का कोई विचार नहीं है और न ही कमेटी ने किसी को हाथी के बच्चे को प्रशिक्षित करने के लिए कहा है ।

केंद्र में बिहार जैसा बिल विचाराधीन नहीं-साल्वे

नई दिल्ली, 18 अक्तूबर (प्रै., यू.) : राज्य सभा को आज बताया गया कि केंद्रीय सरकार इस समय 'बिहार प्रैस बिल' जैसा कोई विधेयक लाने या राज्य सरकारों को ऐसा करने का निर्देश देने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही ।

श्री जे. पी. माथुर के एक लिखित प्रश्न का उत्तर देते हुए सूचना व प्रसारण मंत्री श्री एन. के. पी. साल्वे ने यह भी कहा कि उनके नाम से जो यह बात जोड़ी गई है कि बिहार प्रैस बिल में कोई गलत बात नहीं है, यह उनका पूरा वक्तव्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकार बार-बार यह कह चुकी है कि वह बिहार बिल के बारे में प्रैस संगठनों के विचार जानना चाहेगी कि किस तरह इससे प्रैस की आजादी प्रभावित होती है ताकि इस बात को सुनिश्चित बनाया जा सके कि कार्यपालिका अपने अधिकारों का दुरुपयोग न करे।

प्रश्नों के उत्तर में श्री साल्वे ने कहा कि सरकार के विचार में संविधान की वर्तमान व्यवस्थायें जिनमें प्रैस की आजादी की गारंटी दी गई है, पर्याप्त हैं ।

सूचना और प्रसारण मंत्री ने बताया कि 1981-82 में आकाशवाणी और दूर दर्शन को विज्ञापनों से क्रमश: 15.12 करोड़ रुपए और 11.27 करोड़ रुपए की कुल आय हुई।

अदालत के अधिकार क्षेत्र को चुनौती

बम्बई, 18 अक्तूबर (यू.) महाराष्ट्र के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री ए. आर. अंतुले ने अपने विरुद्ध दायर फौजदारी मुकद्दमे की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष न्यायाधीश श्री पी. एस. भुट्टा के क्षेत्राधिकार के बारे में आपत्ति उठाई है । श्री अंतुले के विरुद्ध मुकद्दमा भूतपूर्व भाजपा विधायक श्री रामदास नायक ने दर्ज किया है ।

श्री अंतुले के वकील श्री कार्ल खण्डालवाला ने दलील दी है कि न्यायपालिका किसी प्राइवेट नागरिक द्वारा दायर मुकद्दमे की सुनवाई नहीं कर सकती क्योंकि सरकार ने इस मुकद्दमे को उक्त न्यायाधीश को सौंपने के बारे में कोई आदेश जारी नहीं किया है । सरकार द्वारा बृहत्तर बम्बई में नियुक्त तीन विशेष न्यायाधीशों को कोई अधिकार नहीं है कि उस केस की सुनवाई करें जिसे उन्हें सौंपा नहीं गया।

नर्सों का अनशन जारी

जालंधर, 18 अक्तूबर (स) : यहां सिविल अस्पताल में सिविल सर्जन के कार्यालय के सामने नर्सों का अनशन जारी है । आज कश्मीर कौर और रविंद्रपाल कौर ने 24-24 घंटे का अनशन प्रारम्भ किया । इससे पूर्व जालंधर और अमृतसर जिले के सरकारी अस्पतालों की सैंकड़ों नर्सों ने प्रदर्शन किया । बाद में हुई एक रैली में नर्सों की नेताओं शोभा सहोता, इंद्रजीत, सुरजीत चीमा ने भाषण किए और सरकार को चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगें न मानीं तो संघर्ष तेज कर देंगी ।

वैद्य गोपाल दास की रस्म पगड़ी

जम्मू, 18 अक्तूबर—प्रमुख स्वतन्त्रता सेनानी वैद्य गोपाल दास कविराज शास्त्री का गत दिवस निधन हो गया । उनकी रस्म पगड़ी 20 अक्तूबर सायं 4 बजे उनके निवास स्थान नहर रोड जम्मू में होगी ।

वैद्य गोपाल दास अमर शहीद लाला जगत नारायण जी के निकट साथी थे ।

सुप्रीमकोर्ट की जीवन लाल कपूर को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 18 अक्तूबर (यू. वा.) : उच्चतम न्यायालय की पूरी पीठ ने जीवन लाल कपूर को आज श्रद्धांजलि अर्पित की । उच्चतम न्यायालय के भूतपूर्व न्यायाधीश कपूर की मृत्यु पर यहां गत सप्ताह हुई ।

श्री कपूर जनवरी 1957 से 1962 तक उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश थे । उन्होंने वकील के रूप में शहीद भगत सिंह और जय प्रकाश नारायण की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं की भी वकालत की थी।

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश वाई. बी. चंद्रचूड़, महान्यायवादी, लाल नारायण सिन्हा तथा उच्चतम न्यायालय वकील संघ के प्रधान एल. एम. सिंघवी ने दिवंगत श्री कपूर की पत्नी तथा परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की ।

दिवंगत कपूर की स्मृति में दो मिनट का मौन भी रखा गया । श्री चंद्रचूड़ ने बताया कि कार्यवाहक राष्ट्रपति तथा उच्च न्यायालय के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश एम. हिदायतुल्ला ने उन्हें विशेष रूप से कहा है कि वकील संघ तक उनकी संवेदना पहुंचा दी जाए ।

उग्रवादियों द्वारा हिंसा

(पृष्ठ ? का शेष)

हमारे विशेष प्रतिनिधि सोनी ने सूचना दी है कि पुलिस फायरिंग से मरने वाला एक वृद्ध निहंग है । एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उस समय फायरिंग की, जब उस पर दरबार साहिब के आगे खड़े उत्तेजित लोगों ने गोली चलाई ।

अकालियों ने बताया है कि पुलिस फायरिंग से जो और निहंग घायल हुए हैं, उन्हें अकाली खींच कर दरबार साहिब के अंदर ले गए ।

डी. आई. जी. भी पहुंच गए

डी. आई. जी. श्री अटवाल भी अमृतसर पहुंच गए हैं । उन्होंने शहर का दौरा किया । बाद में उन्होंने पत्रकारों को बताया कि निहंगों के पथराव से एक दर्जन पुलिस कर्मचारी घायल हुए, जिनमें डी. एस. पी. काहलों और कार्यकारी दण्डाधिकारी बाज सिंह भुल्लर शामिल हैं । दोनों ही अस्पताल में हैं ।

3 दुकानें जलाई गईं

इसी मध्य तीन गैर-सिखों की दुकानें जलाई गई हैं । उनमें से एक दुकान बाबा शाल की है, जहां से शाल लूट लिए गए और फिर उसे आग लगा दी गई । 50 हजार की क्षति होने का अनुमान है । दूसरी दुकान घंटाघर चौक में कृपाणों की है, जो एक हिन्दू पुरुषोत्तम की है । तीसरी दुकान भी एक गैर-सिख की है । जहां दो दुकानें जली हैं, वहां केवल अब मलबा ही पड़ा है और सड़क पत्थरों से भरी पड़ी है । लोग बाजारों में जहां-तहां ग्रुपों में खड़े है और सरकार की विवशता पर आंसू बहा रहे हैं ।

पुलिस ने कई स्थानों पर लाठीचार्ज किया और अश्रुगैस छोड़ी ।

जिलाधीश के कार्यालय में तोड़फोड़

लगभग तीन बजे कचहरी में उग्रवादियों का एक टोला पहुंचा और उसने हमला कर दिया । उसने जिलाधीश के कार्यालय और पुलिस कार्यालय के शीशे तोड़ दिए । पुलिस ने यहां भी लाठीचार्ज किया और अश्रुगैस छोड़ी ।

सी. आर. पी. बुलाई गई

शहर में घुड़सवार पुलिस गश्त कर रही है । सी. आर. पी. भी बुला ली गई है । जो उग्रवादी पथराव कर रहे थे, वे दरबार साहिब के क्षेत्र में घुस गए ।

जिलाधीश की कुर्सी सम्भाल ली

जिलाधीश के कार्यालय पर हमले के दौरान एक युवा निहंग ने जबरदस्ती जिलाधीश के कार्यालय का दरवाजा खोल लिया और जिलाधीश की कुर्सी पर बैठ गया और कहा कि अब उसका हुक्म चलेगा लेकिन पुलिस के पहुंचने पर वह भाग गया । कहा जाता है कि प्रशासन ठप्प करने के दौरान अकालियों ने जिलाधीश, एस. पी. और अन्य अधिकारियों के स्थान पर समानान्तर अकाली अधिकारी मनोनीत कर दिए ।

धरना उठा लिया

शहर में स्थिति खराब होने के कारण श्री लौंगोवाल ने जिलाधीश की कोठी और कचहरी में धरना देने वालों को वापस बुला लिया है । उधर लाउडस्पीकर पर लौंगोवाल, भिंडरांवाले ने लोगों से अपील की है कि वे शरारती तत्वों से सावधान रहें । अकाली नेताओं ने अकाली कार्यकर्त्ताओं से अपील की है कि ये उग्रवादी निहंग उन्हें जहां भी मिलें, उन्हें 'खूब कुटापा चाढ़ो' (अच्छी तरह मारपीट करो) और गुरुद्वारों में न आने दो ।

इसी मध्य उग्रवादियों और शिरोमणि कमेटी के कर्मचारियों के मध्य कई बार भिड़न्त हो गई । शिरोमणि कमेटी का सैक्रेटरी ओंकार सिंह इस धक्कमपेल में घायल हो गया ।

आरोप

अकाली दल के अध्यक्ष हरचन्द सिंह लौंगोवाल ने आरोप लगाया कि उपद्रवी तत्वों को हिंसा भड़काने के लिए सरकार ने भेजा है । शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रवक्ता ने कहा कि कुछ शरारती तत्व गुरुद्वारा परिसर में घुसने का प्रयास कर रहे थे जिसे अकाली स्वयं सेवकों ने विफल बना दिया।

ज्योति बसु आमंत्रित

लौंगोवाल ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमन्त्री ज्योति बसु को अमृतसर आमंत्रित किया है ।

चंडीगढ़ : आज सुबह पंजाब के विभिन्न जेलों से अकाली कार्यकर्त्ताओं की निकासी शुरू हो गई।

अधिकारिक तौर पर प्राप्त सूचनाओं के अनुसार अधिकांश प्रमुख नेता जेल से निकल गए हैं । आज शाम तक अधिकांश अकाली नेताओं ने जेलों को खाली कर दिया। भूतपूर्व मुख्यमन्त्री प्रकाश सिंह बादल शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक समिति के अध्यक्ष गुरचरण सिंह टोहरा और भू.पू. वित्त मंत्री बलवन्त सिंह भी जेल से निकल चुके हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य भर में अकाली कार्यकर्त्ता बसों में भर कर लगातार जेलों से निकलते जा रहे हैं।

राज्य भर में अकाली कार्यकर्त्ताओं की जेल से निकासी के बावजूद दल के अध्यक्ष हरचन्द सिंह लौंगोवाल ने इस बात का खंडन किया कि उन्होंने दल के लोगों को निकासी का निर्देश दिया है ।

उन्होंने अकाली कार्यकर्त्ताओं से एक बार फिर आग्रह किया कि वे सरकार के झूठे प्रचार को न सुनें और जेल में ही रहें।

इस खंडन को स्थानीय अकाली दल के अध्यक्ष जोगिन्दर सिंह साहनी ने दल के अध्यक्ष की ओर से जारी किया। श्री साहनी ने बताया कि संत ने अमृतसर से टैलीफोन पर उन्हें इस बारे में स्पष्टीकरण देने के लिए कहा था ।

उन्होंने बताया कि दल के अध्यक्ष के निर्देश के परिणामस्वरूप दल के लगभग 1000 कार्यकर्त्ताओं ने चंडीगढ़ जेल खाली करने से इंकार कर दिया है।

टोहरा का बयान

कल दो हजार साथियों के साथ फिरोजपुर जेल खाली करने वाले गुरचरण सिंह टोहरा ने आज पटियाला में बताया कि अपने समर्थकों द्वारा हिंसा किये जाने की संभावनाओं के कारण ही उन्होंने जेल खाली की । उन्होंने इसके पूर्व विशेष दूत भेजकर लौंगोवाल का संदेश कहलाया था। लौंगोवाल ने कहलाया कि अगर पुलिस अत्याचार को शक हो तो जेलें खाली कर दी जाएं।

टोहरा, बादल अमृतसर पहुंचे

प्रकाश सिंह बादल तथा गुरचरण सिंह टोहरा आज रात्रि अमृतसर पहुंचे ।

जालन्धर जेल से भी अकाली गए

जालंधर, (खन्ना) : आज सायं अकाली बंदियों ने जालंधर जिला जेल भी खाली कर दी। भूतपूर्व मंत्री जत्थेदार जीवन सिंह उमरानंगल ने सबसे आखिर में जेल छोड़ी। सभी अकालियों को जेल के मुख्य दरवाजे से ही बसों में बिठा कर ले जाया गया । इससे पूर्व परसों शाम भी 271 बूढ़े अकाली जेल छोड़ कर चले गए थे ।

पता चला है कि जत्थेदार जीवन सिंह उमरानंगल ने जेल खाली करने का फैसला भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल से बातचीत के बाद किया। श्री बादल लुधियाना जेल से बाहर आने के बाद अमृतसर लौटते हुए रास्ते में जालंधर रुके और श्री उमरानंगल से जेल में मिले ।

एक जत्था जी. टी. रोड पर : बसें कब्जे में

कल अमृतसर में तरुणादल के बाबा निहाल सिंह हरियांबेलां वाले के नेतृत्व में गिरफ्तारी देने वाले जत्थे के सदस्यों को 19 बसों में भर कर जालंधर की तरफ लाया गया। यह जत्था जालंधर और करतारपुर के बीच बिधिपुर फाटक के निकट डेरा डाले पड़ा है । जत्थे के नेता का कहना है कि उन्हें जेल भेजा जाए । आंदोलनकारियों ने बसों को अपने कब्जे में लिया हुआ है और उन्हें खाली करने से इन्कार कर रहे हैं।

जालन्धर और करतारपुर के बीच जी. टी. रोड पर रोडवेज की 19 बसों पर 'कब्जा' जमाए बैठे हैं।

सरकार मैदान से भाग गई

लुधियाना से 'म' का समाचार है कि आज सुबह भू. पू. मुख्यमन्त्री प्रकाश सिंह व उनके साथियों ने न्यू माडल जेल खाली कर दी । जेल छोड़ने से पहले एक प्रैस कांफ्रैंस में श्री बादल ने कहा कि सरकार अकाली मोर्चे का मुकाबला नहीं कर सकी और वह मैदान से भाग गई है। यह मोर्चे की पहली विजय है। उन्होंने कहा कि मोर्चा जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि अकाली दल का निर्देश मिलने पर जेल खाली की गई। अकाली दल का निर्णय सर्व-

LIBYA लीबिया

लीबिया में गवर्नमैंट प्रैस के लिए नीचे लिखे वर्करों की तुरन्त जरूरत है।

	PAY वेतन
1. Electronic Engineers (इलैक्ट्रानिक इंजीनियर्ज)	
2. Electricians Highly Experienced (उच्च अनुभवी इलैक्ट्रीशियन्ज) (For Maintenance and Fault Finding Works) (मैंटीनैंस और फाल्ट फाइंडिंग कार्यों के लिए)	150 L.D.
3. Press Mechanics (प्रैस मकैनिक्स)	150 L.D.
4. Offset Printer 2 & 5 Colours (आफसैट प्रिंटर 2 और 5 रंगी)	150 L.D.
5. Leno Type Operators (लीनो टाइप आप्रेटर्ज)	150 L.D.
6. Mono Type Operators (मोनो टाइप आप्रेटर्ज)	150 L.D.
7. Photo Camera Men (फोटो कैमरा मैन)	150 L.D.
8. Pasting Department (पेस्टिंग डिपार्टमैंट)	150 L.D.
9. Printers (प्रिंटर्ज)	150 L.D.
10. Proof Readers English & Urdu (प्रूफ रीडर्ज इंगलिश और उर्दू)	150 L.D.
11. Book Binders (Paper/Plastic/Leather Covers) बुक बाइंडर्ज (पेपर/प्लास्टिक/लैदर कवर्ज)	120 L.D.

जाने के इच्छुक व्यक्ति अपने पासपोर्ट और तजुर्बे के सर्टीफिकेट लेकर हमारे दफ्तर में मिलें। खाना और रिहायश का प्रबन्ध कम्पनी की तरफ से होगा।

FLYWAYS TRAVEL (Regd.)
S.C.O. 1086-87, Near Piccadily Hotel, Sector 22-B,
CHANDIGARH.

अदालती सूचना

न्यायालय श्री आर. पी. आहलूवालिया, सब जज, प्रथम श्रेणी, लुधियाना

दीवानी मुकद्दमा नं. २९६/९६ आफ १९८२

जतिन्दर कौर बनाम कुलदीप सिंह

डिक्लारेशन के लिए मुकद्दमा

बनाम

१. इन्द्रजीत कौर पत्नी मार्फत श्री जी. एस. पाल, गली नं. ३, मकान नं. १०५, विजय नगर, वेरका रोड, अमृतसर, २. श्रीमती प्रकाश कौर मार्फत हरचरण सिंह आहलूवालिया, गली नं. ३, मकान नं. १०३, विजय नगर, वेरका रोड, अमृतसर ।

उक्त मुकद्दमे में अदालत को यह पूरा यकीन हो चुका है कि प्रतिवादी की साधारण ढंग से तामील नहीं हो सकती । इसलिए २९.१०.८२ की तारीख पेशी निर्धारित करके इस इश्तहार द्वारा प्रतिवादियों को सूचित किया जाता है कि उक्त तिथि पर स्वयं या वकील द्वारा अदालत में पेश हों, वरना एक पक्षीय कार्रवाई की जाएगी ।

आज १३.१०.८२ को मेरे हस्ताक्षरों व मोहर अदालत से जारी हुई ।

—सब-जज प्रथम श्रेणी, लुधियाना

अदालती सूचना

न्यायालय श्री आर. एल. रघु, सब जज, प्रथम श्रेणी (२), शिमला

मुकद्दमा नं. १७६/१ आफ ८१

मै. पोटैटो सप्लायर्ज सिंडीकेट, राम बाजार, शिमला, मार्फत इसके पार्टनर श्री रतन चन्द सूद—वादी

बनाम

मै. दीवान सिंह जसवंत सिंह आदि—प्रतिवादी

८२५० रुपए की वसूली के लिए मुकद्दमा

१. मै. दीवान सिंह जसवंत सिंह एंड सन्स, कमीशन एजैंट्स, सब्जी मंडी, होशियारपुर (पंजाब)

२. श्री नरिन्दर सिंह पार्टनर आफ मैसर्ज दीवान सिंह जसवंत सिंह एंड सन्स, कमीशन एजैंट्स, सब्जी मंडी, होशियारपुर (पंजाब)

जबकि उक्त मुकद्दमे में अदालत को यह विश्वास हो चुका है कि उक्त प्रतिवादियों को सामान्य ढंग से तामील नहीं हो सकती, जैसा कि उनके नाम पर जारी किए गए ।

आर्डर ५ रूल २० सी. पी. सी. के अधीन यह घोषणा जारी करके प्रतिवादियों को इस अदालत में सुनवाई की तिथि ३०.११.१९८२ को असालतन या वकालतन सुबह १० बजे पेश होने को कहा जाता है, अन्यथा प्रतिवादियों के विरुद्ध एक पक्षीय कार्रवाई की जाएगी ।

आज ६.१०.८२ को मेरे हस्ताक्षरों व मोहर अदालत से जारी हुई ।

—सब जज (२), शिमला

Punjabi Sangam

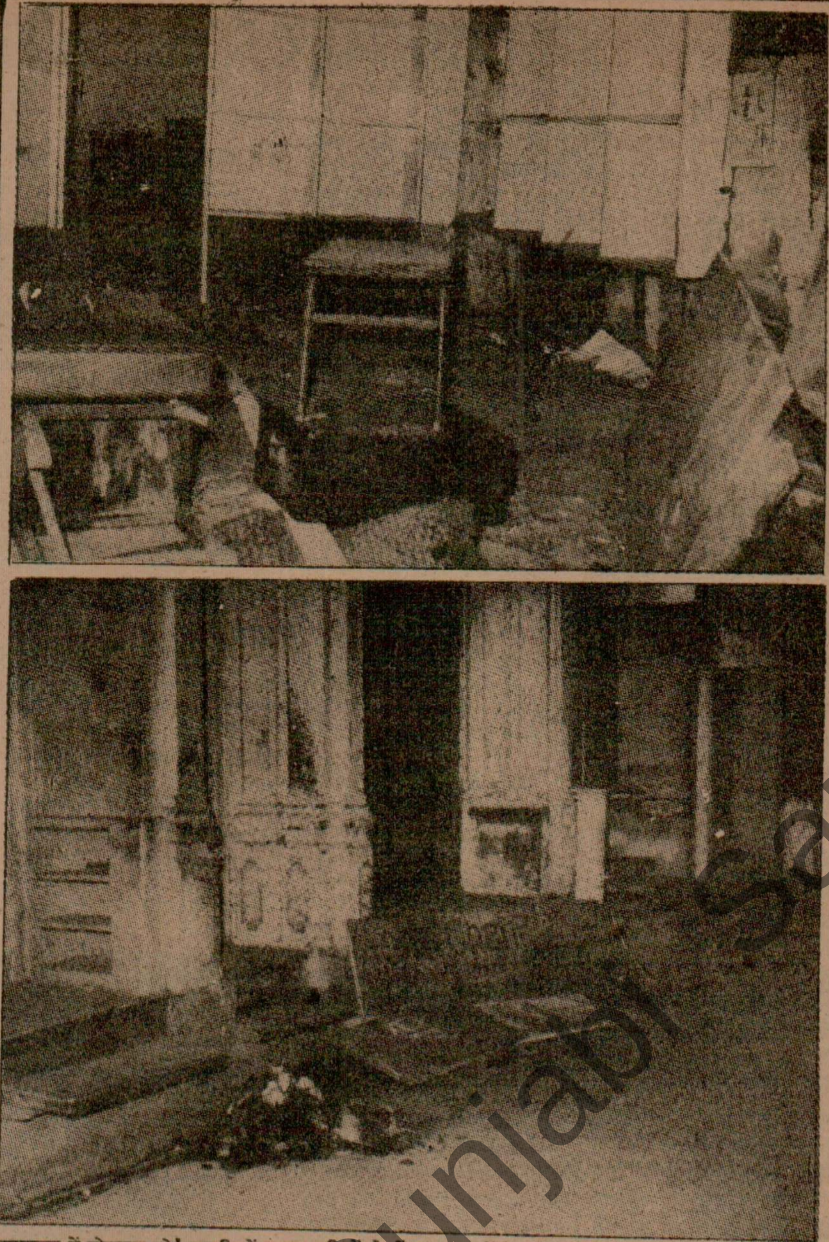

अमृतसर में सोमवार को] अकालियों व उग्रवादियों के हिंसक उपद्रवों के दौरान बाजार घंटाघर में उपद्रवियों ने शालों की दुकान को लूट लिया तथा दुकान में कुछ भी नहीं छोड़ा। नीचे चित्र में–उपद्रवियों द्वारा तोड़े गए दुकानों के बोर्ड व अन्य सामान। दुकानों के दरवाजों पर भी आग लगा दी गई। (छाया : ओम भंडारी)

आगजनी, लूट-मार निहंगों ने की : सेठी

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर (यू.न्यू.)– आज लोकसभा में सदस्यों ने अमृतसर में हुई कल की हिंसात्मक घटनाओं पर भारी क्षोभ व चिंता व्यक्त की और केन्द्रीय सरकार से मांग की कि पंजाब की समस्या के समाधान के लिए विपक्षी दलों की तुरन्त बैठक बुलाई जाए।

इससे पूर्व गृहमन्त्री श्री सेठी ने अमृतसर की घटनाओं पर वक्तव्य देते हुए अकाली नेताओं से अपील की कि वे बातचीत के लिए उपयुक्त वातावरण बनाने में सरकार की मदद करें। उन्होंने विपक्षी दलों से भी इस मामले में सहायता का आग्रह किया।

"प्रै. ट्र.' के अनुसार श्री सेठी ने कहा कि प्राप्त समाचारों के अनुसार कल की आगजनी व लूटमार जिन लोगों ने की, वे निहंग थे।

उन्होंने कहा कि केवल सद्भावना पूर्ण वातावरण और वार्ता से ही समस्या हल हो सकती है।

श्री सेठी ने कहा कि पंजाब सरकार ने अनुकूल वातवारण बनाने के लिए ही बंदी अकालियों को रिहा करने का फैसला किया था।

गृह मन्त्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कल की घटना से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिये पर्याप्त कदम उठाये हैं। राज्य में कानून और व्यवस्था बनाये रखने के लिए केन्द्र सरकार ने अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराये हैं।

कल की घटनाओं के बारे में श्री सेठी ने कहा कि जेल से रिहा किये गए अकालियों को लेकर एक बस अमृतसर लौटी थी। आंदोलन-कारियों ने रास्ते भर पथराव किया और 'दरबार साहिब' के पास बस को जला दिया।

श्री सेठी ने कहा कि आंदोलन-कारियों ने एक दूसरी बस को भी आग लगा दी। इसके बाद निहंगों की भीड़ ने दुकानों को लूटना और उनमें आग लगाना शुरू कर दिया।

हिंसा बढ़ने की आशंका से पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर होने के आदेश दिये। इसका प्रभाव नहीं होने पर पुलिस को आंसूगैस छोड़नी पड़ी और अंततः गोलीचलानी पड़ी। इसमें एक निहंग मारा गया।

गृहमन्त्री ने बताया कि निहंगों ने मौके पर मौजूद सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट और पुलिस उप-अधीक्षक को कृपाणों से गम्भीर रूप से घायल कर दिया। इन अधिकारियों के सिर में चोट आई और इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सदन में कई विपक्षी नेताओं ने इस स्थिति पर बहस की मांग की, परन्तु श्री एस. एम. कृष्णा ने, जो सदन की अध्यक्षता कर रहे थे कहा कि मंत्री से वक्तव्य के बाद बहस की कोई व्यवस्था नहीं। उन्होंने सुझाव दिया कि वह उस मामले पर बहस के लिए नोटिस दें।

भाजपा के सूरजभान और डी. एस.पी. के हरीश कुमार गंगवार ने कहा कि देखते ही गोली मार देने का आदेश जारी किया गया है इसलिये नवीनतम स्थिति बताई जाए।

अध्यक्ष बलराम जाखड़ ने अमृतसर में हिंसा और लूटपाट की घटनाओं को निंदनीय बताया।

श्री जाखड़ ने कहा कि धर्म में विश्वास करने वालों को शांति और प्रेम की भावना पैदा करनी चाहिए। उन्हें घृणा नहीं फैलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर का नाम अमृतसर शांति का द्योतक है।

अध्यक्ष ने यह बात उस समय कही जब श्री मनीराम बागड़ी (लोक दल) ने सदन की बैठक शुरू होते ही अमृतसर की घटनाओं का मामला उठाने की कोशिश की।

गोली कांड की न्यायिक जांच नहीं

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर (टी. पी. एस.) : केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्री वेंकट सुब्बैया ने आज विपक्षी नेताओं की यह मांग रद्द कर दी कि अमृतसर में कल हुए गोलीकांड की न्यायिक जांच कराई जाए। उन्होंने इस आरोप का प्रतिवाद किया कि अमृतसर में गड़बड़ जेलों में अकालियों को दी गई कथित परेशानियों का परिणाम है। उन्होंने राज्य सभा को बताया कि पंजाब में सेना नहीं भेजी गई। अर्द्ध सैनिक संगठनों को अवश्य मजबूत किया गया है। अर्ध सैनिक संगठनों की 17 कम्पनियां इस समय पंजाब में हैं। मंगलवार को सी. आर. पी. और बी. एस.एफ. की तीन और कम्पनियां भेजी गई हैं।

जिया को भारत के मिराज खरीदने पर आपत्ति नहीं

बीजिंग, 19 अक्तूबर (ए.पी.) : पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल जिया उल हक ने आज कहा कि उन्हें भारत द्वारा फ्रांस से मिराज-2000 की खरीद पर कोई आपत्ति नहीं है।

स्वर्ण सिंह की पंजाब की स्थिति पर इंदिरा से मंत्रणा

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर (जी. एस. चावला) : भू.पू. विदेशमन्त्री श्री स्वर्ण सिंह ने आज प्रधानमन्त्री श्रीमती इंदिरा गांधी से पंजाब की स्थिति पर बातचीत की। श्री स्वर्ण सिंह जो इस सम्बन्ध में अकालियों तथा अन्य विपक्षी दलों से तालमेल बनाए हुए हैं, कल वापस पंजाब जाकर अकाली नेताओं से बातचीत करेंगे ताकि पंजाब में शांति को सुनिश्चित बनाया जा सके।

इसी बीच आज यहां लोकसभा के विपक्षी सदस्यों की बैठक में पंजाब के वर्तमान हालात पर विचार-विमर्श किया। बैठक में विपक्षी सदस्यों ने विचार प्रकट किया कि पंजाब के बारे में आज लोकसभा के अध्यक्ष श्री-बलराम जाखड़ ने जो अपील की है, उसका समर्थन किया जाना जरूरी है ताकि शांति को सुनिश्चित बनाया जा सके।

विपक्षी नेताओं ने कहा कि वे आपसी मतभेदों को एक तरफ रख कर पंजाब में हालात को सामान्य बनाने के लिए हर सम्भव सहयोग देने को तैयार हैं।

इस बैठक में लोकदल (सी) के रशीद मसूद, मार्क्सी पार्टी के समर मुखर्जी, जनता पार्टी के सुब्रह्मण्यम स्वामी, मधु दंडवते, भाजपा के सतीश अग्रवाल, सी.पी. आई. के रामावतार के अलावा बहुगुणा तथा अन्य कई विपक्षी पार्टियों के प्रति-

जिम्मेदारी से कांग्रेस (इ) सरकार बच नहीं सकती। कांग्रेस (इ) ने सत्तारूढ़ होते ही विपक्षी सरकारों को खत्म करने के लिए विधान सभाएं तोड़ दीं। इससे चिढ़कर अकालियों ने उग्रवादियों को उकसाना शुरू कर दिया तथा अब हालात सरकार के काबू से बाहर हो गए हैं।

इंका सांसद एस.पी. मित्तल ने अमृतसर में दुकानें लूटे जाने व उन्हें आग लगाने की निन्दा की।

अन्ना द्रमुक इंका को समर्थन देती रहेगी

नई दिल्ली, 19 अक्तूबर (यू.वा.): संसद में द्रमुक के नेता सी. टी. दंडपाणि

दरबार साहब के बाहिर बम फटा : 1 मरा, 50 घायल

घायलों में दशहरा की झांकियां देख रहे लोग और पुलिस कर्मी शामिल

अमृतसर में भारी तनाव : पुलिस ने गोली चलाई

अमृतसर, 26 अक्तूबर (यू., प्रै., अशोक, टी. पी. एस., सोनी) : आज रात यहां दरबार साहब के निकट घंटाघर चौक में एक भीषण विस्फोट के फलस्वरूप कम से कम एक व्यक्ति मारा गया और 50 से अधिक घायल हो गए। अनेक घायलों की दशा चिंताजनक है । घायलों में अधिकांश पंजाब पुलिस और सी. आर. पी. के जवान शामिल हैं, जो घटनास्थल पर ड्यूटी दे रहे थे।

पुलिस के अनुसार रात 8.25 पर दशहरा के उपलक्ष्य में निकली झांकियों का जलूस निकलने के पन्द्रह मिनट बाद दो हथगोले फैंके गए। इनमें से एक फट गया और दूसरा अनफटा रह गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हथगोले एच. ई. 36 किस्म के हैं जोकि एक सरकारी शस्त्र फैक्टरी के बने हुए हैं और विनाशकारी हैं। इस किस्म के हथगोले नौ गज के क्षेत्र तक प्राणघातक हैं जबकि सौ गज क्षेत्र तक 'खतरनाक' हैं।

यह बम विस्फोट उस समय हुआ जब सैंकड़ों की संख्या में दर्शक झांकियां देख कर घरों को लौट रहे थे और पंजाब पुलिस तथा सी. आर. पी. के दो सौ जवान वहां मौजूद थे। विस्फोट के थोड़ी ही देर बाद जलूस का ही एक हिस्सा जिसमें अनेक झांकियां थीं, जब वहां से गुजरा तो फिर भारी भीड़ जमा हो गई। धमाके से समूचा क्षेत्र कांप उठा और अनेक लोगों को, जो तलवारें लिए हुए थे, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के कार्यालय से बाहिर आते देखा गया। पुलिस अधिकारी यह बताने में असमर्थ हैं कि हथगोले किस तरफ से फैंके गए। कुछ लोगों को घायलों को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के दफ्तर के अन्दर ले जाते देखा गया।

भारी भगदड़ : दुकानें बन्द

विस्फोट के फलस्वरूप चौक घंटाघर और उसके आस-पास के क्षेत्रों में जबरदस्त भगदड़ मची और जो भी दुकानें वहां खुली थीं बन्द हो गईं। पुलिस ने तत्काल समूचे क्षेत्र को घेर लिया। हथगोलों की जांच के लिए सेना के विशेषज्ञों को बुलाया गया है।

हमारे प्रतिनिधि अशोक सोनी के अनुसार बम धमाके से मरने वाला व्यक्ति लगभग 55 वर्ष का है और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घायलों में सी. आर. पी. के सात और पुलिस के आठ जवानों के अलावा एक मैजिस्ट्रेट श्री कंवल जीत सिंह सिद्धू भी शामिल हैं। श्री सिद्धू के बाएं बाजू पर बम के टुकड़े लगे हैं।

बताया जाता है कि दशहरा के उपलक्ष्य में झांकियों का जलूस कटड़ा आहलूवालिया से चौक घंटा घर में होकर बाजार माई सेवां की ओर मुड़ रहा था कि पीछे से किसी ने चौक में ही बम फैंके। इससे समूचे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। एस. पी. सिटी श्री हरजीत सिंह, जो मौका पर थे, को बम के टुकड़े लगने और चोटें आने का समाचार है किन्तु उनका गनमैन बुरी तरह घायल हुआ है। उनकी जीप का ड्राइवर कृष्ण गोपाल भी जख्मी है। एक थानेदार हरमेल सिंह और सी. आर. पी. के एक सब इंस्पैक्टर बलवन्त सिंह को गम्भीर अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया है। सी. आर. पी. के एक कांस्टेबल की दशा चिंताजनक बताई जाती है। गुरु तेगबहादुर अस्पताल में घायलों का आना लगभग साढ़े आठ बजे शुरू हुआ। इतने ज्यादा घायलों के एक साथ आ जाने से अस्पताल में दवाइयों और अन्य सामान की कमी अनुभव होने लगी। तभी एक सामाजिक कार्यकर्त्ता पंडित सखी चन्द ने पट्टियों और अन्य दवाइयों का प्रबंध किया।

घायलों में से एक ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि जलूस दो थे। जब एक जलूस चौक घंटाघर से गुजर गया तो उसके बिल्कुल पिछले हिस्से पर किसी ने बम फैंके। घायलों में कई सिख भी हैं।

दोषियों का कुछ पता नहीं

टी. पी. एस. का कहना है कि बम धमाके के लिए कौन जिम्मेदार है, कुछ मालूम नहीं हो सका। हताहतों की संख्या अधिक होने की आशंका है।

सी. आर. पी. में रोष

कहा जाता है कि जब चौक घंटाघर में पंजाब पुलिस ने बम धमाके के विरुद्ध नारे लगा रही भीड़ पर लाठीचार्ज किया तो वहां मौजूद सी. आर. पी. के जवानों ने मौखिक रूप से रोष व्यक्त किया। स्थिति पर उस समय काबू पाया जा सका जब एस. पी. श्री ए. पी. पांडे ने सी. आर. पी. के जवानों से आंदोलित और उत्तेजित न होने की

(शेष पृष्ठ 10 पर)

दरबारा की सेठी से मंत्रणा

चंडीगढ़, 26 अक्तूबर (प्रै.) : पंजाब के मुख्यमंत्री श्री दरबारा सिंह ने आज रात अमृतसर बमकांड के बारे केन्द्रीय गृहमंत्री श्री पी. सी. सेठी से बातचीत की। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों के साथ अमृतसर की स्थिति पर विचार विमर्श किया।

टोहरा व बादल में सुलह कराने के लिए सुरजीत को विदेश से बुलाया गया

नई दिल्ली 26 अक्तूबर (जी. एस. चावला): यहां पहुंचने वाली सूचनाओं के अनुसार लौंगोवाल के निर्देश के बावजूद जगदेव सिंह तलवंडी अभी तक लुधियाना जेल से बाहर नहीं आये। उधर श्रीमती गांधी को रिपोर्ट देने से पहले उनके विशेष दूत श्री स्वर्ण सिंह अकालियों से प्रारम्भिक बातचीत करके उनके विचारों को जानने के लिए कोशिश कर रहे हैं और वह अकालियों की ओर से बातचीत समिति गठित कराने में सफल हो गए हैं।

इस कमेटी से प्रारम्भिक बातचीत करके ही वह इस बात का पता लगाएंगे कि अकाली कहां खड़े हैं। यही बड़ा कारण है कि अभी तक पंजाब के हालात के बारे में केन्द्र की ओर से कोई पेशकदमी नहीं हुई। उधर शिरोमणि कमेटी के चुनाव नवम्बर में हैं और अकाली जेलों से रिहा होने के बाद इस चुनाव में व्यस्त हो गए हैं। यह भी एक कारण है कि अकाली अभी स्वर्ण सिंह के साथ बातचीत के मूड में नहीं। अकालियों में अंदरखाने जो खींचतान चल निकली है, उसमें बादल ग्रुप नहीं चाहता कि जत्थेदार टोहरा को फिर से शिरोमणि कमेटी का प्रधान मनोनीत किया जाए।

दूसरी तरफ टोहरा के साथी भी टोहरा के लिए सरगर्म हैं। बादल के तीन करीबी साथी उमरानंगल, प्रकाश सिंह मजीठा तथा राजेन्द्र सिंह भाटिया तलवंडी को लुधियाना जेल में मिले थे और उनसे टोहरा के विरुद्ध समर्थन मांगा परन्तु ज्ञात हुआ है कि तलवंडी ने कोई वायदा करने से इन्कार कर दिया। बादल की कोशिश यह है कि लौंगोवाल को ही फिलहाल अकाली दल के प्रधान पद के अलावा शिरोमणि कमेटी का प्रधान भी बना दिया जाए ताकि बाद में किसी और को प्रधान बनाया जा सके। दूसरी ओर टोहरा के समर्थन पर भिडरांवाला और सुखजिंदर सिंह हैं। बादल यह महसूस करते हैं कि लौंगोवाल कमजोर हैं। वह कहीं

दोनों में सुलह करा सकें। कामरेड सुरजीत बादल को पहले जेल में मिल चुके हैं और अब वह सिर्फ टोहरा से मिलेंगे।

सरदार स्वर्ण सिंह जालन्धर में हैं और उन्हें अकालियों की ओर से बातचीत के लिए सिगनल की प्रतीक्षा है। वह अकालियों के आंतरिक हालात पर कड़ी निगाह रखे हुए हैं और वह उनके साथ बातचीत करने में जल्दबाजी से काम लेना नहीं चाहते अतः वह अकालियों से प्रारम्भिक बातचीत के बाद दिल्ली जाएंगे। इसी मध्य कांग्रेसी क्षेत्रों का कहना है कि वह लोग जो अपने आपको अकालियों के ज्यादा नजदीक समझते थे, स्वर्ण सिंह-अकाली बातचीत को तारपीडो करना चाहते हैं, क्योंकि वह खुद मध्यस्थ बनना चाहते हैं।

26.10.82 का प्रिंट आर्डर

पंजाब केसरी	:	2,22,940
हिंद समाचार	:	69,260
जगबाणी	:	31,130
कुल योग		3,23,330

अमृतसर में निहंग का उपद्रव : पुलिस फायरिंग से मरा

अमृतसर, 26 अक्तूबर (प्रै. ट.) : आज दोपहर बाद दरबार

किरपानें निकाल कर "गतका" ढाइस नाच शुरू कर दिया और वे

जैल पूरी तरह स्वस्थ

नई दिल्ली, 26 अक्तूबर (यू.): ह्यूस्टन के शैमराक हिल्टन होटल में विश्राम कर रहे राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह का टैक्सास निवासी भारतीयों ने भव्य स्वागत किया। राष्ट्रपति अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। उनकी रविवार की रात्रि को वापसी की तैयारियां की जा रही हैं।

(सर्दियां आ गईं!)

Punjabi Sanatani

दरबार साहब क्षेत्र में बम धमाका

(3 पृष्ठ का शेष)

प्रार्थना की।

टी. पी. एस. का प्रतिनिधि जब घटनास्थल पर पहुंचा तो बड़ी संख्या में लोग विभिन्न दिशाओं में भाग रहे थे और उसने अपने कानों से सी. आर. पी. के जवानों को यह कहते सुना "हम हिन्दुओं को इस तरह पिटते नहीं देख सकते। पंजाब पुलिस गड़बड़ पैदा कर रही है। यह खुली धक्केशाही है।"

अमृतसर में भारी तनाव : गोली चली

प्रै. ट्र. के अनुसार अमृतसर में भारी तनाव है। धमाके के बाद दो सम्प्रदायों के लोग हथियारबन्द होकर अपने-अपने क्षेत्र में जमा हो गए। पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए हवा में कुछ फायर किए।

लाऊड स्पीकरों पर अपीलें

यू. न्यू. की सूचना है कि बम धमाके के तुरन्त बाद अनेक सशस्त्र व्यक्तियों को शिरोमणि कमेटी के काम्प्लैक्स से बाहिर आते देखा गया लेकिन लाऊड स्पीकरों पर अपील किए जाने पर वे वापस अन्दर चले गए।

सेना के विशेषज्ञ मौका पर

कर्नल एस. हांडा के नेतृत्व में सैनिक विशेषज्ञों की एक टीम ने बिना फटे बम को कब्जे में ले लिया। इस हथगोले (बम) पर नम्बर 529 ई. के. एफ 70 अंकित है।

खून से सने जूते

घटनास्थल पर पहुंचे यूनी वार्ता के सम्वाददाता ने बताया कि इस स्थान पर सैकड़ों जूते छितरे पड़े थे, जो खून से सने थे।

Punjabi Sanatani

वर्ष 16, वीरवार 28 अक्तूबर, 1982, 12 कार्तिक, 2039 मूल्य 50 पैसे विमान द्वारा = 60 पैसे (श्रीनगर के लिए)

34, Soni Bldg.; Shastri Market, AMRITSAR. बिकने वाली क्रीम हेयर डाइ

सार्वजनिक व्यक्तियों पर भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच की विधि के बारे में भी उपयुक्त सुझाव देने के लिए

में यह बात भी है कि अधिकारियों तथा मंत्रियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए विशेष

पद पर नियुक्त किया गया है। वे लद्दाख जैसे पिछड़े क्षेत्रों तथा बकरवाल एवं गूजर जैसी पिछड़ी

अब सूचना विभाग को दो भागों में विभाजित किया जा रहा है।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

तलवंडी जेल खाली करके अमृतसर चले आए : भिंडरांवाला से मशविरे

कल के विस्फोट में उप पुलिस अधीक्षक सहित 60 से अधिक लोग घायल हुए

इंका विधायक के घर का दरवाजा तोड़ दिया गया : बच्चों ने पड़ोस में शरण ली

दसूहा में मोटरसाइकिल सवारों द्वारा निरंकारी की हत्या, करतारपुर में अंधाधुंध फायरिंग, अमृतसर में हड़ताल, विधायक के घर पर हमला

अमृतसर में दशहरा नहीं मनाया गया, पुलिस द्वारा बार-बार लाठीचार्ज, बी.एस.एफ. का फ्लैग मार्च, तनाव जारी, पंजाब पुलिस वापस

जालन्धर, 27 अक्तूबर (निजी संवाददाताओं, वि. प्र., प्रै., यू., यू. [illegible]) : पंजाब में उग्रवादियों ने पुनः हिंसा का एक नया दौर प्रारम्भ कर दिया है। गत रात्रि अमृतसर में दशहरे के अवसर पर निकाली गई [illegible] के जलूस पर उग्रवादियों द्वारा बम फैंके जाने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई तथा 60 घायल हो गए। लगभग उसी समय जालन्धर के निकट करतारपुर में कार में सवार उग्रवादियों ने जी.टी. रोड पर काफी देर तक अंधाधुंध फायरिंग की। आज प्रातः जिला होशियारपुर के दसूहा क्षेत्र में तीन मोटर साइकिल सवार उग्रवादियों ने एक निरंकारी [illegible] नेता रेशम सिंह की गोली मार कर हत्या कर दी। उधर अमृतसर में कल रात ही उग्रवादियों ने एक इंका विधायक के घर पर हमला किया।

आज अमृतसर में स्थिति बेहद तनावपूर्ण रही और अधिकांश बाजार कल की घटनाओं के विरोध में बन्द रहे, बी. एस. एफ. ने फ्लैग मार्च किया और अमृतसर के भीतरी भागों से पंजाब पुलिस को वापस बुला कर बी. एस. एफ. को नियुक्त कर दिया गया है।

आज पुलिस ने अमृतसर में बार-बार लाठीचार्ज किया। नागरिकों ने दशहरा नहीं मनाया।

अकाली नेता श्री जगदेव सिंह तलवंडी अपने 1922 साथियों सहित लुधियाना जेल खाली करने के पश्चात आज शाम अमृतसर पहुंच गए लेकिन शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रधान श्री गुरचरण सिंह टोहरा अज्ञातवास को चले गए हैं। श्री टोहरा ने आज प्रातः श्री तलवंडी से लुधियाना जेल में भेंट की थी। तलवंडी ने आज अमृतसर पहुंचते ही संत जरनैल सिंह भिंडरांवाला से भेंट की।

निरंकारी नेता की हत्या

दसूहा (अशोक महाजन) : आज प्रातः यहां से 15 किलो मीटर दूर टांडा के निकट अपने गांव नंगल खुंगा जा रहे निरंकारी नेता रेशम सिंह को मोटर साइकिल पर सवार तीन अज्ञात उग्रवादियों ने गोली से उड़ा दिया और फरार हो गए।

रेशम सिंह ने कुछ दिनों पूर्व अपने जीवन को खतरा होने की आशंका व्यक्त की थी जिस पर पंजाब सरकार ने उसे एक सशस्त्र अंग रक्षक प्रदान किया था। रेशम सिंह को उग्रवादियों की ओर से धमकी भरे पत्र मिल रहे थे। वह कल ही दिल्ली में हुए निरंकारी सम्मेलन में भाग लेकर लौटा था। रेशम सिंह का शव भारी पुलिस फोर्स के साथ दसूहा सिविल अस्पताल लाया गया है। इस अवसर पर अस्पताल में भारी संख्या में निरंकारी पहुंच गए। मृतक का शरीर गोलियों से छलनी-छलनी हो गया था। पुलिस का रवैया मृतक के परिवार वालों के प्रति बड़ा उपेक्षापूर्ण रहा। पुलिस विलाप कर रहे मृतक के परिवार के सदस्यों को बार-बार पीछे धकेल देती।

होशियारपुर से हमारे संवाददाता ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद समाचार दिया है कि मृतक रेशम सिंह के पुत्र सर्वजीत सिंह ने बताया कि मोटर साईकल पर कोई नम्बर प्लेट नहीं थी। दो अभियुक्तों, जो मोटर साईकल चलाने वाले के पीछे बैठे हुए थे, ने चलती मोटर साईकल से गोलियां मारीं और रेशम सिंह के गिर जाने पर अभियुक्तों ने मोटर साईकल रोकी और फिर रेशम सिंह को देखने के लिए उसके पास आए और वहां पर खड़े होकर उन्होंने फिर तीन गोलियां चलाईं। उसके बाद वे मोटर साईकल पर सवार होकर फरार हो गए।

घटना के प्रत्यक्षदर्शी दो नव युवकों ने बताया कि अभियुक्तों के पास एक बन्दूक और एक पिस्तौल था।

हमारे सम्वाददाता को यह भी पता चला है कि रेशम सिंह को पुलिस की ओर से जो गन मैन मिला हुआ था, वह उससे किसी आवश्यक कार्य के लिए छुट्टी लेकर चला गया था। मृतक चार दिन पूर्व ही दिल्ली से अपने गांव वापिस आया था।

यह भी पता चला है कि रेशम सिंह के पिता बूटा सिंह की भी हत्या की गई थी उसकी हत्या भूमि के एक झगड़े पर हुई थी। यह भी पता चला है कि मृतक का गांव में किसी के भी साथ कोई झगड़ा न था। पुलिस ने धारा 302/34/25/54-59 में केस दर्ज कर लिया है।

रेशमसिंह हिट लिस्ट में था

जालन्धर (खन्ना) : मृतक रेशम सिंह रिटायर्ड सूबेदार था और 1978 में अमृतसर में बैसाखी के अवसर पर हुई अकाली-निरंकारी मुठभेड़ कांड में अकालियों के पक्ष में पहले वायदा माफ गवाह बन गया था, बाद में अपने बयान से मुकर गया था और तभी से उग्रवादियों की आंख में खटक रहा था। उग्रवादियों की 'हिट लिस्ट' में उसका नाम भी शामिल था। इस घटना के बाद उन निरंकारियों की, जिन पर हमले होने की आशंका है, सुरक्षा के पग और कड़े कर दिये गए हैं। पुलिस के नवगठित मोटर साइकिल सवार दस्तों को भी, जो विभिन्न चौराहों पर तैनात हैं, सतर्क कर दिया गया है

करतारपुर में अंधाधुंध फायरिंग

करतारपुर (देवदत्त) : करतारपुर के लोगों में कल सायं साढ़े सात बजे के लगभग खलबली मच गई और जान बचाने के लिए इधर-उधर शरण लेने के लिए भागे, जब अमृतसर की ओर से आ रही एक कार में सवार लोगों ने दनादन गोलियां चलानी शुरू कर दीं।

यह सौभाग्य ही कहना चाहिए कि जिस वक्त अभियुक्तों ने जी. टी. रोड पर ही गोली चलाई लोग बहुत कम संख्या में बाजार में थे। ये लोग भी जान बचाने के लिए वहां से दौड़ पड़े। फायरिंग से लोगों में भारी आतंक पाया जाता है।

कहा जाता है कि जिस वक्त कार सवार चलती कार से गोलियां चला रहे थे तो पुलिस भी जी.टी. रोड पर उपस्थित थी मगर इस कार को रोकने का किसी ने साहस नहीं किया।

बताया गया है कि कार सवार फायरिंग करते हुए किशनगढ़ की ओर भाग गए मगर किसी ने उनका पीछा नहीं किया।

समझा जाता है कि इस कार में आतंकवादी थे जिनका उद्देश्य शांतिपूर्ण शहरियों में आतंक पैदा करना था।

कार का पता चला

एस. एस. पी. श्री भुल्लर के अनुसार गोली चलाने वाले जिस फिएट कार में आए थे उसका नं. पी.बी.टी. 734 था। हमलावरों ने पहले टूरिस्ट बंगले के निकट गोली चलाई फिर गुरदयाल फर्नीचर की दुकान के निकट गोली चलाई और बाद में भाग खड़े हुए। पुलिस ने जीप में उनका पीछा किया। आगे जाकर उनकी कार एक ट्रैक्टर से टकरा गई परन्तु हमलावर फरार होने में सफल हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार ये हमलावर आतंकवादी नहीं बल्कि शराबी थे।

निरंकारी नेता रेशम सिंह, जिसकी बुधवार को तीन मोटर साइकल सवारों ने गोली मार कर हत्या कर दी। छाया : अशोक महाजन

अमृतसर में बी.एस. एफ. का फ्लैग मार्च

अमृतसर : (सोनी) शहर में तनाव व आतंक को दूर करने के लिए जिला अधिकारियों ने आज अपरान्ह एक बजे बी. एस. एफ., पंजाब सशस्त्र पुलिस का संयुक्त फ्लैग मार्च कराया। यह फ्लैग मार्च कोतवाली से शुरू होकर शहर के भीतरी भागों चौक फव्वारा, कटरा आहलुवालिया, घंटा घर, बाजार माई सेवां, प्रताप बाजार, शास्त्री मार्केट, कर्मो ड्योढ़ी, गुरु बाजार, कटरा जयमल सिंह आदि से गुजरा। ये जवान स्टेनगनों व आटोमैटिक शस्त्रों से लैस थे।

आज ये सभी बाजार कल रात हुए बम विस्फोट के विरोध में बन्द थे हालांकि एक-दो मैजिस्ट्रेटों ने पुलिस बल की मदद से दुकानें खुलवाने का प्रयास किया लेकिन वे सफल न हुए।

पंजाब पुलिस वापस बुलाई

दरबार साहब के निकटवर्ती बाजारों से पंजाब पुलिस हटा ली गई और उसके स्थान पर सी.आर.पी., बी. एस. एफ. को तैनात कर दिया गया। आंतरिक भागों की व्यवस्था बी. एस. एफ. को सौंप दी गई है और पंजाब पुलिस को वहां से वापस बुला लिया गया है।

मोटर साइकिल सवार पुलिस

पुलिस चीफ श्री बैंस ने बताया कि शहर के 10 नाजुक स्थानों पर मोटर साइकिलों पर सवार सशस्त्र पुलिस कर्मी तैयार रखे गए हैं ताकि शरारती तत्वों का पीछा किया जा सके।

कंट्रोल रूम में अधिकारी

इसके अलावा पुलिस की पांच कारें भी गश्त लगा रही हैं। सिटी कोतवाली के पास कंट्रोल रूम में पुलिस चीफ श्री बैंस, एस. पी. श्री पांडे, एस.पी. सिटी हरजीत सिंह, चौधरी हरजेन्द्र सिंह (एस. डी. एम. अमृतसर) और जिला परिवहन अधिकारी नरेन्द्र सिंह व अन्य अधिकारी उपस्थित हैं।

बार-बार लाठीचार्ज

पुलिस शहर में किसी भी स्थान पर भीड़ एकत्र नहीं होने दे रही है और बार-बार लाठीचार्ज करके भीड़ खदेड़ी जा रही है।

नेताओं द्वारा दौरा

सर्वश्री पृथ्वी पाल सिंह, सेवा राम, दरबारी लाल गुप्ता (सभी विधायक), प्रताप चन्द भंडारी, बिहारी लाल खन्ना, विद्या सागर, ठेकेदार वीर सिंह, पूर्ण सिंह भाटिया, बूटा राम एम.सी., जसवन्त सिंह, मुल्क राज कपूर ने शहर का दौरा किया और लोगों से शांत रहने की अपील की।

एक दर्जन गिरफ्तार

पुलिस ने जलूस पर बम फैंकने के आरोप में एक दर्जन व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया है और अन्य की पकड़-धकड़ जारी है।

तनाव, आंतक जारी

शहर के भीतरी भागों में आतंक और तनाव जारी है मगर शहर के बाहरी क्षेत्रों, शरीफपुरा, लारेंस रोड, पुतली घर, रेलवे रोड व अन्य स्थानों में स्थिति शांत है और वहां दुकानें खुली हैं।

अकाली मोर्चा हिंसक बना

अब यह कहा जा सकता है कि अमृतसर में जारी अकाली मोर्चा को उग्रवादी अकालियों ने हिंसक रूप दे दिया है और वे ऐसी कारंवाइयों पर उतर आए हैं जिनसे लोगों में घबराहट एवं आतंक फैले रहें तथा दूसरे केन्द्रीय सरकार एवं अकाली नेतृत्व के बीच किसी तरह की बातचीत शुरू न हो सके। गत रात 8 बजे के बाद चौक घंटा घर में जो बम धमाके हुए उनसे तनाव बहुत बढ़ गया है। दुकानदार वर्ग में भारी आतंक व्याप्त है। गत रात फैंके गए दस्ती बम सैनिक बमों जैसे थे और इस प्रकार यह कहा जा रहा है कि उग्रवादी अकालियों के पास पुलिस के मुकाबले में अधिक खतरनाक असला है। 16 अक्तूबर को जब चौक घंटा घर में पुलिस और उग्रवादी अकालियों के बीच संघर्ष हुआ था तो उस समय पुलिस की ओर से टियर गैस के जवाब में दरबार साहब व म्पलैक्स से जो टियर गैस के गोले उग्रवादियों ने पुलिस पर फैंके थे, वे भी अत्यधिक शक्तिशाली थे।

पुलिस कमजोर

उच्च क्षेत्रों में कहा जा रहा है कि दरबार साहब के इर्द-गिर्द तैनात पुलिस फोर्स भी मजबूत नहीं क्योंकि उग्रवादी अब पुलिस वालों पर दस्ती बम फैंकने की कारंवाइयां करने लगे हैं। कहा जाता है कि उग्रवादियों के इस बढ़े हुए हौसले को देखकर नगर में तैनात सी.आर.पी. तथा बी. एस. एफ. के जवान अत्यधिक गुस्से में हैं। उनका कहना है कि वे जब भी कुछ कहना चाहते हैं तो पंजाब पुलिस के जवान आगे आ जाते हैं तथा उन्हें रोक देते हैं। इस प्रकार परिस्थितियां और अधिक खराब होती जा रही हैं।

भाटिया के अनुसार कल के बम विस्फोट के 53 घायलों को श्री गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें लगभग एक दर्जन घायलों की दशा नाजुक बताई जाती है। एक घायल नन्द लाल, जो कि कटरा आहलुवालिया में किसी दुकान पर नौकरी करता है, की दोनों टांगों में बम के टुकड़े लगे हैं जिनमें से अभी तक खून बह रहा है।

22 घायल पुलिस कर्मचारी अस्पताल में भर्ती हैं जिनमें बाबा बकाला के डी. एस.पी. दर्शन सिंह, हरमेल सिंह ए.एस. आई., दो हैड कांस्टेबल सर्वजीत सिंह तथा कृष्ण

(शेष पृष्ठ 10 पर)

तलवंडी का अकाली [illegible]

सेना भवन में

डम्पी रायबरेली से

[illegible] प्रदेश में अकाली गतिविधियां तेज

दसूहा में हत्या

(1 पृष्ठ का शेष)

लाल और सात पुलिस कांस्टेबल शामिल हैं। सी.आर.पी. के एक सब इन्स्पैक्टर पूर्ण सिंह तथा 6 कांस्टेबल हैं। तीन कांस्टेबल पी.ए.पी. के हैं। एक पुलिस कांस्टेबल महेन्द्र पाल फिल्लौर भी घायलों में शामिल हैं जो भगवान राम चन्द्र की झलकियां देख रहे थे।

अगर 10 मिनट पहले बम फटता तो

लोगों का कहना है कि यदि बम 10 मिनट पहले फटता तो बहुत अधिक प्राण हानि होने की आशंका थी क्योंकि 10 मिनट पूर्व झांकियों वाली पार्टी वहां से गुजर गई थी। अस्पताल में सारी रात लोगों की भीड़ रही तथा लोग अपने रिश्तेदारों, मित्रों का कुशल-क्षेम पूछने के लिए आते रहे। घायलों की संख्या सौ से अधिक बताई जाती है क्योंकि अनेक घायल अस्पताल में भर्ती नहीं किए गए थे।

मृतक की शिनाख्त

घायलों में मैजिस्ट्रेट श्री कंवल जीत सिंधु भी शामिल हैं। कल की घटना में जिस व्यक्ति की मृत्यु हुई है वह एक 55-56 वर्षीय हिन्दू है। 7 घायल पुलिस कर्मियों की दशा नाजुक है। घायलों में से अनेक की टांगें, बाहें नाकारा हो गई हैं। अस्पताल के एमरजैंसी वार्ड में चारपाइयां भरी पड़ी हैं। अस्पताल के अन्दर-बाहर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है।

कुछ संवाददाता भी घायल

पुलिस ने आज यहां उत्तेजित भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बार-बार लाठीचार्ज किया। कल स्वर्ण मंदिर के पास हथगोला के फटने के विरोध में यह भीड़ कटरा जयमल सिंह में दुकानदारों को दुकानें बंद करने के लिए विवश कर रही थी। लाठीचार्ज से कुछ संवाददाता घायल हो गए।

कल जो रामनवमी जलूस पर हथगोले फैंके गए थे उनके विरोध में दुर्गियाना मंदिर समिति ने आज दशहरा समारोह नहीं मनाने की अपील की जिसके फलस्वरूप दशहरा नहीं मनाया गया।

अमृतसर के डिप्टी कमिश्नर सरदारा सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि नगर की स्थिति यद्यपि तनावपूर्ण है फिर भी नियंत्रण में है।

शिष्टमंडल उपायुक्त से मिला

दुर्गियाना मंदिर कमेटी के एक शिष्टमंडल ने इंका सांसद रघुनंदन लाल भाटिया के नेतृत्व में उपायुक्त से भेंट कर कल दशहरा झांकी जलूस पर बम फैंकने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की।

नारेबाजी

कई स्थानों पर नागरिकों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। कल की घटना में घायल कुछ लोगों ने निजी डाक्टरों के यहां चिकित्सा कराई।

विधायक के घर पर हमला

गत रात्रि हिंसा की कुछ अन्य घटनाएं भी हुईं। कुछ उग्रवादियों ने इंका विधायक दरबारी लाल गुप्त के घर पर हमला करके मकान के दरवाजे आदि तोड़ दिए। श्री गुप्त उस समय घर में नहीं थे और उनके बच्चों ने पड़ोसियों के घर में छिप कर अपनी जान बचाई।

अस्पताल में घायलों की उपेक्षा

आज सांसद रघुनंदन लाल भाटिया, दुर्गियाना मंदिर कमेटी के अध्यक्ष गोपीचंद भाटिया तथा भूतपूर्व इंका विधायक जयइंद्र सिंह ने जब अस्पताल का दौरा किया तो कई घायलों के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि डाक्टर दुर्व्यवहार कर रहे हैं। पत्रकारों ने भी कई घायलों को बिना किसी उपचार के फर्श पर पड़े देखा।

पुलिस अफसर का आप्रेशन

पंजाब पुलिस के सहायक सब इंस्पैक्टर हरमेल सिंह की पीठ और पैर में से टुकड़े निकालने के लिए आप्रेशन किया गया। उनकी हालत ज्यों की त्यों बनी हुई है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। स्वर्ण मंदिर के आसपास दुकानें बंद रहीं।

निहंग ने हिन्दू युवक को घायल किया

टी.पी.एस. के अनुसार आज यहां एक निहंग ने एक हिन्दू युवक को घायल कर दिया। युवक के दोनों हाथ गंभीर रूप से घायल हो गये हैं।

अधिकारी सतर्क

चंडीगढ़ (प्रे.): अमृतसर और राज्य में अन्यत्र हुई हिंसक घटनाओं जिनमें चार व्यक्ति मारे गए, के दृष्टिगत सरकार ने सभी जिला अधिकारियों को नए सिरे से सतर्क कर दिया है। अधिकृत सूत्रों का कहना है कि सरकार को भय है कि उग्रवादी अब अपनी गतिविधियां तेज कर देंगे क्योंकि अकालियों द्वारा अपनी मांगें मनवाने के लिए सरकार को नया कार्यक्रम शुरू करने की धमकी की अंतिम तिथि 4 नवम्बर निकट आ रही है। समाचार है कि पुलिस ने उन तीन मोटर साइकल सवारों की सरगर्मी से तलाश शुरू कर दी है जिन्होंने निरंकारी रेशम सिंह की हत्या की।

पंजाब के आई. जी. पुलिस श्री साहनी ने पुलिस जांच के बारे में कुछ भी बताने से इन्कार कर दिया और कहा कि इससे पुलिस के काम में बाधा आएगी। गोलीकांड जिला होशियारपुर में नंगल खुंगा गांव को टांडा से जोड़ने वाली लिंक रोड पर एक निर्जन स्थान पर हुआ। कहा जाता है कि रेशमसिंह साइकल पर गांव से आ रहा था, जब उस पर हमला किया गया। मोटर साइकल सवारों ने उसे छः गोलियां मारीं और उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। रेशमसिंह की सुरक्षा के लिए पुलिस गार्ड तैनात थी।

मोटर साइकल सवार कौन थे, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता लेकिन पुलिस सूत्रों का कहना है कि अपराधी वही हो सकते हैं जिन्होंने निरंकारी बाबा के एक प्रमुख अनुयायी श्री निरंजन सिंह आई. ए. एस. पर चंडीगढ़ में हमला किया था। उक्त घटना में श्री निरंजन सिंह घायल हो गए थे किन्तु उनका भाई मारा गया था। तब भी अपराधी मोटर साइकलों पर थे और भाग निकलने में सफल हो गए थे। जालन्धर, तरनतारन, कपूरथला गोलीकांडों में भी मोटर साइकल सवार ही शामिल थे।

सी.आर.पी. में असन्तोष नहीं

अमृतसर के एस. एस. पी. तथा सी. आर. पी. के कमांडैंट एम. एस. खान ने एक विज्ञप्ति में इस समाचार का खंडन किया कि अमृतसर में दशहरा झांकी जलूस में भाग लेने वालों के खिलाफ पंजाब पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से सी. आर. पी. के जवानों में असंतोष है।

वार्ता का मार्ग प्रशस्त

लुधियाना (स): अकाली नेता जत्थेदार जगदेव सिंह तलवंडी ने अपने 21 सौ साथियों सहित लुधियाना की माडल जेल आज छोड़ दी। सरकार ने उनकी रिहाई का आदेश दो दिन पूर्व जारी कर दिया था। इस पर तलवंडी ने कहा था कि जब तक अकाली मोर्चे के डिक्टेटर संत लौंगोवाल के निर्देश नहीं मिलेंगे वे जेल खाली नहीं करेंगे।

हमारे सम्वाददाता ने सूचना दी है कि गत सायं संत लौंगोवाल का विशेष दूत संत का पत्र लेकर तलवंडी से मिला। संत लौंगोवाल ने तलवंडी को लिखा कि सरकार हार गई है। अब तक 41 हजार अकाली गिरफ्तारी दे चुके हैं, आप लुधियाना जेल खाली करके अमृतसर पहुंच जाएं ताकि 4 नवम्बर के कार्यक्रम पर विचार किया जा सके। जेल से बाहर आने से पूर्व तलवंडी ने कहा कि मैं संत लौंगोवाल के निर्देश पर साथियों सहित जेल खाली कर रहा हूं और अमृतसर जा रहा हूं। एक प्रश्न के उत्तर में श्री तलवंडी ने कहा कि वे 5 सदस्यीय समिति की बैठक में भाग लेंगे लेकिन आनन्दपुर साहिब प्रस्ताव से कुछ भी कम स्वीकार न करेंगे।

सुबह अधिकारियों ने 31 बसें, और 15 ट्रक रिहा अकालियों को ले जाने के लिए दिए।

राजेश भांबी के अनुसार तलवंडी के जेल खाली करने से अकालियों की पांच सदस्यीय समिति और प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के विशेष दूत स्वर्ण सिंह के मध्य वार्ता का मार्ग प्रशस्त हो गया। आज जब एस. डी. एम. हरदयाल सिंह सिद्धू व उपायुक्त रवि साहनी ने जेल में तलवंडी व उनके 1992 साथियों को रिहा किए जाने की घोषणा की तो तलवंडी ने कहा कि वे अपने साथियों से विचार-विमर्श कर रहे हैं। बाद में टोहरा, बसंत सिंह खालसा और सुर्जन सिंह ठेकेदार ने भी जेल में आकर लौंगोवाल से बातचीत की तो तलवंडी जेल खाली करने को तैयार हो गए। इसके पूर्व तीन सौ अकालियों ने जेल के अंदर मुख्य द्वार के निकट नारेबाजी की।

उग्रवादियों को मौका हाथ लगा

गृह विभाग के सूत्रों के अनुसार पुलिस के अकाली आंदोलन के कारण कानून व्यवस्था की बहाली में व्यस्त होने के कारण धार्मिक स्थानों में छिपे उग्रवादियों को बाहर आकर एक बार फिर हमले करने का मौका हाथ लग गया।

पंजाबियों को विध्वंसकों से और अधिक चौकस रहने की अपील

जालन्धर, 27 अक्तूबर (खन्ना): मार्क्सी कम्युनिस्ट पार्टी की पंजाब शाखा के जनरल सैक्रेटरी श्री सतवंत सिंह ने, अमृतसर बम कांड की, जिसमें एक व्यक्ति मारा गया और 50 अन्य घायल हुये, कड़े शब्दों में निन्दा की है और पंजाब के लोगों को समाज विरोधी एवं विध्वंसक तत्वों की गतिविधियों से अधिक चौकस रहने की अपील की है ताकि राज्य की मौजूदा जटिल स्थिति के समाधान के लिये वार्ता शांत वातावरण में हो सके।

इसी बीच पंजाब देहाती मजदूर सभा की कार्यकारिणी ने, जिसकी बैठक कामरेड चन्द सिंह चोपड़ा की अध्यक्षता में हुई, केन्द्र सरकार और शिरोमणि अकाली दल के नेताओं से अपील की है कि वार्ता द्वारा समस्या के समाधान के सुअवसर का, जो श्री स्वर्ण सिंह से वार्ता के लिये पांच सदस्यीय पैनल की नियुक्ति से पैदा हुआ है, पूरा-पूरा लाभ उठाया जाये। केंद्र को अकाली दल की उचित मांगें स्वीकार कर लेनी चाहियें और अकालियों को भी सिर्फ उचित मांगों पर ही जोर देना चाहिये।

जुबली फिल्मों के निर्माता रतन मोहन पेश करते हैं—

(रंगदार) (सिनेमा स्कोप)

संगीत—लक्ष्मी कांत प्यारे लाल

डायरैक्टर—श्याम रल्हन

➔ जितेन्द्र, रीना राय, विजयेन्द्र, काजल किरण, डैनी, नूतन, जगदीप, ओम शिवपुरी, ललिता पंवार, जिंदगी के बेहतरीन रोल में कादर खां व प्राण

भारी रश—गगन-अमृतसर, स्वर्ण-जम्मू, फूल-पटियाला, अशोका-रोहतक, नीलम-फरीदाबाद में 5 वां

29 अक्तूबर से—संगीत-लुधि

मेरे महबूब और लैला मजनू की हर शुक्रवार रात 9.30 पर रे
और हर शुक्रवार 9.45 पर विविध भ

दीदारे-यार

(रंगदार)

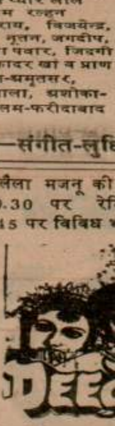

सितारे—
जितेन्द्र, रेखा,
ऋषि कपूर,
टीना मुनीम,
देवेन वर्मा, ।

भारी रश—लक्ष्मी-लुधियाना, न
स्टेडियम-श्रीनगर, कै. सी.-चंडीगढ़, चंद

26 अक्तूबर को अमृतसर में हुए बम विस्फोट में मारा गया एक नागरिक, जिसकी शनाख्त नहीं हो सकी।

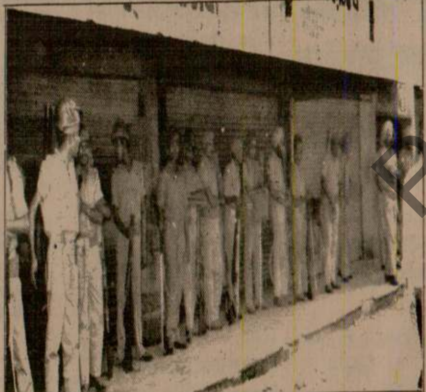

चौक घंटाघर अमृतसर में बम विस्फोट की घटना के बाद भारी पुलिस की गश्त तथा बुधवार की पूर्ण हड़ताल का - एक दृश्य। (छाया-प्रेम भंडारी)

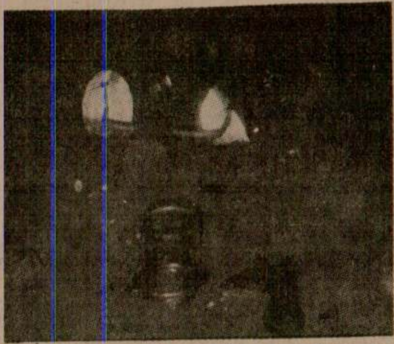

घंटा घर चौक अमृतसर में बम फटने के पश्चात् सड़क पर टूटा-फूटा बिखरा हुआ पैट्रोमैक्स गैस दिखाई दे रहा है। यह गैस राम नवमी के जलूस के साथ रोशनी के लिए ले जाया जा रहा था।

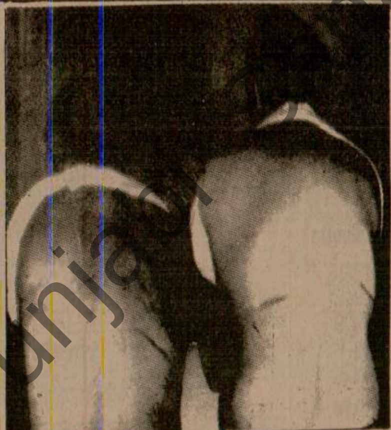

अमृतसर में पुलिस के अत्याचार के शिकार दो पत्रकार नरेन्द्र शर्मा तथा दीपक शर्मा अपने घाव दिखाते हुए।

बम फटने के बाद घूम रही मिनी बस किसकी?

अमृतसर, 28 अक्तूबर (हि.स.): परसों रात्रि हुए बम विस्फोट के दस मिनट बाद अमृतसर की सड़कों पर एक मिनी बस, जिस पर काले रंग के शीशे लगे हुए थे, बहुत तेज रफ्तार से चलती हुई निकल गई। किसी ने उसे न रोका। ठीक डेढ़ घंटा बाद फिर वही मिनी बस तेज गति से वापस आ गई। इसमें कौन-कौन सवार था, इस पर रहस्य पड़ा हुआ है।

फैंके गए दस्ती बम पर पहरा देते हुए पुलिस अधिकारी। इस बम, जो एच. ई. 36 वर्ग का है, को बाद में सेना के विशेषज्ञों ने निष्क्रिय किया।

निहंग बलवन्त सिंह उर्फ बूटा सिंह उर्फ दत्ता सिंह सिटी कोतवाली अमृतसर के निकट भीड़ भरे क्षेत्र बुत मलका चौक में बड़ा दो-धारी खंडा लहराते हुए। उसे डी.एस. पी. लाजवन्त सिंह ने आत्म रक्षा में उस समय गोली मारी जब निहंग ने उस की हत्या करने की धमकी दी। निहंग की बाद में अस्पताल में घावों की ताव न सहते हुए मृत्यु हो गई।

राम ही रक्षा करें

जिस तरफ देखो उधर ही आज मार-मार है !
मौत के हाथों से अपनी जिन्दगी, बेजार है !
कौन रोता है यहां अब मौत पर मासूम की !
हो रहा अपराधियों का हर तरफ सिंगार है !
भेज सकती है वह अन्दर और न बाहर जेल से !
नाम की है अब हकूमत नाम की सरकार है !!
फेल है हर डाक्टर अब राम ही रक्षा करें !
मेरा प्यारा देश भारत आजकल बीमार है !!

-विजय निर्बाध

रेशमसिह हत्याकांड में तीन गिरफ्तार : हत्या का षड्यंत्र अमृतसर में रचा गया

होशियारपुर, 2 नवम्बर (प्र.) होशियारपुर पुलिस ने टांडा के निरकारी नेता रेशम सिह के हत्या कांड में टांडा के तीन व्यक्तियों राजेन्द्र सिह (नंगल खुंगा), निर्मल सिह और सोहन सिह सिद्धू को बाकायदा भा. दं. वि. की धारा 302 34 25 54 59 के अन्तर्गत गिरफ्तार किया है । बताया जाता है कि इन तीनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है ।

एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि इन तीनों का सम्बन्ध न तो निहंगों के बुड्ढा दल से है और न ही तरुण दल से है । इस हत्याकांड में किसी भी निहंग का कोई हाथ नहीं है ।

प्रवक्ता ने बताया कि इस केस में और गिरफ्तारियां किए जाने की सम्भावना है और केस की जांच-पड़ताल ठीक ढंग से चल रही है ।

इस केस के सिलसिले में अभी यह नहीं पता चल सका कि हत्या के लिये प्रयुक्त किए गए हथियार और मोटर साईकिल पकड़े गए हैं या नहीं ।

बताया जाता है कि रेशम सिह की हत्या एक गहरे षड्यंत्र का परिणाम है, जो अमृतसर में तैयार किया गया । पुलिस क्षेत्र इस बारे में खामोश हैं कि अभियुक्तों का उग्रवादी सिख नेता जरनैल सिह भिंडरांवाला से कोई सम्बन्ध है या नहीं परन्तु हमारे संवाददाता ने समाचार दिया है कि इन तीनों अभियुक्तों में से दो व्यक्ति ऐसे हैं जो अकाली मोर्चे में शामिल हुए और उनका सम्बन्ध भिंडरांवाला से है ।

यह भी पता चला है कि रेशम सिह की हत्या के बाद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रधान जत्थेदार टोहरा और जत्थेदार जगदेव सिह तलवंडी टांडा आए थे और अकाली दल के प्रधान लौंगोवाल ने भी, जब अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, तो एस. एस. पी. को टैलीफोन किया था कि ये अकाली हैं, इन्हें छोड़ दिया जाए परन्तु पुलिस ने इसे स्वीकार नहीं किया ।

स्मरण रहे कि 1978 में बैसाखी के अवसर पर अमृतसर में निरंकारियों और संत भिंडरांवाला के समर्थकों के बीच हुई मुठभेड़ के बाद जो मुकद्दमा चला था, उसमें रेशम सिह सरकारी गवाह था ।

Punjabi Sanatani

लालाजी को मरणोपरान्त 'स्वास्थ्यश्री'

सहारनपुर, 2 नवम्बर :प्रख्यात स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, राष्ट्रवादी विचारक, जागरूक सांसद, पंजाब के भूतपूर्व शिक्षा मंत्री एवं दैनिक पंजाब केसरी पत्र समूह के संस्थापक सम्पादक लाला जगत नारायण को इस वर्ष मोक्षायतन संस्थान की सर्वोच्च मानद उपाधि "स्वास्थ्य श्री", प्रदान की जाएगी । इससे पूर्व ये सम्मान उ. प्र. के गृह मंत्री एवं कुश्ती प्रेमी श्री वीरेन्द्र वर्मा, युवा कल्याण मंत्री श्री राम सिह व खेल प्रेमी नगर मैजिस्ट्रेट श्री आर. के. शर्मा को दिया जा चुका है ।

अपने शिक्षा मंत्रित्व काल में राष्ट्र भर में पहली बार पंजाब में योग शिक्षा अनिवार्य करने, जीवन पर्यन्त नैतिक एवं राष्ट्रीय चेतना जगाने, और स्वस्थ चिंतनशीलता के लिए लाला जी को मरणोपरान्त इस अलंकरण के लिए चुना गया है, जो मोक्षायतन के वार्षिक समारोह में 13 नवम्बर को प्रदान किया जाएगा ।

राहों में पुलिस चौकी उड़ाने का प्रयास : मोगा में दुकान पर बम फैंका गया

जालन्धर, 12 नवम्बर (महेन्द्र खन्ना) : आज प्रातः यहां से 75 किलोमीटर दूर राहों पुलिस चौकी को डायनामाइट या डैटोनेटर से उड़ाने की असफल कोशिश की गई ।

सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रातः छह बजे इस किलानुमा पुलिस चौकी की पिछली दीवार के साथ हुएएक जोरदार धमाके के फलस्वरूप चौकी की छोटी ईंट की दीवार का एक भाग गिर गया और एक कमरे की खिड़की टूट गई । यद्यपि उस समय पुलिस चौकी में एक दर्जन पुलिस कर्मी मौजूद थे किन्तु कोई घायल नहीं हुआ ।

स्मरण रहे कि गत बीस अगस्त को राहों में ही पंजाब के मुख्यमन्त्री श्री दरबारा सिंह पर एक सार्वजनिक सभा में बम फैंका गया था जिसके फलस्वरूप एक मंत्री सहित तीन दर्जन व्यक्ति घायल हो गए थे और इस घटना के दूसरे दिन ही इस बम कांड में वांछित एक उग्रवादी गुरमीत सिंह पुलिस मुकाबिला में मारा गया था।

जालन्धर के सीनियर सुपरिंटैंडेंट पुलिस श्री गुरइकबाल सिंह भुल्लर ने, जो धमाके की सूचना मिलते ही घटनास्थल को रवाना हो गए थे, सायं काल राहों से वापसी पर संवाददाताओं को बताया कि यह धमाका भी उग्रवादियों की ही करतूत है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच के दौरान ऐसे संकेत मिले हैं कि उग्रवादी ज्यादा से ज्यादा दो थे। चूंकि पुलिस चौकी के पिछवाड़े में रैस्ट हाऊस बिलकुल निर्जन है और पुलिस कर्मी भी उधर किसी कमरे में नहीं रहते इसलिए अभियुक्त वहां निर्जनता और घास फूस का लाभ उठा कर भाग निकले। अभी तक किसी अभियुक्त का कोई सुराग नहीं लगा। श्री भुल्लर ने बताया कि घटनास्थल से विस्फोटक पदार्थ का कोई अवशेष नहीं मिला लेकिन वहां की रेत मिट्टी विश्लेषण के लिए चंडीगढ़ पुलिस प्रयोगशाला को भेजी गई है। पुलिस की राय में उग्रवादियों ने हल्के डैटीनेटर या डायनामाइट को इस्तेमाल किया गनकाटन स्लैब पटाखा या सुआ मारने के लिए काम आने वाला विस्फोटक भी इस्तेमाल होने का संदेह है। एक बात निश्चित समझी जाती है कि विस्फोटक के साथ फ्यूज लगा हुआ था ।

एस. एस. पी. ने विस्फोट की इस कार्रवाई को आतंक और अफरातफरी पैदा करने के उद्देश्य से की गई एक शरारत बताया।

भगदड़

एक सूचना के अनुसार धमाके की आवाज सुन कर पुलिस चौकी में मौजूद पुलिस कर्मियों में थोड़ी देर के लिए भगदड़-सी मच गई। उस समय कई पुलिस कर्मी घटनास्थल से कुछ ही गज की दूरी पर नहा रहे थे और कुछ अन्य राज्यपाल डा. चेन्ना रेड्डी के जालन्धर आगमन के सिलसिला में ड्यूटी पर जालन्धर रवाना होने को तैयार खड़े थे। धमाके के तुरन्त बाद राहों के सभी मार्गों की नाकाबंदी कर दी गई ।

जालन्धर में हंगामी बैठक

जालन्धर वापस पहुंचते ही एस.एस. पी. ने जिला भर के पुलिस अफसरों की हंगामी बैठक बुलाई और सभी थाना इन्चार्जों को अपने-अपने पुलिस थानों की सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा करने का निर्देश दिया गया।

मोगा में बम कांड

मोगा से सर्व मित्र की सूचना है कि आज रात यहां सवा सात बजे दो सिख मोटर साइकल सवारों ने शहर की गुंजान आबादी रामगंज में पोशाक पैलेस नामक कपड़े की एक बड़ी दुकान पर बम फैंका । बम विस्फोट से दुकान और उसमें पड़े माल को काफी क्षति होने का समाचार है। इस घटना में कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ । दुकान के अन्दर के लोग धमाका होते ही दुकान से बाहिर भाग खड़े हुए। डी.एस.पी. श्री कर्मसिंह सूचना मिलते ही भारी पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। उल्लेखनीय है कि कुछ मास पूर्व भी इसी स्थान के निकट उग्रवादियों के बम फैंकने से दो व्यक्ति मारे गए थे।

खूनी जत्थे पुनः सक्रिय ?

एक दिन में दो हिंसक घटनाएं होने से यूं लगता है कि पंजाब में उग्रवादी विशेषतया मोटर साइकल सवार खूनी जत्थे पुनः सक्रिय हो गए हैं।

Punjabi Sanatani

पंजाब में जगह-जगह बम धमाके : उग्रवादी पुनः सक्रिय

चार सौ अकाली गिरफ्तार : कई नेता गुरुद्वारों में जा छिपे : राज्य भर में धरपकड़ जारी

राहों, मोगा के बाद जालंधर, लुधियाना, होशियारपुर, कादियां और हरगोबिन्दपुर में भी विस्फोट

चंडीगढ़, 13 नवम्बर (यू. प्र., संवाददाताओं से) : राहों, मोगा और फिर लुधियाना में कल के बम धमाकों के बाद आज होशियारपुर, हरगोबिंदपुर, कादियां और जालंधर में छह स्थानों पर बम विस्फोट की घटनायें हुईं। इन धमाकों से राज्य भर में आतंक का वातावरण पैदा होने लगा है उग्रवादी थोड़े समय की चुप्पी के बाद पुनः सरगर्म हो उठे हैं।

पुलिस ने कल रात से आज तक राज्य व्यापी अभियान के अंतर्गत छापे मार कर दूसरी पंक्ति के 400 से अधिक अकाली नेता गिरफ्तार कर लिए पर कोई भी अकाली सांसद अथवा विधायक या अन्य महत्वपूर्ण नेता को गिरफ्तार नहीं किया गया। अनेक प्रमुख नेता या तो भूमिगत हो गए हैं या गुरुद्वारों में जा छिपे हैं।

लुधियाना (जोशी) : राहों और मोगा के बाद कल रात लुधियाना में भी एक बम धमाका हुआ परन्तु इसमें कोई प्राण हानि होने का समाचार नहीं मिला। गत वर्ष 9 सितम्बर को लुधियाना के निकट लाला जगत नारायण जी की हत्या के बाद व्यावहारिक रूप से लुधियाना अभी तक उग्रवादियों की हिंसात्मक कार्रवाइयों से बचा चला आ रहा था तथा यह बम धमाका लुधियाना में उग्रवादियों की लाला जी की हत्या के बाद पहली घटना है।

यह बम धमाका कल रात 11.30 बजे के लगभग लुधियाना की बस्ती जोधेवाल में सुन्दर नगर कालोनी में हुआ जबकि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने एक व्यक्ति महेंद्र पाल अग्रवाल के मकान पर बम फैंका। बम धमाका बड़े जोर के साथ हुआ तथा मकान की दीवार का एक हिस्सा गिर गया व खिड़कियों के शीशे टूट गए। अभियुक्त रात के अंधेरे में गायब हो गए। महेंद्र पाल अग्रवाल एक होजरी वर्कर बताया जाता है।

सूचना मिलते ही लुधियाना के एस. एस. पी. श्री डी. आर. भट्टी भारी पुलिस फोर्स के साथ मौका पर पहुंच गए तथा वह रात भर वहीं रह कर सक्रियता से जांच में लगे रहे। ज्ञात हुआ है कि अभियुक्तों का सुराग लगाने के लिए खोजी कुत्तों का दस्ता भी मंगवा लिया गया तथा सारे क्षेत्र में जबरदस्त छानबीन की जा रही है।

पता चला है कि गत रात्रि पौने 9 बजे के लगभग बम फटने से मकान के सभी कमरों में धूआं भर गया रसोई की खिड़कियों के शीशे टूट गए तथा जालियों में सुराख पैदा हो गए। दीवारों में भी दरारें आ गईं। फटने वाले बम के टुकड़े तथा छर्रे इकट्ठे कर लिए गए हैं जो दूर-दूर जा पड़े थे।

पटियाला रेंज के डी.आई.जी. श्री प्रीतम सिंह हूरा इस मामले की सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंच गए तथा मौका का निरीक्षण किया। लुधियाना के एस.एस.पी. श्री डी.आर. भट्टी, श्री एस. एस. भुल्लर, डी. एस. पी. मुख्यालय मनोहर सिंह चायल घटना के बाद आधी रात के बाद तक घटनास्थल पर रहे तथा वहां पूछताछ करते रहे।

केस दर्ज

बम के टुकड़े तथा छर्रे सैनिक विशेषज्ञों के निरीक्षण के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ कानून की धारा 4/5 तथा ...

एक टुकड़ा श्री अग्रवाल के नौकर को लगा।

खोजी कुत्ते भी मंगवाए जो घटनास्थल से गंध का अनुसरण करते हुए बाई पास की पक्की सड़क तक गए। उसके आगे सुराग नहीं लगा।

ऐसा लगता है कि हमलावर वहां से किसी गाड़ी में बैठ कर भाग गए। श्री भट्टी ने बताया कि घटनास्थल से फटे हुए बम के जो टुकड़े मिले हैं उनसे लगता है कि श्री अग्रवाल के मकान पर हथगोला फैंका गया था। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

कादियां में भी बम फटा

जिला गुरदासपुर के ही कस्बा कादियां में रात को एक बम धमाका हुआ जिसके फलस्वरूप स्कूल की बाहिरी दीवार गिर गई।

जालन्धर कचहरी में धमाका

जालंधर, (खन्ना) : आज रात साढ़े नौ बजे यहां जिला कचहरी के निकट जोरदार धमाका हुआ जिससे आस-पड़ोस के मकानों की खिड़कियां, दरवाजे हिल गए। धमाके के साथ ही कचहरी के प्रांगण में सख्त गुब्बार और धुआं देखा गया। जिला कचहरियों में पांच चौकीदारों के अलावा सरकारी खजाने पर गार्ड तैनात है। एक चौकीदार ने इस बात की पुष्टि की कि जिला कचहरी के अहाता में धुआं और गुब्बार उठता देखा गया लेकिन साथ ही कहा कि यह लगता है कि धमाका कचहरी की दीवार के बाहिर हुआ क्योंकि धमाका होते ही बड़ी संख्या में लोग एस. डी. एम. की कोर्ट की तरफ वाले चौक से भागते आते देखे गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौका पर पहुंच गई और चौकीदारों तथा अन्य लोगों से पूछताछ जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि ...

... विधायक श्री जितेंद्र करोहा जालन्धर इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट के भूतपूर्व अध्यक्ष और अकाली दल के सलाहकार सुरजीत सिंह मिन्हास, शहरी अकाली जत्था के प्रधान जगदीश सिंह, केसर सिंह, प्रताप सिंह, निर्मल सिंह पोपली, अवतार सिंह, गुरबचन सिंह, गुरदेव सिंह तथा नवांशहर के महेंद्र सिंह बजाज और मुजाराकलां ग्राम का महेंद्र सिंह शामिल हैं।

ये गिरफ्तारियां दिल्ली मोर्चे के लिए स्वयंसेवकों की भरती के अकाली प्रयासों को असफल बनाने के लिए की गई बताई जाती हैं।

अकालियों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए तथा राज्य में पुनः हिंसक घटनाओं की बाढ़ की आशंका के दृष्टिगत पुलिस एवं गुप्तचर विभाग ने सभी निरोधक उपाय अपना लेने का दावा किया है। इस बात की आशंका है कि ट्रेन पटरियां आदि उड़ाने के भी प्रयास किए जाएं। इसके दृष्टिगत सभी रेल लाइनों की कड़ी निगरानी प्रारम्भ कर दी गई है, राज्य के सभी नाकों, राजमार्गों, पुलों पर तथा बस स्टैंडों व रेलवे स्टेशनों पर बसों व ट्रेनों को रोक-रोक कर तलाशियां ली जा रही हैं।

कल राहों की पुलिस चौकी, मोगा में एक कपड़े की दुकान तथा लुधियाना में एक निजी मकान पर तथा आज चौक मेहता के पास गुरदासपुर जिले के घुम्मन ग्राम में एक केनाल रैस्ट हाउस तथा एक निरंकारी के मकान पर व होशियारपुर में एक स्थान पर बम फैंके गए। इन घटनाओं में मामूली क्षति हुई पर कोई हताहत नहीं हुआ और सभी घटनाओं में अभियुक्त फरार होने में सफल रहे। सभी घटनाओं में प्रयुक्त बम अत्यन्त शक्तिशाली और एक जैसे थे।

चंडीगढ़ में अकाली नेता प्रकाश ...

चलते-चलते

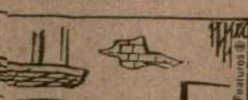

Punjabi Sanatani

कोई प्रण हानि होने का समाचार नहीं मिला। गत वर्ष 9 सितम्बर को लुधियाना के निकट लाला जगत नारायण जी की हत्या के बाद व्यावहारिक रूप से लुधियाना अभी तक उग्रवादियों की हिंसात्मक कार्रवाइयों से बचा चला आ रहा था तथा यह बम धमाका लुधियाना में उग्रवादियों की लाला जी की हत्या के बाद पहली घटना है।

यह बम धमाका कल रात 11-30 बजे के लगभग लुधियाना की बस्ती जोधेवाल में सुन्दर नगर कालोनी में हुआ जबकि कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने एक व्यक्ति

चलते-चलते

जी हां हम 8.33 प्रतिशत के हिसाब से आपको बोनस देने की मांग स्वीकार करने को तैयार हैं बशर्ते कि आप वेतन का छः महीने का बकाया न मांगें।

गए तथा जालियों में सुराख पैदा हो गए। दीवारों में भी दरारें आ गईं। फटने वाले बम के टुकड़े तथा छर्रे इकट्ठे कर लिए गए हैं जो दूर-दूर जा पड़े थे।

पटियाला रेंज के डी.आई.जी. श्री प्रीतम सिंह हूरा इस मामले की सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंच गए तथा मौका का निरीक्षण किया। लुधियाना के एस.एस.पी. श्री डी.आर. भट्टी, श्री एस. एस. भुल्लर, डी. एस. पी. मुख्यालय मनोहर सिंह चायल घटना के बाद आधी रात के बाद तक घटनास्थल पर रहे तथा वहां पूछताछ करते रहे।

केस दर्ज

बम के टुकड़े तथा छर्रे सैनिक विशेषज्ञों के निरीक्षण के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस ने विस्फोटन पदार्थ कानून की धारा 4/5 तथा भारतीय दंड विधान की धारा 427 के अन्तर्गत केस दर्ज कर लिया है। इस मकान में रहने वाले अग्रवाल भाइयों ने बताया कि उनका किसी राजनीतिक पार्टी से कोई सम्बन्ध नहीं। वे व्यापारी हैं। उन्होंने इसी वर्ष अपना मकान बनवाया है। 2 जून को इसकी 'चट्ठ' की गई तथा 4 जून को उन्होंने गृह प्रवेश किया।

घटनास्थल पर पुलिस को एक पुरानी चप्पल मिली है जो किसी 'भैया' की मालूम होती है। एस. एस. पी. ने बताया कि जांच जारी है तथा अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस सरगर्म है। उन्होंने फिलहाल इससे ज्यादा कुछ कहने से इंकार कर दिया।

"मुसाफिर" के अनुसार कांच का

आज रात साढ़े नौ बजे यहां जिला कचहरी के निकट जोरदार धमाका हुआ जिससे आस-पड़ोस के मकानों की खिड़कियां, दरवाजे हिल गए। धमाके के साथ ही कचहरी के प्रांगण में सख्त गुब्बार और धुआं देखा गया। जिला कचहरियों में पांच चौकीदारों के अलावा सरकारी खजाने पर गार्ड तैनात है। एक चौकीदार ने इस बात की पुष्टि की कि जिला कचहरी के अहाता में धुआं और गुब्बार उठता देखा गया लेकिन साथ ही कहा कि यह लगता है कि धमाका कचहरी की दीवार के बाहिर हुआ क्योंकि धमाका होते ही बड़ी संख्या में लोग एस. डी. एम. की कोर्ट की तरफ वाले चौक से भागते आते देखे गए।

सूचना मिलने पर पुलिस मौका पर पहुंच गई और चौकीदारों तथा अन्य लोगों से पूछताछ जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि धमाके की आवाज सुनकर जी. टी. रोड पर लोग इधर-उधर भागे।

मोगा (अमरसिंह): गत रात्रि लगभग साढ़े सात बजे मंडी रामगंज की घनी बस्ती क्षेत्र के एक कपड़े के शो-रूम में एक मुंह ढके व्यक्ति ने तब कोई वस्तु अंदर फैंकी जब शो-रूम का शटर बंद किया जा रहा था। शोरूम का मालिक, उसके 3 भाई तथा चार कर्मचारी काऊंटरों के पीछे छिप गए। तभी विस्फोट हुआ और चारों तरफ धुआं फैल गया। बम के टुकड़े सभी तरफ उछले, ट्यूब लाइट भी टूट गई। तत्काल ही पुलिस ने क्षेत्र की नाकेबंदी कर दी। बताया जाता है कि बम फैंकने वाला स्कूटर पर बैठ कर फरार हो गया। कुछ दिन पूर्व भी मोगा में बम फटा था जिसमें दो लोग मारे गए थे।

काले झंडे दिखाने से पहले ही गिरफ्तार

लुधियाना पुलिस ने अकालियों की इस धमकी कि कल मुख्यमंत्री के लुधियाना आगमन पर उनके विरुद्ध काले झंडों से प्रदर्शन किया जाएगा, दृष्टिगत निरोधक पग के रूप में 6 अकालियों को हिरासत में ले लिया।

श्री लौंगोवाल ने दावा किया कि अब तक 600 से अधिक अकालियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जालंधर से 'खन्ना' की सूचना है कि कल रात शुरू हुई पकड़-धकड़ के दौरान जिला जालंधर में दो दर्जन अकाली गिरफ्तार किए गए हैं। कपूरथला जिला में भी सोलह गिरफ्तारियों का समाचार है। जालंधर में गिरफ्तार व्यक्तियों में भूतपूर्व

इसके दृष्टिगत सभी रेल लाइनों की कड़ी निगरानी प्रारम्भ कर दी गई है, राज्य के सभी नाकों, राजमार्गों, पुलों पर तथा बस स्टैंडों व रेलवे स्टेशनों पर बसों व ट्रेनों को रोक-रोक कर तलाशियां ली जा रही हैं।

कल राहों की पुलिस चौकी, मोगा में एक कपड़े की दुकान तथा लुधियाना में एक निजी मकान पर तथा आज चौक मेहता के पास गुरदासपुर जिले के घुम्मन ग्राम में एक केनाल रैस्ट हाऊस तथा एक निरंकारी के मकान पर व होशियारपुर में एक स्थान पर बम फैंके गए। इन घटनाओं में मामूली क्षति हुई पर कोई हताहत नहीं हुआ और सभी घटनाओं में अभियुक्त फरार होने में सफल रहे। सभी घटनाओं में प्रयुक्त बम अत्यन्त शक्तिशाली और एक जैसे थे।

चंडीगढ़ में अकाली नेता प्रकाश सिंह बादल ने और अमृतसर में अकाली नेता हरचंद सिंह लौंगोवाल ने गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा की है और कहा है कि एशियाड के अवसर पर अकाली वर्कर किसी न किसी भांति दिल्ली पहुंच ही जाएंगे, सरकार उन्हें रोकने के चाहे जितने प्रयास करे।

एक सूचना के अनुसार एक-एक, दो-दो करके लगभग दो हजार अकाली पहले ही दिल्ली पहुंच गए हैं। यह भी पता चला है कि लौंगोवाल ने अब महिलाओं को भी साड़ियों में दिल्ली पहुंचने को कहा है हालांकि पहले ऐसी योजना नहीं थी।

पुलिस ने अकालियों की गिरफ्तारियां धारा 107/151 के अंतर्गत की हैं। इनमें भू. पू. मंत्री रंधीर सिंह चीमा तथा नवांशहर से भू. पू. विधायक जितेन्द्र सिंह भी शामिल हैं।

भटिंडा में भू. पू. केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री धन्ना सिंह गुलशन सहित 50 लोग गिरफ्तार कर लिए गए।

दरबारा सिंह

पंजाब के मुख्यमंत्री दरबारा सिंह ने अकाली नेताओं की गिरफ्तारियों को उचित ठहराते हुए कहा कि सरकार एशियाड में गड़बड़ करने की किसी को अनुमति नहीं दे सकती। अकाली दिल्ली में होने वाले एशियाई खेलों जैसे अंतर्राष्ट्रीय महत्व के समारोह में गड़बड़ करना चाहते हैं और सरकार चुप नहीं बैठ सकती। उन्होंने अकालियों से पुनः वार्ता करने की अपील की।

पता चला है कि सरकार ने बड़े

(शेष पृष्ठ 8 पर)

उद्योगों में मंदी की प्रवृत्ति समाप्त, मुद्रा स्फीति नियंत्रण में

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (यू. वा.): योजना आयोग के एक प्रवक्ता के अनुसार कतिपय उद्योगों में मंदी की प्रवृत्ति अब समाप्ति की ओर अग्रसर है तथा इस सम्बन्ध में अधिक चिंतित होने की आवश्यकता नहीं।

आर्थिक मोर्चे पर गत दो वर्ष के घटनाक्रम की समीक्षा करते हुये प्रवक्ता ने कहा कि अर्थव्यवस्था अब आम मंदी के पूर्वाभास से भी मुक्त हो चुकी है। इसके बावजूद सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है।

वर्ष 1980-81 के दौरान अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार का दावा करते हुये प्रवक्ता ने कहा कि यह कृषि व औद्योगिक उत्पादन में यथेष्ट वृद्धि के कारण संभव हो सका है।

प्रवक्ता ने कहा कि कुल राष्ट्रीय उत्पादन में संतोषजनक वृद्धि हुई है तथा मुद्रा-स्फीति दबावों पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। इसके बावजूद तेल मूल्यों में वृद्धि तथा व्यापार की स्थिति के निरन्तर प्रतिकूल होने के कारण भुगतान संतुलन पर गंभीर दबाव कायम है।

Punjabi Sahatani

बम धमाके
(पृष्ठ 3 का शेष)

नेताओं पर इसलिए हाथ नहीं डाला क्योंकि उसे 19 नवम्बर से पूर्व बातचीत के लिए इन नेताओं की जरूरत पड़ सकती है।

फायरिंग का आरोप

लौंगोवाल ने मंजी साहब दीवान में आरोप लगाया कि तरनतारन के बूधा ग्राम में हरि सिंह नामक व्यक्ति को गिरफ्तार करने गई पुलिस ने फायरिंग भी की।

प्रशासनिक सूत्रों ने लौंगोवाल के आरोप की पुष्टि नहीं की।

दिल्ली में अकाली भूमिगत

नई दिल्ली का समाचार है कि दिल्ली अकाली दल के कार्यकारी प्रधान वीर बहादुर सिंह समेत अनेक अकाली नेता भूमिगत हो गए हैं।

होशियारपुर में 20, अमृतसर में 28, लुधियाना में 35, गुरदासपुर में 8, भटिंडा में 50, कपूरथला में 16 अकालियों के पकड़े जाने का समाचार है। फिरोजपुर में भी पांच प्रमुख अकाली पकड़े गए हैं।

गुरदासपुर, (ग.): गत रात्रि और आज 38 अकाली वर्करों को गिरफ्तार किया गया। इनमें पहली श्रेणी का कोई अकाली नेता नहीं। केवल सक्रिय कार्यकर्त्ता ही गिरफ्तार किए गए हैं। और गिरफ्तारियों के लिए छापे मारे जा रहे हैं।

होशियारपुर : प्र.: एशियाड में विघ्न डालने के लिए दिल्ली जाने वाले लगभग 40 अकालियों के जत्थे को आज यहां जिला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार अकालियों में जिला अकाली जत्था (ल) के महासचिव श्री अमरजीत सिंह, जिला अकाली जत्था (त) के प्रधान श्री निर्मल सिंह बडला, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्य श्री अर्जुन सिंह जोश, श्री अमरीक सिंह, भूतपूर्व उपमंत्री श्री देवेन्द्र सिंह बाजवा तथा श्री करतार सिंह मुख्य हैं।

दसूहा में 8 तथा टांडा में 6 अकाली पकड़े गए हैं। जंडियाला गुरु में सिख स्टूडेंटस फैडरेशन के नेता शिव चरण सिंह व एस. जी. पी. सी. के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है।

2 हजार अकाली दिल्ली में

अमृतसर : "भारत में सिखों के साथ हो रहे भेदभाव के प्रति विश्व का ध्यान आकर्षित करने के लिए एशियाड के दौरान प्रदर्शन करने को

श्री हरगोबिंदपुर पुलिस थाने को हथगोले से उड़ाने का प्रयास

चंडीगढ़, 17 नवम्बर (प्रे.) गुरदासपुर जिले के श्रीहरगोबिंदपुर पुलिस थाने को एक सप्ताह के अन्दर दूसरी बार हथगोलों से उड़ाने का प्रयास किया गया।

भाग्यवश हथगोला फट नहीं सका और एक हैड कांस्टेबल स्वर्ण सिंह ने यह हथगोला उठा लिया। हथगोला विस्फोटक विशेषज्ञों के पास भेजा गया है।

श्रीहरगोबिंदपुर पुलिस थाने पर गत शनिवार को भी हथगोला फैंका गया था।

पंजाब की विभिन्न हिंसक घटनाओं में फटे अथवा 'जीवित' बरामद किए गए हथगोले सेना के उपयोग में लाए जाने वाले अत्यन्त घातक एच. ई. 36 श्रेणी के हैं। भिंडरांवाला के चौक मेहता स्थित मुख्यालय गुरुद्वारा गुरदर्शन प्रकाश में भी गत वर्ष ऐसा ही हथगोला फटा था जिसमें तीन जानें गई थीं। ऐसा ही हथगोला कुछ समय पूर्व मोगा में भी फैंका गया था जिसमें दो लोगों की मृत्यु हुई थी। इसके फलस्वरूप इन हथगोलों का रहस्य और गहरा हो गया है।

आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री दरबारा सिंह ने कहा कि ये हथगोले उग्रवादियों के पास कैसे पहुंचे, इस बात का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रेक्षकों का मत है कि हथगोले किसी सरकारी आयुद्ध कारखाने के बने हुए हैं।

दरबारा सिंह ने कहा कि पुलिस मुठभेड़ में मारे गए भोला सिंह व कश्मीरा सिंह विभिन्न मामलों में वांछित थे। भोला सिंह अपनी छाती पर तीन हथगोले बांध कर चलता था।

एस. एच. ओ. तबदील

गुरदासपुर में मिली सूचना के अनुसार श्री हरगोबिंदपुर पुलिस थाने के एस. एच. ओ. को तबदील कर दिया गया है और भिंडरांवाला के चेलों के बाहुल्य वाले इस क्षेत्र में उग्रवादियों की गतिविधियां नियंत्रित करने के लिए बटाला के डी. एस. पी. तथा अपराध अनुसंधान एजैंसी के इंस्पैक्टर को नियुक्त किया गया है।

6 इंच किरपाण का फैसला टोहरा की सहमति से

जालन्धर, 17 नवम्बर (खन्ना): केन्द्र सरकार ने विमान यात्रा के दौरान सिखों को छह इंच की किरपाण साथ रखने का फैसला शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के प्रधान श्री गुरचरण सिंह टोहरा की सहमति से किया है। यह जानकारी शिरोमणि अकाली दल (मास्टर तारा सिंह) के प्रधान जत्थेदार रछपाल सिंह ने दी और बताया कि जिन सिख यात्रियों के पास छह इंच से बड़ी किरपाण होती है उन्हें ही विमान में यात्रा से रोका जाता है।

Punjabi Sanatani